MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 04 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-91

ऊपरवाला मेहरबान तो सोना पहलवान

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): अपनी चमक-धमक वाली जीवनशैली और भारी सोने के आभूषणों के लिए पहचाने जाने वाले हैदराबाद के यादगिरी चिन्ना गौड़ उर्फ दरगाह चिन्ना पहलवान पर आयकर विभाग का शिकंजा कस गया है। विभाग ने उनके पास से लगभग 1 करोड़ रुपये मूल्य का सोना जब्त किया है। गौरतलब है कि हैदराबाद विशेषकर बेगमबाजार, धूलपेट आदि क्षेत्रों में सोने का खुला प्रदर्शन किया जाता है। खूब सोना पहनकर खूब हवाबाज़ी की जाती है। ऐसा दिखावा करने वालों के लिए यह घटना किसी चेतावनी से कम नहीं।

आयकर अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई चिन्ना गौड़ की सार्वजनिक छवि और विलासी जीवनशैली की निगरानी के बाद की गई है। चिन्ना पहलवान अपनी आय के स्रोतों और इतने बड़े पैमाने पर स्वर्ण आभूषणों के स्वामित्व का संतोषजनक स्पष्टीकरण देने में विफल रहे।

जांच के दौरान चिन्ना पहलवान के पास से कुल 900 ग्राम सोना पाया गया, जिसमें से 700 ग्राम बेहिसाब मानकर जब्त कर लिया गया, जबकि 150-200 ग्राम सोना निजी उपयोग के लिए वापस कर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि यह मामला

सोशल प्रोफाइलिंग का एक बड़ा उदाहरण है। जांचकर्ताओं ने कार्रवाई शुरू करने से पहले चिन्ना पहलवान के टीवी और यूट्यूब पर दिए गए साक्षात्कारों को ट्रैक किया था। उनकी संपत्ति और भारी सोने के गहनों के सार्वजनिक प्रदर्शन ने अधिकारियों का ध्यान उनकी ओर आकर्षित किया।

4 लाख की आय और करोड़ों का सोना

आयकर विभाग की जांच में सामने आया कि चिन्ना पहलवान ने केवल एक बार आयकर रिटर्न दाखिल किया था, जिसमें उनकी वार्षिक आय लगभग 4 लाख रुपये दर्शाई गई थी। उन्होंने दावा किया कि यह सोना किराये की आय और नकदी आधारित भूमि सौदों (जीपीए पर जमीन खरीदना और मार्जिन पर बेचना) से अर्जित किया गया है। हालांकि, अधिकारी इन दावों से संतुष्ट नहीं हुए और इसे बेहिसाब संपत्ति के रूप में दर्ज किया।

तेलंगाना के तीसरे गोल्ड मैन पर कार्रवाई

तेलंगाना में आयकर विभाग की रडार पर आने वाले चिन्ना पहलवान तीसरे हाई-प्रोफाइल गोल्ड मैन हैं। इससे पहले तेलंगाना हॉकी के अध्यक्ष कोंडा विजय कुमार और पी. सुरेश कुमार (सूर्या भाई) के खिलाफ भी ऐसी ही कार्रवाई की जा चुकी है।

▶8पर

ट्रंप ज़मीन पर

ईरान ने फाइटर जेट मार गिराया, पायलट तलाशने में जुटा अमेरिका

नयी दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां) । मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच ईरान ने अमेरिकी फाइटर जेट को मार गिराया है। ईरान ने पहले ही यह दावा किया था। अब अमेरिका ने भी इसकी पुष्टि कर दी है। एक अमेरिकी अधिकारी ने रॉयटर्स को पुष्टि की है कि ईरान के ऊपर एक अमेरिकी लड़ाकू विमान को मार गिराया गया है और विमान के चालक दल की तलाश जारी है।

इजरायल के आर्मी रेडियो ने इजरायली सूत्रों के हवाले से बताया है कि उन्होंने भी इस बात की पुष्टि की है कि विमान को गिरा दिया गया है और तलाशी अभियान जारी है। चालक दल की स्थिति के बारे में अभी तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

इसके अलावा वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में इसकी पुष्टि की गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हुए एक अमेरिकी

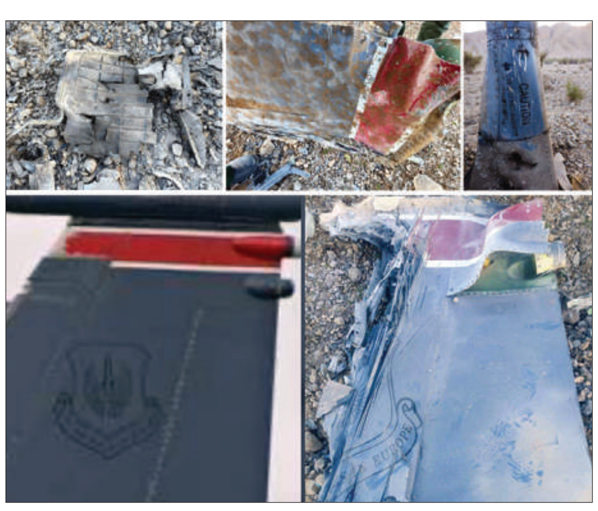

लड़ाकू विमान के चालक दल को खोजने और बचाने का अभियान चल रहा था। मामले के जानकारों को वॉल स्ट्रीट जर्नल को बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से इस देश के भीतर किसी विमान के नष्ट होने का यह पहला ज्ञात मामला है।

इससे पहले ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स के नए एडवांस डिफेंस सिस्टम ने मध्य ईरान के आसमान में अमेरिका के एक और एफ-35 फाइटर जेट को मार गिराया है। ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेना गिराए गए फाइटर जेट के पायलट को खोजने के लिए अभियान चला रही है, लेकिन अब तक उन्हें सफलता नहीं मिली है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पश्चिमी ईरान के कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद प्रांत में अमेरिकी बलों ने पायलट को तलाशने के लिए ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर और सी-130 हरक्यूलिस विमान का इस्तेमाल किया, लेकिन उनके प्रयास विफल रहे। बताया गया है कि जेट के नष्ट होने के बाद पायलट ने इजेक्ट कर लिया था और वह ईरान के भीतर ही उतरा। आईआरजीसी के मुताबिक, यह लड़ाकू विमान लैकनहीथ स्काड्रन का था और पूरी तरह तबाह हो चुका है। तस्नीम की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेरिकी पायलट को ईरानी सैन्य बलों ने पकड़ लिया हो सकता है। हालांकि, कुछ सूत्रों का कहना है कि अमेरिका को शक है कि पायलट जीवित है और उसे निकालने की कोशिश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। इससे पहले भी आईआरजीसी ने दावा किया था कि उसने ईरान के दक्षिणी हवाई क्षेत्र में अमेरिका के एफ-16 फाइटिंग फाल्कन और एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हमलों के बाद क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया है, ▶8पर

पाक में तेल के भाव आसमान पर

डीजल 520 तो पेट्रोल 458 रुपया/लीटर

नयी दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां) । पाकिस्तान में डीजल-पेट्रोल अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गए हैं। एक लीटर पेट्रोल 458 और डीजल 520 रुपया (पाकिस्तानी रुपया) के पार पहुंच गया है। सरकार ने पेट्रोल में 43% और हाई-स्पीड डीजल के दाम में 55% का इजाफा किया है। यह फैसला अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के बाद लिया गया है। नई दरें गुरुवार आधी रात से लागू हो गई हैं। पाकिस्तान में पेट्रोल 137.23 बढ़कर 458.41 और डीजल 184.49 बढ़कर 520.35 रुपया प्रति लीटर पर पहुंच गया। केरोसिन के दाम भी 34.08 रुपया बढ़ाकर 457.80 रुपया प्रति लीटर कर दिए हैं। पिछले महीने पेट्रोल-डीजल 55 रुपया महंगा हुआ था। तब पेट्रोल 321.17 और डीजल 335.86 रुपया था। पाकिस्तान के 1 रुपया की वैल्यू भारत के 33 पैसे के बराबर होती है। यानी भारत के 100 रुपए की वैल्यू पाकिस्तान में करीब 300 रुपया के बराबर है। ▶8पर

बिहार में खेला होईबे

भाजपाई सीएम नहीं चाहते 85 में से 68 जदयू विधायक

पटना, 03 अप्रैल (एजेंसियां) । बिहार में जदयू के 85 में से 68 विधायक नहीं चाहते कि नीतीश कुमार की जगह भाजपा का सीएम बने। वे नीतीश के बेटे निशांत कुमार को सीएम बनाने के पक्ष में हैं। सिर्फ 2 विधायकों ने कहा कि डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए।

नीतीश कुमार राज्यसभा जा चुके हैं, बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? इसकी तलाश में दैनिक भास्कर ने दावा किया कि उसने जदयू के सभी 85 विधायकों तक पहुंचने की कोशिश की। 70 बात करने को राजी हुए। बाकी 15 में से 8 के फोन नहीं लगे, 7 चुप रहे। सर्वे में शामिल 70 विधायकों में से 97% इसके लिए तैयार नहीं हैं। उनकी एकराय है कि बिहार का अगला सीएम सिर्फ नीतीश कुमार तय करेंगे। 3% भाजपा के सीएम पर राजी है। 70 में से सिर्फ दो विधायकों की तरफ से हां हैं।

करीब 20% विधायक चाहते हैं कि नीतीश बिहार के सीएम बने रहें। हालांकि विधायकों के एक धड़े ने मान लिया है कि नीतीश दिल्ली की सियासत करेंगे। 100% विधायक मानते हैं कि नीतीश कुमार के साथ कोई साजिश नहीं कर सकता। वे राजनीति के कच्चे खिलाड़ी नहीं हैं। वे अपनी मर्जी से राज्यसभा जा रहे हैं। न तो कोई उन्हें जबरन सीएम की कुर्सी से उतार सकता है और न ही साजिश के तहत सीएम से सांसद बना सकता है।

जदयू विधायकों से बातचीत में एक चीज साफ नजर आई कि पावर शिफ्टिंग की प्रक्रिया में विधायकों को संयमित रहने की हिदायत दी गई है। भाजपा से सीएम बनाने पर 90% विधायकों ने या तो बोलने से इनकार कर दिया या उनके जवाब एक जैसे थे। भाजपा की सरकार पर सभी विधायकों ने माना कि इसका फैसला उन्होंने टॉप लीडरशिप पर छोड़ दिया है। कदवा से विधायक दुलाल चंद गोस्वामी ने कहा कि बिहार में एनडीए का गठबंधन है। नीतीश के नेतृत्व में चुनाव लड़े थे, उनका फैसला सभी को स्वीकार करना होगा।

अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान बॉर्डर पर भूकंप से काँप उठा उत्तर भारत

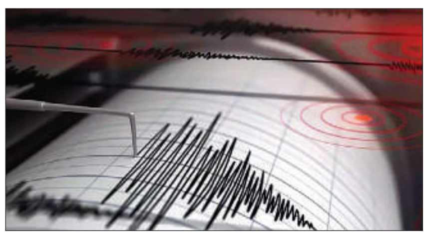

नयी दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां) । दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में शुक्रवार रात 9:42 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। इससे लोगों में दहशत फैल गई। दिल्ली-एनसीआर, चंडीगढ़ समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में झटके महसूस किए गए। जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में भी जमीन हिलने से लोग घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए।

जानकारी के मुताबिक, भूकंप अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान बॉर्डर क्षेत्र में आया था, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.9 मापी गई। तेज झटकों के चलते ही दिल्ली, पंजाब और जम्मू-कश्मीर समेत कई इलाकों में धरती हिली।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर, पुंछ और कश्मीर घाटी के कई इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। झटके कुछ सेकंड तक रहे, लेकिन उनकी तीव्रता इतनी थी कि लोग घबरा गए और सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। पाकिस्तान के इस्लामाबाद, पंजाब और पेशावर समेत कई इलाकों में भी तेज झटके महसूस किए गए। दिल्ली-एनसीआर में कई ऊंची इमारतों में रहने वाले लोगों ने झटकों को साफ महसूस किया। दफ्तरों और घरों में बैठे लोग तुरंत बाहर निकल आए। कुछ जगहों पर लोग पार्क और खुले मैदानों में इकट्ठा हो गए। फिलहाल, किसी बड़े नुकसान या जानमाल के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि घबराएं नहीं और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। ▶8पर

ऑल इंडिया इमाम संगठन के प्रमुख इलियासी का दावा

POK की घर वापसी जल्द

श्रीनगर, 03 अप्रैल (एजेंसियां) । ऑल इंडिया इमाम संगठन के प्रमुख डॉक्टर उमर अहमद इलियासी ने एक बड़ा बयान दिया है। कश्मीर घाटी के दौरे पर पहुंचे मुख्य इमाम इलियासी ने दावा किया कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) बहुत जल्द भारत का हिस्सा बनने जा रहा है। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया को पीओके की घर वापसी बताया है।

श्रीनगर में पत्रकारों से मुखातिब होते हुए मुख्य इमाम इलियासी ने कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत का एक अटूट अंग है। उन्होंने कहा कि वह दिन अब दूर नहीं जब यह फिर से भारत में शामिल हो जाएगा। इलियासी ने कहा कि आज वहां के हालात बेहद खराब हैं और वहां रहने वाले लोग खुद भारत के साथ आने को बेताब है।

डॉक्टर इलियासी ने दावा किया कि पाकिस्तान

अधिकृत कश्मीर (पीओके) के लोग अब घुटन महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वहां के नागरिक खुद चाहते हैं कि एक जनमत संग्रह कराया जाए, जिससे वे खुलकर अपनी आवाज बुलंद कर सकें। इलियासी ने दावा किया कि वहां के लोग भारत में शामिल होने की अपनी इच्छा को पूरी दुनिया के सामने रखना चाहते हैं।

धारा 370 हटने के बाद बदला कश्मीर का चेहरा

जब मुख्य इमाम से इस बड़े बदलाव की वजह पूछी गई, तो उन्होंने कहा कि साल 2019 में जब से केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया है, तब से घाटी की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर में शानदार सड़कें बन रही हैं, रेल कनेक्टिविटी बेहतर हुई है, बड़े पैमाने पर अवसंरचना का काम हो रहा है और अमन-चैन का माहौल है। घाटी के इसी विकास को देखकर सरहद पार यानी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में रहने वाले लोगों की आंखें खुली हैं। वे देख रहे हैं कि भारत के कश्मीर में लोग कितनी तरक्की और शांति से रह रहे हैं, जबकि वे खुद कंगाली और बदहाली से जूझ रहे हैं।

मुख्य इमाम ने आगे कहा कि आज दुनिया बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। पीओके के लोग भी अब खाली वादों और गरीबी से तंग आ चुके हैं। वे भारत की इस शानदार विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहते हैं। यही वजह है कि वहां लगातार पाकिस्तान के खिलाफ आवाजें उठने लगी हैं।

कार्टून कॉर्नर

आप का चड्ढा पर तीखा प्रहार, भाजपा की शरण में राघव?

नयी दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष और आम आदमी पार्टी (आप) की प्रमुख नेता आतिशी ने पार्टी सांसद राघव चड्ढा पर तीखा हमला किया है। उनसे जब सवाल किया गया कि क्या राघव चड्ढा बीजेपी में शामिल होंगे, तो मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी का एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) है।

आतिशी के अनुसार, इस एसओपी के तहत पार्टी नेताओं को धमकाया जाता है, डराया जाता है और प्रलोभन दिए जाते हैं। उन्होंने कहा, कई विपक्षी नेता डर, दबाव या प्रलोभन में आकर बीजेपी का दामन थाम लेते हैं। शायद यही कुछ राघव चड्ढा के साथ भी हो रहा है। इस दौरान आतिशी ने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें उन्होंने चड्ढा पर सवाल उठाए और उन पर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि चड्ढा ने चुनाव आयोग, एसआईआर और वोटर डिलीशन जैसे मुद्दों पर सवाल नहीं उठाए। आतिशी ने पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बोलने से वे क्यों डर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप एक बड़े शख्स हैं, राजसभा सांसद हैं, लेकिन गरीब जनता को एलपीजी संकट जैसी समस्याओं का सामना करना पड़

रहा है और आप चुप रहे।

आतिशी ने राघव चड्ढा पर आरोप लगाया कि आप कार्यकर्ताओं के साथ खड़े नहीं हुए जो अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चड्ढा लंदन गए और उन्होंने आंख की सर्जरी की बात बताई। आतिशी ने सवाल उठाया कि क्या मोदी से डर के कारण उन्होंने लंदन का रुख किया।

भगवंत मान ने बताया कॉम्प्रोमाइज्ड

इस दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी राघव चड्ढा पर आरोप लगाए कि वो कम्प्रोमाइज्ड हैं। उन्होंने कहा कि चड्ढा ने संसद में पार्टी व्हिप का उल्लंघन किया। मान ने कहा कि गुजरात में वोट काटे जा रहे हैं, कार्यकर्ता जेल में हैं, पंजाब में फंड फंसा है और चड्ढा सत्ताधारी मुद्दों पर चुप हैं और समोसे की बातें कर रहे हैं। इन आरोपों और आलोचनाओं के बाद लोग यह अनुमान लगाने लगे हैं कि राघव चड्ढा आप से झेल रहे दबाव के बाद बीजेपी का दामन थाम सकते हैं। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि चड्ढा की बीजेपी में शामिल होने की संभावना बढ़ रही है। विश्लेषकों का कहना है कि आतिशी और आप नेतृत्व के हमलों ने चड्ढा की छवि पर प्रभाव डाला है। विपक्षी दलों में नेताओं के बीच इस तरह के दबाव और आरोप राजनीति में लगातार दिखाई देते रहे हैं।

▶8पर

हनुमान जन्मोत्सव पर शोभायात्रा आयोजित

बेल्लमपल्ली, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । बेल्लमपल्ली राजस्थानी समाज के तत्वावधान में गुरुवार शाम भव्य शोभायात्रा आयोजित की गई। संध्याकाल में लक्ष्मी नारायण हनुमान मंदिर में आरती के बाद शोभायात्रा शुरू हुई, जिसमें समाज की महिलाएँ, युवा, बच्चे और बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए कुल्फी, ठंडाई, कोल्ड ड्रिंक्स और पेयजल का प्रबंध किया गया।

शोभायात्रा हनुमान मंदिर से निकलकर कृष्ण मंदिर, नेल्को लाइन, डब्बू सेट लाइन, पोस्ट ऑफिस लाइन और मेन बाजार होते हुए पुनः हनुमान मंदिर पर समापन हुई। कार्यक्रम में लक्ष्मी नारायण हनुमान मंदिर के श्रीकिशन मारु (चेयरमैन), बाला प्रसाद सोनी (अध्यक्ष), ओम प्रकाश मारु (सचिव) सहित आयोजक मांगीलाल झवर, रामानुज सोनी, राजेंद्रप्रसाद सोमानी, अजय सारडा, अजय लाहोटी व नगरप्रमुख रामगोपाल लोया तथा कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अधिकारियों के कथित भेदभाव के खिलाफ प्रदर्शन की चेतावनी

बेल्लमपल्ली, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । माला महानाडू के नेता कासर्ला यादगिरी ने आरोप लगाया है कि मंदामारी डिवीजन के केके ओपन कास्ट में सिंगरेनी कर्मचारी (क्लर्क) दोपहर का भोजन करने के लिए वेटिंग रूम गए तो वहां के एसओ व वेलफेयर ऑफिसर/मैनेजर ने कहा कि वेटिंग रूम में भोजन करना मना है और वे पेड़ या झाड़ियों के नीचे जाकर खा सकते हैं। इस टिप्पणी को दलित समुदाय के प्रति अपमानजनक बताया गया है।यादगिरी ने मंदामारी जीएम से उक्त अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है।

घटना के समय बेल्लमपल्ली के 16 वत्रक्त वार्ड के पार्षद मत्तामारी रायमल्लू, टीबीजीकेएस फिट के सचिव युगांधर और अन्य कर्मचारी भी मौजूद थे। यदि आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई तो तेलंगाना माला महानाडू ऑफ इंडिया के बैनर तले विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी गई है।

मनोहर रेड्डी ने पेद्दापुर में लक्ष्मी नरसिम्हा कल्याणम व ब्रह्मोत्सव में भाग लिया

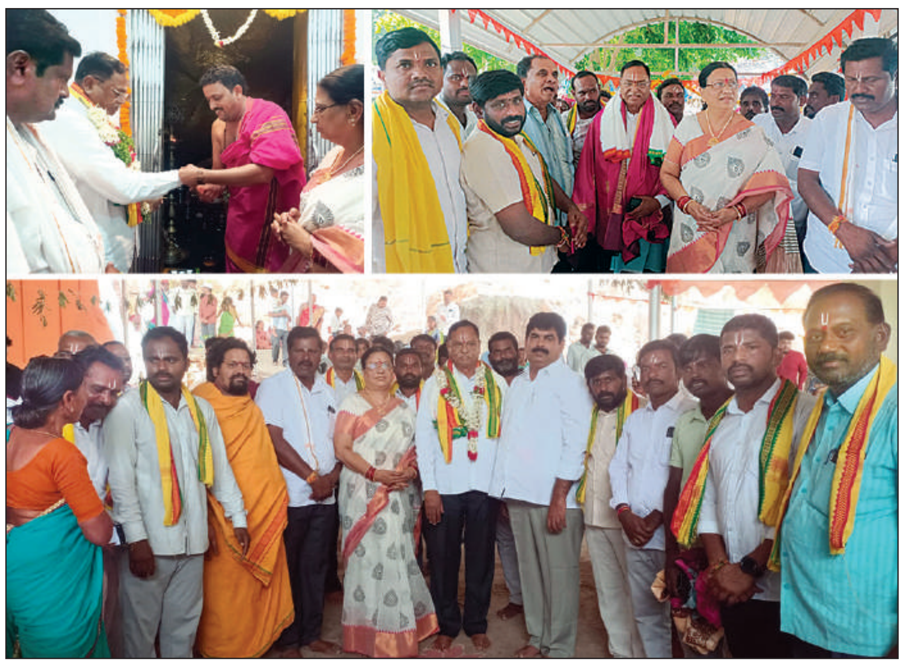

पेद्दापल्ली, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । पेद्दापुर गाँव में आयोजित श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी कल्याणम व ब्रह्मोत्सवम (जतरा) में पेद्दापल्ली के पूर्व विधायक दासारी मनोहर रेड्डी ने भाग लिया। उन्होंने मंदिर का दौरा कर देवता के लिए विशेष अनुष्ठान किए और श्रद्धा-पूर्वक प्रार्थना की।

मंदिर समिति और वैदिक विद्वानों ने दासारी मनोहर रेड्डी का पारंपरिक शॉल पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में पेद्दापुर के सरपंच तोगारू श्रीनिवास, जुलापल्ली की सरपंच अनुषा अनिल, वेंकटरावपल्ली की सरपंच माचा अरुणा यादगिरी, साथ ही लक्ष्मण, सागर और बीआरएस के अन्य नेता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण और भक्त उपस्थित रहे। दासारी मनोहर रेड्डी ने सभी भक्तों के सुख और शांति की कामना की।

चिरुमिल्ला राकेश ने एडवोकेट्स बार के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सम्मानित किया

पेद्दापल्ली, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। टीएस-टीएस के पूर्व चेयरमैन डॉ. चिरुमिल्ला राकेश कुमार ने पेद्दापल्ली एडवोकेट्स बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शॉल ओढ़ाकर व मिठाई खिलाकर सम्मान किया।

सम्मानित पदाधिकारी: अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता मेकाला मल्लेशम; महासचिवराचूरी श्रीकांत; उपाध्यक्ष लाकिडी श्रवण; कोषाध्यक्षबोंकुरी संतोष (बबजी), पुस्तकालय सचिवपुट्टा रवि, खेल व सांस्कृतिक सचिवतानी नरेश।

कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता एजीपीउप्पू राजन्ना, अधिवक्ता रमेश, हनुमंतुनिपेट के सरपंच मडागोनी श्रीनिवास, उप-सरपंच मेकाला कुमार यादव, उप्पू शिव कुमार और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कोरुटला में पेंशनर्स बिल्डिंग निर्माण शुरू

जगतियाल, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जागतियाल जिले के कोरुटला में पेंशनर्स बिल्डिंग का निर्माण शुरू हो गया है, जो शहर के सीनियर सिटिज़न्स का लंबे समय से चला आ रहा सपना था।

कोरुटला कांग्रेस पार्टी के इंचार्ज जुव्वाडी नरसिंग राव ने इस बिल्डिंग के निर्माण से जुड़ी आधिकारिक 3 लाख की प्रोसिडिंग कॉपी पेंशनर्स एसोसिएशन के सदस्यों को सौंपी। उन्होंने कहा कि समाज सेवा करने वाले सीनियर सिटिज़न्स की सुविधा के लिए यह बिल्डिंग बनाकर उन्हें खुशी हो रही है।

नरसिंग राव ने भरोसा जताया कि सरकार से फंड स्वीकृत हो जाएगा और निर्माण कार्य शीघ्र पूरा हो जाएगा। कोरुटला नगरपालिका अध्यक्ष तिरुमाला वसंत गंगाधर, टाउन कांग्रेस अध्यक्ष तिरुमाला गंगाधर ने कार्यक्रम में भाग लिया।पेंशनर्स एसोसिएशन के नेता, सीनियर सिटिज़न्स, स्थानीय कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नरसिंग राव के प्रयासों से कोरुटला निर्वाचन क्षेत्र उनके पिता के समान पुनः उन्नति के पथ पर अग्रसर होगा।

छत्रपति शिवाजी महाराज की 346वीं पुण्यतिथि मनाई

आसिफाबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। वांकीडी मंडल केंद्र के जेत्वान बुद्ध विहार में शुक्रवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की 346वीं पुण्यतिथि हर्षोल्लास से मनाई गई।

शिवाजी महाराज के चित्र पर पुष्पमालाएँ अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद त्रिसरण पंचशील और बुद्ध वंदना का सामूहिक पाठ किया गया।

वक्ताओं ने बताया कि शिवाजी महाराज ने जाति-धर्म से ऊपर उठकर शासन चलाया तथा ब्रिटिशों और विदेशी ताकतों से भारत को गुलामी से मुक्त कराने के लिए संघर्ष किया। उनके पराक्रम और प्रशासनिक कौशल की सराहना की गई।

कार्यक्रम में भारतीय बौद्ध महासभा आसिफाबाद जिला अध्यक्ष अशोक महुलकर, वांकीडी मंडल अध्यक्ष दुर्गम दुर्गाजी, मुख्य सचिव विजय उप्रे, अंबेडकर संघ उपाध्यक्ष दुर्गम सुनील कुमार, दुर्गम दोंदुजी श्यामराव, सचिव प्रताप रांटेंके, श्यामराव लहूकी दुर्गे, राजेश्वर उप्रे, बौद्ध उपासक पांडुजी, नेता बलवंत, प्रकाश सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

समता सैनिक दल के युवा सदस्य स्वागत, प्रशांत, तिरुपति, सुरेश, प्रवीन, पलक्रावु, प्रसाद, वेंकटि आदि ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जैनूर मंडल के रासिमेट्टा बालिका आश्रम विद्यालय का जिला कलेक्टर ने किया आकस्मिक निरीक्षण

आसिफाबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर के. हरिता ने शुक्रवार को जैनूर मंडल के रासिमेट्टा बालिका आश्रम विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया।

उन्होंने सबसे पहले सब्ज़ी भंडार कक्ष, शौचालय और स्नानगृहों का जायजा लिया। इसके बाद छात्राओं से पानी की सुविधा, मेन्यू अनुसार भोजन की उपलब्धता, पढ़ाई की प्रगति और शिक्षकों के समय पालन के बारे में जानकारी ली।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि दसवीं कक्षा की परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम सुनिश्चित हों और शिक्षक 100 प्रतिशत सफलता के लिए कड़ी मेहनत करें। उन्होंने छात्राओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान तथा समयबद्धता पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान प्रधानाध्यापिका अनीता अनुपस्थित रहीं। शिक्षकों ने बताया कि उन्हें बुखार होने से अस्पताल जाना पड़ा। छात्राओं ने पुष्टि की कि पढ़ाई नियमित रूप से हो रही है। कलेक्टर ने छात्राओं को मेहनत, लगन से पढ़ाई करने और लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

अचानक निरीक्षण से शिक्षक घबराए नजर आए। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और छात्राएँ उपस्थित रहीं।

यादगिरिगुट्टा पहाड़ी दुकानों के टेंडर पर विवाद भक्त ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की

यादगिरिगुट्टा, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। यादगिरिगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर की पहाड़ी पर संचालित अस्थायी दुकानों के टेंडर नोटिफिकेशन को लेकर स्थानीय भक्त और ट्रेड एसोसिएशन में विवाद छिड़ गया है। एक स्थानीय भक्त ने टेंडर डेडलाइन पास आने के बावजूद पहाड़ी दुकानों के टेंडर जारी न करने पर हाई कोर्ट में याचिका दायर की है।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एग्जीक्यूटिव ऑफिसर जे. भवानी शंकर (खअड) और कुछ अधिकारियों ने पहाड़ी दुकानों के टेंडर प्रक्रिया पर ध्यान नहीं दिया, जिससे मंदिर को होने वाले संभावित राजस्वजिसे सालाना करोड़ों बताए जा रहे हैंपर असर पड़ सकता है। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि ट्रेड वेलफेयर एसोसिएशन के नाम पर लगभग 10 दुकानें चल रही हैं, जिनसे मंदिर को वर्तमान में मासिक 14 लाख और वार्षिक लगभग 1.68 करोड़ रुपये मिल रहे हैं; जबकि टेंडर खुलने पर इन कमाई में वृद्धि हो सकती है।लोकल लोग और व्यापारियों ने एज से शीघ्र टेंडर नोटिफिकेशन जारी करने की मांग की है। वहीं कुछ आरोपों में स्थानीय विधायक और व्यापारिक प्रतिनिधियों के मिलीभगत के संकेत भी दिए गए हैं। मामला हाई कोर्ट में विचाराधीन है; अब यह देखना बाकी है कि मंदिर प्रशासन व एज टेंडर प्रक्रिया लागू करते हैं या कोर्ट का निर्देश किस प्रकार प्रभाव डालेगा।

चेनूर में कोमुरैया जयंती व शिवाजी महाराज पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित

मंचेरियाल, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । बीसी, एससी, एसटी जेएसी के तत्वावधान में लयोला स्कूल में दोंड्डी कोमुरैया जयंती और छत्रपति शिवाजी महाराज पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपस्थित नेताओं व संगठनों ने महान विभूतियों के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।वक्ताओं ने कोमुरैया के बलिदान और शिवाजी महाराज के सुशासन व सामाजिक न्याय के आदर्शों को प्रेरणास्पद बताया। कार्यक्रम के दौरान चेनूर में कोमुरैया की प्रतिमा स्थापित करने की मांग भी उठी।कार्यक्रम में सिद्धि रमेश यादव, मोटिवेशनल स्पीकर जलमपल्ली श्रीनिवास, अधिवक्ता रामबाव, डीटीएफ नेता अशोक, पुप्पाला संतोष, पोलासा सत्यनारायण, पूर्व सरपंच अक्कला राजन्ना, एमआरपीएस नेता मल्लेश मादिगा, अंबेडकर संघ के पर्स श्रीनिवास, जनगामा तिरुपति, वली हैदर, कविरी अशोक, कोटा राजन्ना, वेल्पुला राजन्ना, दुर्गम वेंकन्ना सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।अंत में आयोजकों ने बीसीएससीएसटी वर्गों की एकता और सामाजिक न्याय के लिए सतत संघर्ष का आह्वान किया।

सरपंच विशालाक्षी पाटिल ने किया सीसी रोड का उद्घाटन

मदनूर, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के बड़ा शक्करगा गांव में स्थानीय सरपंच विशालाक्षी पाटिल ने शुक्रवार को विधायक लक्ष्मी कांता राव के सहयोग से पांच लाख रुपये की निधि से निर्मित सीसी रोड का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से गांव का सर्वांगीण विकास संभव होगा। कार्यक्रम में हनुमान मंदिर समिति के अध्यक्ष राम पटेल, मंडल कांग्रेस अध्यक्ष दरासबार साईलू देवीदास पाटिल, वार्ड सदस्य और ग्रामीण मौजूद थे।

ग्राम सभाएँ समाधान मंच, 99 दिनों में गांव बदलेंगे : सुरेखा

लक्षित्टीपेट, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व डीसीसी अध्यक्ष कोक्किराला सुरेखा ने वेंकटाराव पेट में आयोजित लोक प्रशासन प्रगति कार्यक्रम में कहा कि ग्राम सभाएँ समस्याओं के समाधान का मंच हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने मुफ्त बिजली, चावल, पेंशन, इंदिरा आवास, स्वच्छता व अन्य बुनियादी सुविधाओं के शीघ्र वितरण के निर्देश दिए हैं और अगले 99 दिनों में गांवों व कस्बों का स्वरूप बदलने की उम्मीद है।

सुरेखा ने विधायक प्रेम सागर राव के विकास व कल्याण के प्रति जुनून की भी तारीफ की। कार्यक्रम में सरपंच नलीमम राजू, मुत्ते शैलजा सुधाकर, नगरपालिका अध्यक्ष दोंथा अंजली नरसय्या, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष पिंगली रमेश सहित पार्षद, अधिकारी व नागरिक उपस्थित रहे। सुरेखा का शॉल पहनाकर स्वागत भी किया गया।

एलपीजी संकट से ग्रामीण लौटे लकड़ी के चूल्हे पर, ग्रामीण महिलाएँ जंगल से जुटा रही हैं लकड़ी

मदनूर, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । मदनूर मंडल में एलपीजी गैस सिलेंडरों की कमी के कारण कई घरों व होटलधर्मस्थलों में पुनः लकड़ी के चूल्हों का इस्तेमाल बढ़ गया है। सिलेंडर की अनियमित आपूर्ति, लंबी कतारें और बढ़ी कीमतें नागरिकों के लिए बड़ी मुसीबत बन चुकी हैं।

नागरिकों ने बताया कि रसोई गैस की उपलब्धता नहीं होने से दैनिक भोजन बनाने में बाधा आ रही है; कई महिलाएँ घर का ईंधन जुटाने के लिए जंगल तक जा रही हैं। जो क्षेत्रों में पहले सिलेंडर के कारण धुएँ से मुक्ति मिल चुकी थी, वहाँ भी स्वास्थ्य व स्वच्छता पर नकारात्मक असर दिख रहा है। स्थानीय लोग संबंधित विभागों से तत्काल आपूर्ति बहाल करने और स्थायी समाधान के उपाय करने की मांग कर रहे हैं।

बैशाख कृष्ण की द्वितीया तिथि जानें भद्रा व शुभ-अशुभ समय

सनातन धर्म में पंचांग का बेहद महत्व है। इसके पांचों अंगों नक्षत्र, योग, करण, वार और पक्ष के आधार पर ही दिन की शुरुआत व शुभ-अशुभ समय का निर्धारण होता है। 4 अप्रैल को शनिवार, बैशाख मास कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि है। इस दिन कई महत्वपूर्ण योग और मुहूर्त बन रहे हैं। भद्रा का समय भी है, इसलिए कुछ शुभ कार्यों में सावधानी बरतनी चाहिए।

शनिवार को सूर्योदय 6 बजकर 8 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 41 मिनट पर होगा। चंद्रोदय शाम 9 बजकर 1 मिनट पर होगा। कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि सुबह 10 बजकर 8 मिनट तक, इसके बाद कृष्ण तृतीया रहेगी। हालांकि, उदयातिथि के अनुसार पूरे दिन द्वितीया का ही मान होगा। स्वाती नक्षत्र शाम 9 बजकर 35 मिनट तक, इसके बाद विशाखा व हर्षण योग दोपहर 2 बजकर 17 मिनट तक और गर करण सुबह 10 बजकर 8 मिनट तक रहेगा।

4 अप्रैल को भद्रा का समय होने के कारण कुछ शुभ कार्यों में सावधानी बरतनी चाहिए। अमृत काल और सर्वार्थ सिद्धि योग में कोई भी शुभ काम शुरू करना फलदायी रहेगा। राहुकाल में यात्रा या नया काम शुरू करने से बचें।

शुभ मुहूर्त की बात करें तो 4 अप्रैल को ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 36 मिनट से 5 बजकर 22 मिनट तक रहेगा। अभिजित मुहूर्त दोपहर 11 बजकर 59 मिनट से 12 बजकर 49 मिनट तक, विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से 3 बजकर 20 मिनट तक और गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 39 मिनट से 7 बजकर 2 मिनट तक रहेगा। वहीं, अमृत काल दोपहर 11 बजकर 59 मिनट से 1 बजकर 44 मिनट तक और सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 6 बजकर 8 मिनट से शाम 9 बजकर 35 मिनट तक रहेगा।

शनिवार को अशुभ समय की बात करें तो राहुकाल सुबह 9 बजकर 16 मिनट से 10 बजकर 50 मिनट तक, यमगंड दोपहर 1 बजकर 58 मिनट से 3 बजकर 32 मिनट तक, गुलिक काल सुबह 6 बजकर 8 मिनट से 7 बजकर 42 मिनट तक और दुर्मुहूर्त सुबह 6 बजकर 8 मिनट से 6 बजकर 58 मिनट तक रहेगा। शनिवार को भद्रा की छाया भी रहेगा। रात 11 बजकर 1 मिनट से अगले दिन सुबह 6 बजकर 7 मिनट तक भद्रा रहेगी।

जानें आपके दिन का हाल, किसे मिलेगा लाभ और किसे रहना होगा सतर्क

वैदिक ज्योतिष के अनुसार ग्रहों और नक्षत्रों की स्थिति हर दिन हमारे जीवन पर अलग-अलग प्रभाव डालती है। 4 अप्रैल 2026 का दिन भी सभी राशियों के लिए अलग-अलग परिणाम लेकर आया है। किसी के लिए यह दिन नई संभावनाओं के द्वार खोल सकता है तो किसी को थोड़ी सावधानी और धैर्य की जरूरत पड़ सकती है। आइए जानते हैं आज का दिन मेष से लेकर मीन राशि तक के जातकों के लिए कैसा रहने वाला है।

मेष–आज का दिन आपके लिए थोड़ा धीमा रह सकता है, इसलिए किसी भी कार्य में जल्दबाजी से बचना आवश्यक होगा। निर्णय लेते समय सोच-विचार करना आपके लिए लाभकारी रहेगा। परिवार का सहयोग मिलने से मानसिक संतुलन बना रहेगा और आप अपने भीतर शांति महसूस करेंगे। दिनचर्या को संतुलित रखते हुए अपने लिए भी समय निकालना आवश्यक रहेगा।

वृषभ–आज आपका आत्मविश्वास आपको आगे बढ़ाने में मदद करेगा और कार्यक्षेत्र में आपका मन लगा रहेगा। नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जो भविष्य में आपके लिए लाभकारी साबित होंगी। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतना जरूरी रहेगा। दूसरों की बातों को अधिक महत्व देने के बजाय अपने विवेक से निर्णय लेना बेहतर रहेगा।

मिथुन–आज का दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेगा और आपका मन प्रसन्न बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में प्रगति के अवसर मिल सकते हैं, जिससे आप उत्साहित महसूस करेंगे। किसी करीबी व्यक्ति से संवाद आपके मन को और अधिक प्रसन्नता देगा। दिन भर उत्साह बना रहेगा और आप अपने कार्यों को सहजता से पूरा कर पाएंगे।

कर्क– आज आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत मिल सकते हैं, जिससे मन में संतोष बना रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और आप भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बनी रह सकती है, लेकिन आपकी मेहनत का उचित फल भी प्राप्त होगा। वरिष्ठों का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा।

सिंह– आज का दिन संयम और धैर्य की परीक्षा ले सकता है। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय को लेने से पहले ठहरकर सोचने की आवश्यकता होगी। मानसिक रूप से थोड़ी अस्थिरता महसूस हो सकती है, लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक नहीं रहेगी। धीरे-धीरे परिस्थितियां आपके अनुकूल होने लगेंगी और आप बेहतर महसूस करेंगे।

कन्या –आज का दिन आपके लिए नए अवसर लेकर आ सकता है, विशेष रूप से व्यापार से जुड़े लोगों के लिए लाभ के संकेत हैं। किसी मित्र या परिचित का सहयोग आपके कार्यों को आसान बना सकता है। किसी अच्छी सूचना से मन प्रसन्न रहेगा और आप अपने कार्यों में अधिक उत्साह के साथ जुटे रहेंगे।

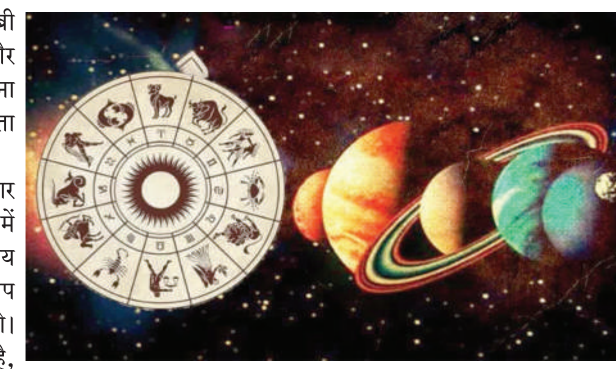

तुला–आज कार्यभार अधिक रहने के कारण दिन व्यस्त रह सकता है। हालांकि, सहयोगियों और मित्रों की मदद से आप अपने कार्यों को समय पर पूरा करने में सफल रहेंगे। शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए समय-समय पर विश्राम करना आवश्यक होगा। संतुलित दृष्टिकोण से आप दिन को बेहतर बना सकते हैं।

वृश्चिक –आज का दिन संयम बनाए रखने का है। किसी भी स्थिति में क्रोध से बचना आपके लिए लाभकारी रहेगा। आर्थिक योजनाओं को व्यवस्थित करने की आवश्यकता होगी। परिवार के बड़े सदस्यों का ध्यान रखना जरूरी रहेगा। आत्मचिंतन के माध्यम से आप अपने भीतर सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

धनु–आज कार्यक्षेत्र में प्रगति के संकेत मिल रहे हैं और वरिष्ठों का सहयोग भी प्राप्त होगा। नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं, जिनका सही उपयोग भविष्य को बेहतर बना सकता है। अपने विचारों को संतुलित रखना और अनावश्यक चिंतन से बचना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

मकर–आज मन में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है, लेकिन आत्मविश्वास बनाए रखना जरूरी होगा। नकारात्मक विचारों से दूरी बनाकर अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना आपके लिए बेहतर रहेगा। किसी यात्रा के संकेत भी मिल सकते हैं। दूसरों की बातों से प्रभावित होने के बजाय अपने लक्ष्य पर ध्यान देना जरूरी होगा।

कुंभ–आज का दिन शिक्षा और कार्यक्षेत्र से जुड़ी सकारात्मक खबर लेकर आ सकता है। निजी संबंधों में सामंजस्य बनाए रखना आवश्यक होगा। समय का सही उपयोग करने से आपको अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति प्राप्त होगी।

मीन–आज का दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रह सकता है। कार्यों में थोड़ी बाधाएं आ सकती हैं, लेकिन धैर्य रखने से स्थितियां धीरे-धीरे सुधरेंगी। पारिवारिक वातावरण में छोटी-मोटी बातों को नजरअंदाज करना बेहतर रहेगा। अपने लिए समय निकालकर आप मानसिक रूप से बेहतर महसूस कर पाएंगे।

रसोई में इंडक्शन रखने की सही दिशा क्या हो, जानें जरूरी नियम और बड़ी गलतियां

भारतीय घरों में रसोई केवल भोजन बनाने की जगह नहीं होती, बल्कि इसे घर की ऊर्जा का केंद्र भी माना जाता है। बदलते समय के साथ रसोई में आधुनिक उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ा है, जिनमें विद्युत आधारित चूल्हे का चलन भी काफी बढ़ गया है। ऐसे में वास्तु शास्त्र के अनुसार इन उपकरणों की सही दिशा और उपयोग का ध्यान रखना आवश्यक हो जाता है, क्योंकि इसका सीधा प्रभाव घर के वातावरण और पारिवारिक संतुलन पर पड़ता है। यदि इन्हें सही स्थान पर नहीं रखा जाए, तो यह नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा दे सकता है, जिससे जीवन में छोटी-छोटी परेशानियां उत्पन्न होने लगती हैं।

सही दिशा में रखें इंडक्शन चूल्हा

वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई में अग्नि तत्व का विशेष महत्व होता है, इसलिए विद्युत चूल्हे को भी उसी प्रकार रखा जाना चाहिए जैसे पारंपरिक चूल्हे को रखा जाता है। इसके लिए दक्षिण-पूर्व दिशा को सबसे उपयुक्त माना गया है, क्योंकि यह अग्नि तत्व का स्थान होता है। इस दिशा में चूल्हा रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। यदि किसी कारणवश इस दिशा में रखना संभव न हो, तो उत्तर-पश्चिम दिशा को विकल्प के रूप में चुना जा सकता है। वहीं उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम दिशा में इसे रखने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे ऊर्जा का संतुलन बिगड़ सकता है।

जल स्रोत और अग्नि तत्व को रखें अलग

अक्सर स्थान की कमी के कारण लोग चूल्हे को जल स्रोत के पास रख देते हैं, लेकिन वास्तु के अनुसार यह उचित नहीं माना जाता। जल और अग्नि दोनों विपरीत तत्व होते हैं और जब ये एक साथ होते हैं, तो ऊर्जा में असंतुलन पैदा होता है। इसका प्रभाव धीरे-धीरे घर के वातावरण पर पड़ सकता है, जिससे मानसिक तनाव और असहजता बढ़ने लगती है। इसलिए यह आवश्यक है कि चूल्हे और जल स्रोत के बीच पर्याप्त दूरी रखी जाए, ताकि रसोई में संतुलन बना रहे।

भोजन बनाते समय दिशा का ध्यान रखें

वास्तु शास्त्र में केवल चूल्हे की दिशा ही नहीं, बल्कि भोजन बनाते समय व्यक्ति किस दिशा की ओर मुख करता है, यह भी महत्वपूर्ण माना गया है। पूर्व दिशा की ओर मुख करके भोजन बनाना शुभ माना जाता है। इससे मानसिक शांति बनी रहती है और परिवार के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। गलत दिशा की ओर मुख करके काम करने से मन में अस्थिरता बनी रह सकती है।

शयन कक्ष में ना रखें इंडक्शन

विद्युत चूल्हे को एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जाया जा सकता है, लेकिन सुविधा के कारण इसे शयन कक्ष में रखना उचित नहीं माना गया है। शयन कक्ष को शांति और विश्राम का स्थान माना जाता है, जबकि चूल्हा अग्नि तत्व को बढ़ाता है। ऐसे में यदि इसे शयन कक्ष में रखा जाए, तो यह पारिवारिक जीवन और आपसी संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। इसलिए इसे हमेशा रसोई तक ही सीमित रखना बेहतर होता है।

संतुलित ऊर्जा से बनता है सुखद वातावरण

रसोई में छोटे-छोटे वास्तु नियमों का पालन करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। यह न केवल वातावरण को शांत और संतुलित बनाता है, बल्कि परिवार के सदस्यों के जीवन में भी स्थिरता और सामंजस्य लाता है। इसलिए जरूरी है कि आधुनिक उपकरणों का उपयोग करते समय भी पारंपरिक मान्यताओं का ध्यान रखा जाए, ताकि घर में सुख और समृद्धि बनी रहे।

डिस्क्लेमर: इस लेख में दी गई जानकारी सामान्य मान्यताओं और परंपराओं पर आधारित है। इसकी पूर्ण सत्यता और सटीकता की पुष्टि नहीं की जा सकती। विस्तृत जानकारी के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह लेना उचित रहेगा।

शनि मंगल की युति से बना अशुभ योग

मीन राशि में मंगल के साथ शनि की युति 2 अप्रैल से 11 मई तक रहेगी। शनि और मंगल को उग्र ग्रह माना गया है। अप्रैल के महीने में करीब 30 साल बाद एक साथ 4 ग्रहों की युति मीन राशि में बनने जा रही है। 2 अप्रैल को मीन राशि में मंगल प्रवेश कर चुके हैं। इसके बाद 3 उग्र ग्रह सूर्य, मंगल और शनि एक साथ मीन राशि में गोचर करेंगे। इनके साथ बुध भी यहां मौजूद रहेंगे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मंगल गोचर मीन राशि में 2 अप्रैल को प्रवेश कर चुके हैं। ज्योतिष गणना के अनुसार 18 महीने बाद गुरु की राशि मीन में मंगल प्रवेश कर चुके हैं। जहां सूर्य, शनि और शुक्र पहले से ही विराजमान हैं। ऐसे में मंगल के गोचर से शनि मंगल योग भी बनेगा। मंगल और शनि दोनों को पाप ग्रह माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र में दोनों क्रूर ग्रहों की युति को प्रतिकूल प्रभाव देना वाला माना जाता है। इन दोनों ग्रहों की युति से देश दुनिया में अप्रिय घटनाएं घटने की संभावना है। वर्तमान समय में कई देशों में चल रही युद्ध की स्थिति और तेज हो सकती है।

युद्ध के कारक ग्रह मंगल एक राशि में 45 दिनों तक गोचर करते हैं। 17 फरवरी को कुंभ राशि में पड़े सूर्य ग्रहण के बाद जब मंगल ने 23 फरवरी को इस राशि में प्रवेश किया उसके बाद से वैश्विक राजनीति तेज़ी से बदली। मंगल के ग्रहण की राशि कुंभ में राहु और सूर्य से युति के तुरंत बाद 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर बड़ा हमला किया और उसके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई सहित 40 बड़े सैन्य अधिकारियों और नेताओं को मार डाला। अपने ऊपर थोपे गए इस युद्ध का जवाब ईरान ने भी बड़ी प्रतिबद्धता के साथ दिया और अमेरिका-इजराइल सहित उसके खाड़ी देशों के सहयोगियों को बड़ा नुकसान पहुंचाया। अभी हाल ही में 29 मार्च को अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों और ईरान युद्ध के विरोध में कई शहरों में बड़े जनांदोलन हुए।

जब भी शनि का मंगल से संयोग होता है तो देश और दुनिया में जनविद्रोह, आंदोलन और युद्ध जैसे हालात बन जाते हैं। शनि और मंगल की इस युति को 'द्वंद्व योग' कहा जाता है। शनि अनुशासन और न्याय के देवता हैं, जबकि मंगल अग्नि और साहस के। मीन राशि (जल तत्व) में इनका मिलन मानसिक अशांति और वैचारिक मतभेद पैदा कर सकता है। मीन राशि समुद्र और जल का प्रतिनिधित्व करती है, इसलिए इस समय के दौरान समुद्री तूफान या जल से संबंधित प्राकृतिक आपदाओं की संभावना बढ़ जाती है।

14 अप्रैल तक मीन राशि में मंगल शनि और सूर्य की युति

मंगल 2 अप्रैल से 2026 से 11 मई 2026 तक मीन राशि में रहेंगे। यानी कि 11 मई तक मंगल व शनि की युति सक्रिय रहेगी। वहीं सूर्य 14 अप्रैल तक मीन राशि में रहेंगे और उसके बाद मेष राशि में गोचर कर जाएंगे। लिहाजा मंगल-शनि की युति सूर्य के साथ 14 अप्रैल तक रहेगी। अग्नि तत्व वाले मंगल ग्रह युद्ध और हिंसा के कारक हैं। राजनीति, न्याय के कारक उग्र ग्रह शनि के साथ मीन राशि में युति कर रहे हैं। इतना ही नहीं वहां अग्नि तत्व वाले सूर्य ग्रह भी मौजूद हैं। ऐसे में मंगल-शनि और सूर्य का साथ भयावह साबित हो सकता है।

साल 1996 में भी मीन राशि में बनी थी 4 उग्र ग्रह की युति

अप्रैल के महीने में करीब 30 साल बाद एक साथ 4 ग्रहों की युति मीन राशि में बनने जा रही है। 2 अप्रैल को मीन राशि में मंगल प्रवेश कर चुके हैं। इसके बाद 3 उग्र ग्रह सूर्य, मंगल और शनि एक साथ मीन राशि में गोचर करेंगे। इनके साथ बुध भी यहां मौजूद रहेंगे। साल 1996 में भी शनि मंगल, सूर्य और बुध की युति मीन राशि में बनी थी। साल 1996 में जब ग्रहों की ऐसी युति हुई थी उस समय कई आपदाएं और दुर्घटनाएं घटित हुई थी। इस समय न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड के पास विमान में विस्फोट हो गया था। उस विमान दुर्घटना में करीब 230 लोगों की जान गई थी। इसके अलावा साओ पाउलो के शॉपिंग सेंटर पर विस्फोट होने से करीब 44 लोग की जान चली गई थी और भी कई ऐसी घटनाएं उस वर्ष घटित हुई थी।

11 मई तक शनि मंगल की युति से होगी बड़ी घटनाएं

मेदिनी ज्योतिष के ग्रंथ भविष्यफल भास्कर और वर्ष प्रबोध के अनुसार मंगल की पाप ग्रह शनि से युति महंगाई बढ़ाने वाली होती है। ऐसा में हम वर्ष 2022 में भी देख चुके हैं जब मंगल और शनि की युति पहले फरवरी मार्च में मकर राशि में हुई उसके बाद अप्रैल में कुंभ राशि में दोनों ग्रहों की युति हुई जिसके चलते उस समय रूस-यूक्रैन के युद्ध के कारण दुनियाभर में आनाज, धातुओं आदि की कीमतों में तेजी आने से महंगाई बढ़ गयी थी। इस वर्ष मंगल की युति पहले पाप ग्रह राहु से फरवरी मार्च में हुई और अब शनि से मंगल की युति अप्रैल मई में रहेगी।

भारत में महंगाई बेरोजगारी और स्कैंडल से होगा आंदोलन

आजाद भारत की स्थापना कुंडली (15 अगस्त 1947, मध्य रात्रि, दिल्ली) वृषभ लग्न की है जिसमें मंगल में राहु में गुरु की कठिन विंशोत्तरी दशा 4 अप्रैल से 25 मई तक चलेगी। मंगल धन स्थान में अपनी शत्रु राशि मिथुन में बैठे हैं और राहु लग्न में विरजमान हैं। अब अष्टम (स्कैंडल) और एकादश (लाभ) स्थान के स्वामी गुरु का प्रत्यंतर 4 अप्रैल से 25 मई तक भारत में राजनीतिक उठा-पठक, स्कैंडल, महंगाई, बेरोजगारी बढ़ने से केंद्र सरकार को बड़ी समस्या दे सकता है।

मंगल शनि की युति का प्रभाव

अमेरिका की स्थापना कुंडली (4 जुलाई 1976, सुबह 10 बजकर 20 मिनट, फिलेडेल्फिया), जिसमें सिंह लग्न उदय हो रहा है, के अष्टम भाव में होगा। राहु में शनि में राहु की अशुभ विंशोत्तरी दशा अमेरिका की स्थापना कुंडली में 12 मई तक चल रही है, जिससे पहले अमेरिका अपनी सेना ईरान के प्रभाव वाले होर्मुज जलडमरूमध्य में आने वाले कुछ द्वीपों पर उतार सकता है जिसके कारण युद्ध के तेज होने की आशंका बन रही है। 1 जून को गोचर में गुरु के आने से पहले इस युद्ध के पूरी तरह रुकने की संभावना बेहद कम है।

अन्य देश भी युद्ध में हो सकते हैं शामिल

खाड़ी देशों में अमेरिका के प्रमुख सहयोगी संयुक्त अरब अमीरात, जिसका प्रमुख शहर दुबई है, को ईरान के बड़े ड्रोन और मिसाइल हमलों से काफी नुकसान हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात का ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य में आने वाले कुछ द्वीपों पर कब्ज़े को लेकर बड़ा विवाद रहा है। संयुक्त अरब अमीरात की स्थापना कुंडली (2 दिसंबर 1971 दोपहर, 12 बजे दुबई)कुंभ लग्न की है। कुंभ लग्न की इस कुंडली में लग्न में मंगल, चतुर्थ (राष्ट्रीय सम्पति) में शनि और चन्द्रमा, और दशम (राज सत्ता) में सूर्य और गुरु विराजमान हैं जो की परस्पर केंद्र में होने से एक बड़ा 'कारक योग' बना कर संयुक्त अरब अमीरात को खाड़ी देशों में बड़ा समृद्ध राष्ट्र बनाते हैं। शनि में शुक्र में राहु की कठिन दशा संयुक्त अरब अमीरात की स्थापना कुंडली में 8 अप्रैल से शुरू होगी। राहु हानि के द्वादश भाव में होकर संयुक्त अरब अमीरात को युद्ध में कुछ बड़ा नुकसान होता दिखा रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात में लाखों की संख्या में रह रहे भारतीय इस युद्ध के बढ़ने से बड़ी चुनौतियों का सामना कर सकते हैं।

देश-दुनिया में बड़े बदलाव

मंगल शनि की युति पर ज्योतिष आंकलन और भविष्यवाणी करते हुए भविष्यवक्ता और कुंडली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि वाहन दुर्घटनाएं प्राकृतिक आपदाएं मंदी माहमारी युद्ध होने की संभावना। रियल स्टेट के कारोबार में वृद्धि होगी। विदेशों में राजनीतिक उठापटक सत्ता परिवर्तन इत्यादि होने की संभावना। भारत और विदेशों में नया कानून लागू होने की संभावना। पुलिस सेना कानून में बगावत या गलत निर्णय को लेकर विवाद। भारतीय बाजारों में अचानक तेजी आएगी और व्यापार बढ़ेगा। अचानक किसी वस्तु के दाम बढ़ेंगे और बाजार से वह वस्तु गायब होगी। प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। दुर्घटना होने की आशंका है। भूकंप या अन्य तरह से प्राकृतिक आपदा आने की भी आशंका है। किसी भी विषय पर बड़ा आंदोलन होने की संभावना। होटल रेस्टोरेंट वालों के लिए बहुत ही अच्छा समय होगा। सांस्कृतिक रूप से कोई कोई विवाद या उत्तल पुथल होने की संभावना।

करें पूजा-पाठ और दान

मंगल के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। लाल चंदन या सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए। तांबे के बर्तन में गेहूं रखकर दान करने चाहिए। लाल कपड़ों का दान करें। मसूर की दाल का दान करें। शहद खाकर घर से निकलें। हं हनुमते नमः, ॐ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। मंगलवार को बंदरों को गुड़ और चने खिलाएं।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

चंकी पांडे के बॉलीवुड सफर को 39 साल पूरे डेब्यू फिल्म आग ही आग को किया याद

अभिनेता चंकी पांडे अपने मजाकिया अंदाज के लिए फैंस के बीच लोकप्रिय रहते हैं। उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहली फिल्म 'आग ही आग' से डेब्यू किया था। इस फिल्म को रिलीज हुए अब 39 साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर चंकी पांडे ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म की एक सीन पोस्ट कर यादों को फिर से ताजा किया। उन्होंने लिखा, फिल्म 'आग ही आग' से मैंने अभिनय की दुनिया में पहला कदम रखा था। आज इस फिल्म को रिलीज हुए 39 साल हो गए हैं। फिल्म 'आग ही आग' साल 1987 में रिलीज हुई थी। इस मल्टी-स्टारर फिल्म में चंकी पांडे के साथ

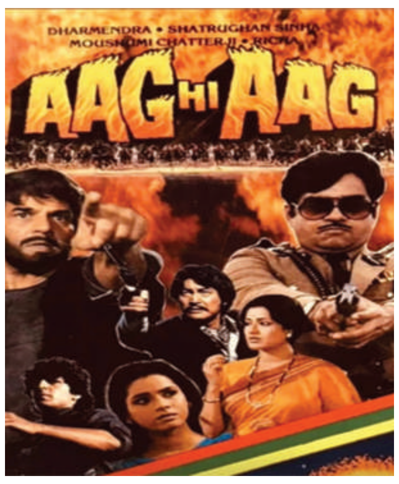

कई बड़े कलाकार नजर आए थे। इस फिल्म ने चंकी को बॉलीवुड में एक नई पहचान दी। 'आग ही आग' (1987) एक सुपरहिट बॉलीवुड एक्शन-ड्रामा फिल्म थी, जिसका निर्देशन शिबू मित्रा ने किया था। इस मल्टी-स्टारर फिल्म में धर्मेंद्र, शत्रुघ्न सिन्हा, चंकी पांडे, नीलम, मौसमी चटर्जी और डैनी डेन्जोंगपा ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। यह फिल्म भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ एक फौजी की लड़ाई और बाप-बेटे के रिश्तों पर आधारित थी।

यह फिल्म की कहानी सेना अधिकारी बहादुर सिंह (धर्मेंद्र) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बहन की दुष्कर्म और हत्या के बाद भ्रष्ट पुलिस से निराश होकर डाकू बन जाता है और अपना नाम शेर सिंह रख लेता है। कहानी में तब मोड़ आता है, जब उसका बेटा विजय अपने पिता के अतीत से टकराता है।

फिल्म का संगीत बप्पी लहिरी ने दिया था। इसमें 'हर कोई चाहता है' और 'आसमान तू मेरी जिंदगी है' जैसे गाने सुपरहिट रहे थे। यह 1987 की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी, जिसने चंकी पांडे को बॉलीवुड में स्थापित किया। फिल्म में जोरदार डायलॉग और एक्शन दृश्यों का मिश्रण था, जिस वजह से फिल्म को अच्छी सफलता मिली थी।

स्केरी मूवी में वापसी से बेहद उत्साहित एना फेरिस, बोलीं

यह मेरे लिए भावुक पल

हॉलीवुड की मशहूर हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'स्केरी मूवी' इन दिनों सुर्खियों में है। दरअसल, इसका छठा पार्ट बनने जा रहा है। खास बात यह है कि इस फिल्म में एना फेरिस अपने लोकप्रिय किरदार सिंडी कैंपबेल के रूप में वापसी कर रही हैं, जिसे लेकर वह बेहद उत्साहित हैं। एना फेरिस ने कहा, जब मार्लोन वायन्स ने मुझे फोन कर बताया कि वे 'स्केरी मूवी' की टीम को फिर से साथ ला रहे हैं, तो इस बात पर एक पल के लिए मुझे यकीन ही नहीं हुआ। यह मेरे लिए खुशी की बात थी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं आखिरकार ऐसी जगह पर हूं, जहां मैं सच में कीनन आइवरी वेन्स और पूरी टीम का धन्यवाद कर सकती हूं, क्योंकि इस फिल्म ने मेरे करियर को एक नई दिशा दी थी। बहुत कम लोगों को ऐसा मौका मिलता है, जब वे अपने पुराने साथियों के साथ फिर से काम कर सकें और वही जादू दोबारा जी सकें।

एना फेरिस इस फ्रेंचाइजी को लेकर उत्साहित है।

फिल्म की स्क्रिप्ट को लेकर बात करते हुए एना फेरिस ने बताया कि उन्हें जो शुरुआती स्क्रिप्ट मिली है, वह काफी अच्छी है। लेकिन ऐसी फिल्मों में शूटिंग के दौरान कई बदलाव होते रहते हैं। यह एक टीमवर्क वाला प्रोजेक्ट होता है, जिसमें कलाकार अपने हिसाब से जोक्स और डायलॉग्स में बदलाव करते हैं, ताकि फिल्म और भी मजेदार बन सके।

पर्सनल लाइफ को लेकर भी एना फेरिस ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''मैं अपने 13 साल के बेटे जैक को यह फिल्म देखने दूंगी, भले ही इसमें थोड़ा बोल्ड ह्यूमर हो। हर माता-पिता के लिए यह फैसला अलग हो सकता है, लेकिन मेरे बेटे की सिचुएशन थोड़ी अलग है, चूंकि वह फिल्म के सेट पर भी मौजूद रहा है, इसलिए इस माहौल को समझता है।''

इसके साथ ही एना ने एक पुरानी याद भी साझा की। उन्होंने कहा, जब मैं अपनी मां को 'स्केरी मूवी' का पहला पार्ट दिखाने थिएटर ले गई थी, तो वहां का माहौल काफी शोरगुल वाला था। थिएटर खचाखच भरा हुआ था। मैंने अपनी मां को पहले ही समझा दिया था कि मैं जो कहूं, उसे बिना सवाल किए फॉलो करती रहना।

गुरमीत चौधरी ने बेटी लियाना को बताया अपनी किस्मत

टीवी एक्टर गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी की बड़ी बेटी लियाना का चौथा जन्मदिन शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। यह खुशी का पल परिवार वालों के लिए खास रहा। दोनों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बर्थडे सेलिब्रेशन की तस्वीरें शेयर कर बेटी को जन्मदिन की बधाई दी। अभिनेत्री देबिना बनर्जी ने कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इसमें वे लियाना और परिवार के साथ खुशी के पल समेटती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में मां बनने के अनुभव को गहराई से बयां किया। उन्होंने बड़ी बेटी को अपनी ताकत और खुशी का स्रोत बताया। देबिना बनर्जी ने लिखा, मां बनना मेरे जीवन का सबसे मजबूत, भावुक और सुंदर अनुभव रहा है। मेरी लियाना में मैं ताकत, चमक और अपना पूरा संसार देखती हूं। हमारी लड़कियों की गैंग अभी तो शुरुआत कर रही हैं। मेरी लियाना, तुम मेरे दिल का हिस्सा हो। हैप्पी बर्थडे मेरी जान। मम्मा तुमसे बहुत प्यार करती है।

वहीं, गुरमीत ने भी इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। एक तस्वीर में गुरमीत लियाना को गोद में लिए हुए प्यार कर रहे हैं, तो दूसरी में पूरा परिवार नजर आ रहा है, जिसमें गुरमीत, लियाना, छोटी बेटी दिविशा और देबिना नजर आ रही हैं। गुरमीत ने लिखा, मेरी नन्ही परी लियाना को चौथे जन्मदिन की अनंत बधाई। तुम मेरी सबसे बड़ी किस्मत और प्यारी खुशी हो। मेरी प्यारी बच्ची, मैं तुम्हें हमेशा प्यार करूंगा और आप सभी का दिल से धन्यवाद, जिन्होंने उसे इतना प्यार और शुभकामनाएं दीं। यह हमारे लिए बहुत मायने रखता है।

देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी टीवी जगत के जाने-माने नाम हैं। उनकी पहली बेटी लियाना 3 अप्रैल 2022 को पैदा हुई थी। अब वह चार साल की हो गई है। उनके घर में छोटी बेटी दिविशा भी है। दोनों बेटियां परिवार की खुशी बढ़ाती हैं।

जुनून और समर्पण मुझे आज इस मुकाम तक ले आया: जैस्मीन सैंडलस

जानी-मानी सिंगर जैस्मीन सैंडलस इन दिनों 'धुरंधर' की सफलता का आनंद ले रही है। फिल्म के लिए गाए गाने सुपरहिट रहे हैं। उनके सफर की बात करें, तो उन्होंने 2012 में दिल्ली के एक छोटे से क्लब से अपने करियर की शुरुआत की थी और आज वह लाखों की भीड़ के सामने कॉन्सर्ट करती हैं। दरअसल, जैस्मीन ने सोशल मीडिया पर अपने पुराने दिनों की यादें साझा कीं और अपने बदलते वक्त के बारे में बताया। जैस्मीन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह 2012 में एक छोटे क्लब में गाती नजर आ रही हैं। उस समय उनके सामने सिर्फ 15 लोग थे, लेकिन उनका उत्साह आज भी वैसा ही है। उन्होंने इस तस्वीर के कैप्शन में लिखा कि चाहे उस समय के कम लोग हों या आज की भीड़, परफॉर्म करने का जुनून और इंटेंसिटी कभी बदलती नहीं है। उन्होंने बताया कि फेम और सक्सेस किसी को नहीं बदलते बल्कि वे दिखाते हैं कि आप असल में कौन हैं।इसके साथ ही जैस्मीन ने बताया, ''फैंस मुझे मेरे पुराने वीडियो और तस्वीरें भेज रहे हैं, जो करियर के शुरुआती दिनों की याद दिलाती हैं। मैं फैंस का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मेरे सफर को देखा और मेरी सफलता का हिस्सा बने। यह इस पोस्ट साझा करने में खुशी महसूस हो रही है, क्योंकि इससे मुझे अपने पुराने दिनों की यादें ताजा हो गईं।'' जैस्मीन ने अपनी पोस्ट में लिखा, फैंस के भेजे गए फोटो और वीडियो मेरे अंदर नई एनर्जी लाते हैं। यह देखकर बहुत खुशी होती है कि लोग मेरे शुरुआती संघर्ष को भी याद रखते हैं और मेरा समर्थन

करते हैं। उन्होंने तब मेरे सफर में साथ दिया, जब मैं इतनी पॉपुलर नहीं थी। जैस्मीन ने अपने सफर को खूबसूरत बताया और कहा, ''मैंने अपने सपनों में पूरी तरह खुद को झोंक दिया। मेरा मानना है कि यही जुनून और समर्पण मुझे आज इस मुकाम तक ले आया है। मैंने अपने सपनों को साकार करने के लिए पूरी मेहनत और लगन दिखाई और यही वजह है कि आज मैं बड़े मंचों पर चमक रही हूं।''उन्होंने कहा, ''अपने पुराने जीवन को छोड़ना और नए जीवन को अपनाना बहुत महत्वपूर्ण होता है। यह बदलाव जीवन का एक निर्णायक अध्याय था, जिसने मुझे आज की सफलता दिलाई। इस बदलाव ने मुझे मजबूत और आत्मविश्वासी इंसान बनाया।''

जन्म से पहले ही बन जाता है मां और बच्चे का रिश्ता

दिव्यांका त्रिपाठी ने शेयर किया गर्भावस्था का अनोखा एहसास

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी दहिया लगातार अपने फैंस के साथ अपनी गर्भावस्था के अनुभवों को साझा करती रहती हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपने यूट्यूब व्लॉग में एक बेहद भावुक और दिल को छू लेने वाला अनुभव साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने पहली बार अपने बच्चे से जुड़ाव महसूस किया। दिव्यांका ने बताया कि अब उन्हें साफ महसूस होने लगा है कि उनका बच्चा उनकी बातों पर प्रतिक्रिया देता है। यूट्यूब चैनल के वीडियो में दिव्यांका कहती नजर आ रही है, ''एक दिन मैं काफी थकी हुई थीं और आराम करने के लिए लेट गईं। तभी अचानक मुझे अपने पेट में बच्चे की हलचल महसूस हुई। शुरुआत में यह नॉर्मल लगा, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे की किक बढ़ने लगी, जिससे मुझे एहसास हुआ कि बच्चा काफी एक्टिव हो गया है।''

उन्होंने कहा, ''मैंने अपने बच्चे से बात करने की कोशिश की। मैंने पूछा, 'क्या हुआ? क्या अंदर कुछ चल रहा है? या तुम स्किपिंग या जंपिंग जैक कर रहे हो?''

इसके बाद दिव्यांका ने एक और दिलचस्प तरीका अपनाया। उन्होंने बच्चे से पूछा, ''क्या तुम कोई कविता सुनना चाहते हो।'' फिर मैंने अपने बचपन में सीखी हुई एक प्यारी सी कविता गाकर सुनाई। हैरानी की बात यह रही कि जो बच्चा पिछले आधे घंटे से लगातार किक कर रहा था, वह अचानक शांत हो गया।''इस अनुभव को साझा करते हुए दिव्यांका ने कहा कि मुझे अब ऐसा लगता है कि मेरा बच्चा मेरी आवाज पहचानने लगा है और मुझसे जुड़ाव महसूस कर रहा है। उन्होंने इसे 'इंटरएक्टिव' अनुभव बताया, जिसमें उन्हें महसूस हुआ कि मां और बच्चे के बीच का रिश्ता जन्म से पहले ही बनना शुरू हो जाता है।

दिव्यांका अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान सेहत का भी पूरा ध्यान रख रही हैं। उन्होंने अपने व्लॉग में बताया कि डॉक्टर ने उन्हें टहलने की सलाह दी है, इसलिए वह रोजाना 30 से 45 मिनट टहलती हैं।

बता दें कि दिव्यांका की शादी टीवी अभिनेता विवेक दहिया से हुई है। दोनों की जोड़ी टीवी इंडस्ट्री की सबसे पसंदीदा जोड़ियों में से एक मानी जाती है। शादी के 10 साल बाद जब उन्होंने अपनी पहली प्रेग्नेंसी की खबर साझा की, तो फैंस ने उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। अब उनका यह नया अनुभव सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

विद्या बालन की प्रभावशाली मौजूदगी और रितेश देशमुख की सोच से बनी

फिल्म राजा शिवाजी का दमदार टीज़र आउट

रितेश देधमुख द्वारा निर्देशित और अभिनीत फिल्म राजा शिवाजी का पहला टीज़र सामने आ चुका है, जो एक भव्य ऐतिहासिक कथा की झलक पेश कर रहा है। शानदार स्केल, दमदार विज़ुअल्स और प्रभावशाली किरदारों के साथ यह टीज़र फिल्म की बड़ी और महत्वाकांक्षी सोच को दर्शा रही है, जो दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दे रही है। हालांकि टीज़र में रितेश देशमुख के साथ विधा बालन की दमदार मौजूदगी ने दर्शकों का उत्साह और बढ़ा दिया है। शाही अंदाज़ में पारंपरिक परिधानों के साथ सोने के गहनों से लदी और क्लासिक नथ के साथ उनका किरदार बेहद गरिमामयी लग रहा है।

हालांकि इस गरिमामयी किरदार को और प्रभावशाली बना रही है उनकी प्रभावशाली आवाज़ और दमदार संवाद अदायगी, जो उनके किरदार को और गहराई दे रही है। शक्ति, आत्मविश्वास और गंभीरता समेटे उनका यह किरदार, उनकी बेहतरीन अभिनय क्षमता का एक और उदाहरण है। गौरतलब है कि टीज़र के माध्यम से फिल्म की कहानी और किरदारों को लेकर दर्शकों में उत्सुकता चरम पर पहुँच चुकी है। इसी के साथ रितेश देशमुख का निर्देशक और मुख्य अभिनेता के रूप में दोहरी भूमिका निभाना इस प्रोजेक्ट को और खास बना रहा है। ऐसे में दर्शक बेसब्री से फ़िल्म रिलीज़ का इंतज़ार कर रहे हैं, जिससे वह राजा शिवाजी की ऐतिहासिक कहानी को बड़े पर्दे पर जीवंत होते देख सकें।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आपका रचनात्मक काम आस-पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर इससे निजात पाएँ। ख़राब हालात से दूर रहना ही बेहतर है। आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं । घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें । ऐसे लोगों से हाथ मिलाएँ जो रचनात्मक हैं और जिनके ख़यालात आपसे मिलते हैं। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना थी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, फजो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। आप आज रुहानी प्यार की मदहोशी महसूस कर सकेंगे। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। यह आपको सच्चे अर्थों में धर्म व आध्यात्मिकता की ओर भी ले जा सकता है। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपका लवमेट आपकी बातों को समझ नहीं पाता तो आज उनके साथ वक्त बिताएं और अपनी बातों को स्पष्टता के साथ उनके सामने रखें। आप किसी बड़ी योजना या घटना में भागीदार होंगे, जिसके लिए आपको सराहना और पुरस्कार मिलेंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं- लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं- या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आज आपके दिल की धड़कनें अपने प्रिय के साथ ताल-से-ताल मिलाती मालूम होंगी। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है सहयोगी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौक़े हैं आज आपके पास।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत से जुड़ी परेशानियाँ असहजता का कारण बन सकती हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। घर की छोटी-छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। आज के दिन आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यथार्थवादी रवैया अपनाएँ और जो आपकी ओर मदद का हाथ बढ़ाएँ, उनसे किसी चमत्कारकी उम्मीद न करें। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं।

आज का पंचांग

दिनांक : 04 अप्रैल 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया प्रातः 10:11 तक
नक्षत्र : स्वाति रात्रि 09:36 तक
योग : हर्षण दोपहर 02:15 तक
करण : गर प्रातः 10:11 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 06:08 से रात्रि 09:36 तक ,भद्रा रात्रि

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्य सचिव ने आपदा तैयारियों की समीक्षा की

अब अर्ली वार्निंग और मजबूत व्यवस्थाओं से कम होगा नुकसान

जयपुर, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रदेश में आपदाओं से आमजन को सुरक्षित रखने के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली को सुदृढ़ करने, शहरी जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने तथा प्रभावित नागरिकों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय पर चेतावनी और बेहतर समन्वय से आपदा के दौरान नुकसान को प्रभावी रूप से कम किया जा सकता है। मुख्य सचिव ने शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित राज्य कार्यकारी समिति (एसईसी) की बैठक में राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि (एसडीएमएफ) एवं अन्य प्रस्तावों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें तथा ड्रेनेज, प्रोटेक्शन वॉल एवं अन्य संरचनात्मक कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराएं, ताकि स्थानीय स्तर पर जोखिम कम हो सके। उन्होंने आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा विभाग को निर्देश दिए कि चयनित जिलों में अर्ली वार्निंग सिस्टम शीघ्र स्थापित किया जाए, ताकि बाढ़ संभावित क्षेत्रों में समय रहते चेतावनी जारी की जा सके। जयपुर सहित प्रमुख शहरों में शहरी बाढ़ प्रबंधन कार्यों को प्राथमिकता देते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि जलभराव एवं ड्रेनेज से जुड़ी समस्याओं का दीर्घकालिक समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य सचिव ने कृषि विभाग को निर्देश दिए कि फार्म पॉण्ड, सिंचाई पाइपलाइन, ड्रिप एवं मिनी स्प्रिंकलर तथा वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ावा दिया जाए, जिससे किसानों को राहत मिल सके। राज्य कृषि विपणन बोर्ड को मंडियों में शेड निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, ताकि किसानों एवं व्यापारियों को प्रतिकूल मौसम में सुविधा मिल सके। मुख्य सचिव ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को प्रमुख अस्पतालों में फायर सेफ्टी ऑडिट एवं आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वायत्त शासन विभाग को शहरी क्षेत्रों में ड्रेनेज एवं बाढ़ नियंत्रण कार्य समयसीमा में पूर्ण करने तथा डीएमआईएस 2.0 जैसी तकनीक आधारित प्रणालियों को लागू करने पर बल दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आपदा प्रभावित नागरिकों एवं किसानों को एसडीआरएफ के अंतर्गत त्वरित राहत राशि समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाए। साथ ही सभी कार्य एसडीएमएफ के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ किए जाएं तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माध्यम से उनकी नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में भारी बवाल

नारी सशक्तिकरण कार्यक्रम पर एनएसयूआई और पुलिस में झड़प

जयपुर, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान विश्वविद्यालय एक बार फिर सियासी अखाड़े में तब्दील हो गया है। शुक्रवार को कैंपस में 'मरुधरा नारी संगठन' के बैनर तले आयोजित एक विचार गोष्ठी को लेकर छात्र संगठनों के बीच जबरदस्त टकराव देखने को मिला। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने भारी पुलिस जाब्ता तैनात किया है और दंगा नियंत्रण वाहनों को भी मौके पर तैनात रखा गया है। घटना की शुरुआत शुक्रवार दोपहर को हुई जब NSUI कार्यकर्ताओं ने प्रस्तावित कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से प्रेरित बताते हुए विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि शैक्षणिक संस्थान में एक विशेष विचारधारा को थोपने का प्रयास किया जा रहा है। जब प्रदर्शनकारी बेरिकेडिंग तोड़कर मानविकी पीठ सभागार की ओर बढ़ने लगे, तो पुलिस के साथ उनकी तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने बल प्रयोग कर कार्यकर्ताओं को मुख्य गेट पर ही रोक दिया, जिसके बाद छात्र वहीं धरने पर बैठ गए।

छात्र नेता अमरदीप परिहार का कहना है कि विश्वविद्यालय ज्ञान का केंद्र है, लेकिन यहां शस्त्र पूजन और विशिष्ट विचारधारा वाले कार्यक्रमों के जरिए माहौल खराब किया जा रहा है। उन्होंने कार्यक्रम रद्द न होने पर पूर्ण बहिष्कार की चेतावनी दी है।

लक्जरी की आड़ में नशे का काला कारोबार

कोटा पुलिस ने ऑडी कार से तस्करी करती दो महिलाओं को दबोचा

कोटा, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। अपराध जब लक्जरी और आधुनिकता का चोला ओढ़ ले, तो चुनौती और भी गंभीर हो जाती है। कोटा ग्रामीण पुलिस ने एक बेहद सतर्क और पेशेवर कार्रवाई करते हुए दिल्ली-वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर करोड़ों की 'ऑडी' कार से डोडा चूरा की तस्करी कर रही दो अंतर्राज्यीय महिला तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई दर्शाती है कि नशे के सौदागर अब कानून की नजरों से बचने के लिए किस तरह के हाई-प्रोफाइल रास्तों और साधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। घटना 2 अप्रैल की है, जब चेचट इंटरचेंज पर पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर के निर्देशानुसार सघन नाकाबंदी की जा रही थी। निमथुर-गरोठ की ओर से आ रही हरियाणा नंबर की एक सफेद ऑडी कार ने जब पुलिस को देखा, तो चालक ने पकड़े जाने के डर से गाड़ी को अस्थायी टोल के बजाय मुख्य टोल की तरफ तेजी से मोड़ने का प्रयास किया। पुलिस की व्यावहारिक सूझबूझ ने इस संदिग्ध हलचल को भांप लिया और थानाधिकारी मदन ढाका की टीम ने तत्परता दिखाते हुए कार को घेर लिया। एक्सप्रेस-वे जैसे आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर जहाँ विकास की गति बढ़ाते हैं, वहीं असामाजिक तत्व इनका उपयोग तस्करी के 'कॉरिडोर' के रूप में करने की कोशिश करते हैं। पुलिस की यह कार्रवाई इस बात का प्रमाण है कि विकास के साथ-साथ निगरानी तंत्र को भी आधुनिक बनाया जा रहा है। कार की तलाशी लेने पर 'विमल पान मसाला' के बैग्स में छिपाया गया 41 किलो 184 ग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद हुआ। यह नशा मध्यप्रदेश के गरोठ से पंजाब के लुधियाना ले जाया जा रहा था।

महिलाएं पर्यावरण संरक्षण और परिवार प्रबोधन के लिए कार्य करें: रामलाल

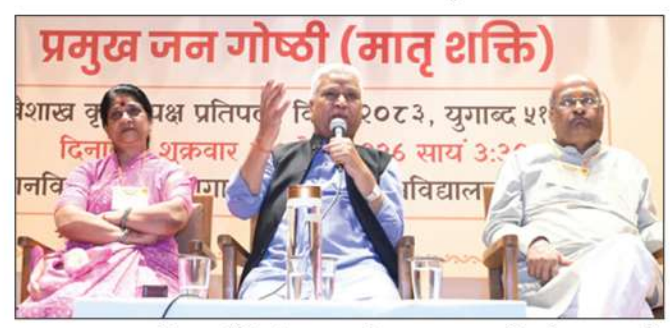

जयपुर, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल ने कहा कि भारत में नारी परंपरागत रूप से सशक्त है। आवश्यकता उन्हें अधिक से अधिक अवसर देने की है। समाज को उनके मार्ग के अवरोध हटाने का कार्य करना चाहिए। मरुधरा नारी सशक्तिकरण संगठन (मनसा), जयपुर महानगर की ओर से शुक्रवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के मानविकी सभागार में मातृशक्ति के लिए आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ईश्वर ने नारी को पुरुष की तुलना में अधिक गुण देकर भेजा है। जिस काम को नारी संभालती हैं, वह उसे गंभीरता, चिंता और समर्पण के साथ पूरा करती हैं। इस कारण उस कार्य की सफलता की संभावना भी अधिक होती है। रामलाल ने कहा कि संघ की प्रेरणा से चल रहे कार्यों में महिलाओं की बड़ी संख्या मे भागीदारी रहती है। उन्होंने कहा कि संघ की सौ वर्ष की यात्रा उपेक्षा से शुरू हुई और समाज का समर्थन हासिल करने के साथ अब समाज के सभी वर्गों के व्यापक सहयोग से आगे बढ़ रही है। स्वयंसेवकों ने प्रतिबंध, कष्ट और यातनाएं सह कर संघ कार्य को आगे बढ़ाया है।

संघ मे जाति, भाषा, प्रांत या किसी भी स्तर पर भेदभाव का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि दुनिया में वही देश प्रगति कर रहे हैं जिनके नागरिक देशभक्त हैं। संघ देश भक्ति, समाजसेवा और अनुशासन आदि गुणों का विकास अपने कार्यकर्ताओं मे करता है।

आने वाले समय में डीजल पेट्रोल गैस सिलेंडर के साथ खाद यूरिया, डीएपी की भी भारी किल्लत होगी : भूपेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आज कहा कि मंडियों में खरीद शुरू तो हुई है लेकिन, किसान को परेशानी के सिवा कुछ नहीं मिल रहा। ट्रैक्टर पर बड़ी नंबर प्लेट, बायोमेट्रिक, गेट पास, 3 गारंटर जैसी ऐसी-ऐसी शर्तें लगाई जा रही है कि किसान किसान परेशान होकर मंडी के बाहर ही फसल बेचकर चला जाए। उन्होंने कहा कि ये एक और घोटाला होने जा रहा है। हर आदमी के पास टैक्टर तो है नहीं। सरकार द्वारा ऐसी शर्तें लगायी जा रही है कि किसान औने-पौने भाव में फसल बेचने को मजबूर हो रहा है। हरियाणा सरकार किसान को कैदी बनाने की तैयारी कर रही है। हुड्डा ने कहा कि हम किसान के साथ खड़े हैं और डटकर सरकार का विरोध करेंगे। कल से वो स्वयं और पार्टी के अन्य पदाधिकारी, विधायक अपने-अपने हलकों में पड़ने वाली मंडियों का दौरा शुरु करके जमीनी हकीकत देखेंगे। नेता प्रतिपक्ष हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय किसानों को एमएसपी मिलता था लेकिन भाजपा सरकार में किसान को कभी पूरा एमएसपी नहीं मिलता। अबकी फसल भी कम हुई है। किसानों को ओलावृष्टि, बारिश से भारी नुकसान हुआ है। सरकार ने न तो स्पेशल गिरदावरी कराई न मुआवजा दिया न ही कोई बोनस देने की बात की। उन्होंने मांग करी कि सरकार को तुरंत गेहूं पर बोनस देना चाहिए और फसल खराबे का मुआवजा देना चाहिए और मंडियों में पूरी तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने माँग करी कि मंडियों में जो अड़चने लगायी गयी है उसे खत्म करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये गरीब विरोधी, किसान और मजदूर विरोधी सरकार है। एक सवाल के जवाब में हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है।

रेवाड़ी एम्स के लिए एक स्वतंत्र कैनाल आधारित वाटर वर्क्स स्थापित किया जाएगा : आरती सिंह राव

चंडीगढ़, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि रेवाड़ी जिले के गांव माजरा मुस्तिल भालखी में स्थित एम्स के लिए एक स्वतंत्र (इंडिपेंडेंट) कैनाल आधारित वाटर वर्क्स स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए मुख्यमंत्री से मंजूरी मिल चुकी है। इस परियोजना पर लगभग 26.83 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसे सैद्धांतिक स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एम्स के लिए बनने वाले इस वाटर वर्क्स से संबंधित जल आपूर्ति का पूरा खर्च हरियाणा सरकार स्वयं वहन करेगी, जिससे संस्थान को किसी प्रकार की वित्तीय या आपूर्ति संबंधी बाधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने जानकारी दी कि इस वाटर वर्क्स के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 1500 किलोलीटर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

यह व्यवस्था अस्पताल के संचालन, स्वच्छता और मरीजों की देखभाल के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी। आरती सिंह राव ने आगे कहा कि यह परियोजना एम्स रेवाड़ी को स्वतंत्र और स्थायी जल आपूर्ति उपलब्ध कराएगी, जिससे संस्थान की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का बुनियादी ढांचा और अधिक मजबूत होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और उन्हें आवश्यक बुनियादी संसाधनों से सुसज्जित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस परियोजना के पूरा होने से न केवल रेवाड़ी बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लोगों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।

ग्रामीण स्वच्छता और जल निकासी व्यवस्था मजबूत करने पर सरकार का फोकस : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ सिविल सचिवालय में हरियाणा तालाब एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के गांवों में तालाबों तथा अपशिष्ट जल निकासी व्यवस्था की नियमित और समयबद्ध सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता बनी रहे और लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि गांवों के तालाबों से बदबू नहीं आनी चाहिए और घरों में पानी भरने की स्थिति किसी भी हाल में नहीं बननी चाहिए। इसके लिए सफाई, गाद निकासी और जल निकास कार्यों को सुनियोजित एसओपी के तहत संचालित किया जाए, जिससे कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित हो। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन तालाबों का निर्माण, पुनर्निर्माण अथवा आधुनिकीकरण किया जा रहा है, उन्हें बेहतर प्लानिंग, आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक डिजाइन के साथ विकसित किया जाए। तालाबों के आसपास सौंदर्यीकरण कार्य भी कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ और सुंदर वातावरण मिले तथा लोग वहां सुबह-शाम भ्रमण कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तालाबों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सोलर पंपों के माध्यम से पानी की नियमित सफाई और प्रवाह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि यदि किसी गांव में सफाई व्यवस्था में लापरवाही पाई जाती है, तो संबंधित

अधिकारी, सरपंच और जिम्मेदार कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने प्रत्येक गांव में पंचायत सचिव की ड्यूटी तालाबों की नियमित निगरानी के लिए निर्धारित करने तथा सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ, सुव्यवस्थित और उपयोगी जल संरचनाएं विकसित करना है, ताकि ग्रामीणों को पूर्ण सुविधा मिले और जलभराव, गंदगी तथा दुर्गंध जैसी समस्याओं से स्थाई राहत मिल सके।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा तालाब एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा प्रदेश के 6,538 तालाबों को कार्ययोजना में शामिल किया गया है, जिनमें से अब तक 2,758 कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति दी जा चुकी है। इनमें 1,718 कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 484 कार्य प्रगति पर हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजेंद्र कुमार, विकास एवं पंचायत विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. साकेत कुमार, शहरी स्थानीय निकाय विभाग के आयुक्त एवं सचिव अशोक कुमार मीणा, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव डॉ. यशपाल, मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बढ़खालसा, हरियाणा तालाब एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण के कार्यकारी उपाध्यक्ष विमल गोस्वामी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ

संपादकीय

जंग जारी रहेगी

राष्ट्रपति ट्रंप ने अमरीका को संबोधित करते हुए यह निष्कर्ष दिया है कि अभी ईरान के खिलाफ जंग जारी रहेगी। आगामी 2-3 हफ्ते में ईरान पर भीषण हमला किया जाएगा। हम जल्द ही अपने लक्ष्य हासिल कर लेंगे। जो जीत हम हासिल कर रहे हैं, दुनिया ने ऐसी जीत कभी नहीं देखी होगी! राष्ट्रपति ट्रंप ने फिर पुराना मुहावरा दोहराया कि हमने ईरान की वायुसेना, नौसेना, मिसाइल-ड्रोन क्षमताएं नष्ट कर दी हैं। यहां तक कि उसके परमाणु ठिकाने भी तबाह कर दिए हैं। अब ईरान परमाणु बम नहीं बना सकता। ईरान के सभी बड़े नेता मार दिए गए हैं। यदि ईरान परमाणु बम बना लेता, तो वह अमरीका-इजरायल के लिए मौत साबित होता! दरअसल जो गलतियां पुराने राष्ट्रपतियों ने की थीं, मैं उन्हें ठीक कर रहा हूं। इस संदर्भ में राष्ट्रपति ट्रंप ने खुलासा किया कि द्वितीय विश्व युद्ध 3 साल 8 माह से अधिक और वियतनाम युद्ध 19 साल से अधिक लड़े गए थे। ईरान युद्ध को अभी 32-33 दिन ही बीते हैं और हमने लगभग लक्ष्य पूरे कर लिए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी दोहराया कि अमरीका युद्ध खत्म करने के बेहद करीब है। हमारी अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है। गैस उत्पादन में अमरीका 'नंबर वन' है। हमें तेल के लिए होर्मुज स्ट्रेट की जरूरत नहीं है। जिन्हें तेल-गैस की किल्लत है, जरूरत है, वे खुद होर्मुज जाएं। अलबत्ता हमसे तेल खरीदें, क्योंकि अमरीका के पास बहुत कच्चा तेल है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने राष्ट्रीय संबोधन का सारांश यह दिया है कि ईरान के खिलाफ जंग जारी रहेगी। गौरतलब यह है कि अमरीका ईरान युद्ध पर अभी तक करीब 3.50 लाख करोड़ रुपए खर्च कर चुका है और उसने 200 अरब डॉलर (करीब 19 लाख करोड़ रुपए) का अतिरिक्त बजट मांगा है, लेकिन अमरीकी कांग्रेस फिलहाल उसे पारित करने के मूड में नहीं है। अमरीका का युद्ध पर हररोज का औसतन खर्च 9400 करोड़ रुपए का है। अमरीका में पेट्रोल के दाम 4.06 डॉलर प्रति गैलन के स्तर को छू चुके हैं। इस पर ही हाहाकार मचा है, क्योंकि यह बढ़ोतरी अभूतपूर्व है। ईरान में महंगाई दर 50.6 फीसदी है। यह अकल्पनीय है। अनाज की कीमतें 140 फीसदी और डेयरी उत्पादों की कीमतें 117 फीसदी बढ़ गई हैं। एक किलो चावल के दाम 20 लाख रियाल और दाल की कीमत 35 लाख रियाल है। रोजमर्रा की सभी वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। वस्तुओं की उपलब्धता ही सवालिया है। क्या राष्ट्रपति ट्रंप का कोई वैश्विक सरोकार नहीं है? इजरायल की अर्थव्यवस्था का तो कचूमर निकल चुका है। वह तो 1.20 करोड़ की आबादी का छोटा-सा देश है। इजरायल को हर हफ्ते 1.6 अरब डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ अब जनता सडक़ों पर उतर आई है। यदि भारत का उल्लेख करें, तो करीब 55 लाख भारतीयों को खाड़ी देश छोड़ कर भारत लौटना पड़ा है। दुबई की अति सुरक्षित वाली छवि भी खंडित हुई है। खाड़ी देशों से आधे से अधिक भारतीय लौट आए हैं। इससे नया आर्थिक संकट सामने होगा। कुवैत से 20 भारतीयों के शव केरलम के कोच्चि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लाए गए हैं। वे युद्ध और हादसों के शिकार हुए हैं। यह खुलासा विदेश मंत्रालय के सचिव (गल्फ) ने किया है। क्या स्वदेश लौटे भारतीय बेरोजगार हो गए हैं अथवा औने-पौने मेहनताने पर वे भारत में ही काम करने को विवश होंगे? यदि रसोई गैस (एलपीजी) की किल्लत की चर्चा करें, तो मई, 2026 तक भारत सरकार और तेल कंपनियों को कुल 40,484 करोड़ रुपए का घाटा होगा। तेल, एलएनजी, पीएनजी, खाद आदि के घाटे अलग हैं। होर्मुज पर अब भी हमारे 18 जहाज फंसे हैं। यदि ईरान के साथ भारत का व्यापार-सौदा नए सिरे से हो चुका है और ईरान ने 6 लाख बैरल कच्चे तेल का जहाज भारत की ओर रवाना किया है, तो भारत के अपने जहाजों को भी अनुमति दी जानी चाहिए। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप का संबोधन अद्र्धसत्यों और झूठे, फर्जी दावों से भरा था। जिन मुद्दों के आधार पर अमरीका-इजरायल ने ईरान पर हमला किया था, वे स्थितियां आज भी मौजूद हैं। परमाणु कार्यक्रम अब भी जिंदा और सक्रिय है, हुकूमत आज भी खामेनेई वाली इस्लामी है, होर्मुज पर ईरान का कब्जा है, तो फिर हमला क्यों किया गया था? डोनाल्ड ट्रंप की कौनसी बात पर विश्वास किया जाए, कौनसी सच्ची है, वह कभी बोलते हैं कि युद्ध खत्म होने वाला है, कभी बोलते हैं कि युद्ध जारी रहेगा।

राष्ट्रपति ट्रंप ने खुलासा किया कि द्वितीय विश्व युद्ध 3 साल 8 माह से अधिक और वियतनाम युद्ध 19 साल से अधिक लड़े गए थे। ईरान युद्ध को अभी 32-33 दिन ही बीते हैं और हमने लगभग लक्ष्य पूरे कर लिए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी दोहराया कि अमरीका युद्ध खत्म करने के बेहद करीब है। हमारी अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है। गैस उत्पादन में अमरीका 'नंबर वन' है। हमें तेल के लिए होर्मुज स्ट्रेट की जरूरत नहीं है। जिन्हें तेल-गैस की किल्लत है, जरूरत है, वे खुद होर्मुज जाएं। अलबत्ता हमसे तेल खरीदें, क्योंकि अमरीका के पास बहुत कच्चा तेल है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने राष्ट्रीय संबोधन का सारांश यह दिया है कि ईरान के खिलाफ जंग जारी रहेगी। गौरतलब यह है कि अमरीका ईरान युद्ध पर अभी तक करीब 3.50 लाख करोड़ रुपए खर्च कर चुका है और उसने 200 अरब डॉलर (करीब 19 लाख करोड़ रुपए) का अतिरिक्त बजट मांगा है, लेकिन अमरीकी कांग्रेस फिलहाल उसे पारित करने के मूड में नहीं है। अमरीका का युद्ध पर हररोज का औसतन खर्च 9400 करोड़ रुपए का है।

नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया

पश्चिम बंगाल बढ़ती अराजकता : लोकतंत्र के लिए चुनौती

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं। राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है।

लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

कुछ अलग

पुलिस हमारी जिंदाबाद

हमारे यहां पुलिस का बड़ा महत्त्व है। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए इसकी आवश्यकता आजादी के बाद निरंतर महसूस की गई। आजाद भारत के नागरिकों में स्वाभाविक रूप से एक अराजकता पनपनी थी, इसलिए व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी बढ़ाया जाना लाजिमी तौर पर जरूरी था। पुलिस बल की वृद्धि के साथ ही अपराधियों, हत्यारों, आतंकवादियों तथा बलात्कारियों की संख्या में दिन दूनी रात चौगुनी वृद्धि हुई। जनता को लगा कि जिस अनुपात से पुलिस बल बढ़ रहा है, उस अनुपात से अपराध नहीं बढ़ रहे, इसलिए ऐसे-ऐसे दिलेर लोग सामने आए, जो पुलिस के लिए चुनौती से कम नहीं थे। बेचारे पुलिस वाले भी हमारी तरह ही थे, सो उन्होंने बीच का रास्ता निकाला कि सांप भी मर जाए और लाठी भी नहीं टूटे। उन्होंने माफिया सरदारों को बुलाया और कहा- 'देखो भाई, हम एक-दूसरे के पूरक हैं। एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। तुम सांपनाथ तो हम नागनाथ! इसलिए ऐसी तिकड़म करो कि जनता की आंखों में धूल झोंकी जा सके, यानी जनता को तुम भी लूटो और हम भी लूटें। घोड़ा घास से यारी करे तो खाये क्या? इसलिए इसके सिर के तमाम बल पूरी जुगत से लूट लो।' सरदार बोले- 'वाह भाई, हम तो यही चाहते हैं। चोरों के भाई उठाईगीर, नेकी और पूछ-पूछ, सोने पे सुहागा आदि हिन्दी साहित्य के अनेक मुहावरे हम पर एक साथ लागू हो रहे हैं। लेकिन भाई पुलिस जी यह तो बताओ इस मिलीभगत की कुश्ती के कायदे क्या रहेंगे?' पुलिस ने मूंछों पर हाथ फेरकर कहा- 'देखो सरदारों, अपने-अपने क्षेत्रों में आप सब नए से नया कीर्तिमान स्थापित करो।

देश दुनिया से

प्रशिक्षकों को नकद ईनाम कब?

हिमाचल प्रदेश सरकार ने अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को उनके द्वारा जीते गए पदकों के अनुसार नगद ईनाम दिया, मगर उनके प्रशिक्षकों को इस बार भी नगद ईनाम नहीं दिया गया, जबकि नई खेल नीति में खिलाड़ी के प्रशिक्षक को भी नगद ईनाम का प्रावधान है। खेल विभाग क्यों प्रशिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है? कबड्डी में भारतीय टीम की कप्तान रितु नेगी सहित कई खिलाडियों को कोच रतन ठाकुर ने तराशा है तथा दर्जनों अंतरराष्ट्रीय हैंडबाल खिलाड़ी तैयार करने वाली कोच स्नेह लता क्या वह नगद ईनाम के हकदार नहीं हैं। इसी तरह अन्य खेलों के प्रशिक्षक भी हैं। आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव द्वारा विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए सफल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया है, मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है, जैसा हजारों साल पहले था। महाभारत में कृष्ण सारथी नहीं होते तो क्या अर्जुन भीष्म, कर्ण व अन्य अजेय महारथियों को हरा पाता। विश्व स्तर पर किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का होना बेहद जरूरी होता है। हमारे यहां खेल प्रशिक्षण के लिए वह वातावरण ही नहीं बन पाया है, जिसमें प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम दिला सके। खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाले प्रक्रिया है। इतनी समय अवधि खेल प्रशिक्षण को देकर ही खिलाड़ी अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाता है। हिमाचल प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम का कोई भी प्रावधान अभी तक नहीं बन पाया है। हिमाचल प्रदेश राज्य युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के प्रशिक्षकों को कभी विभिन्न विभागों की भर्तियों में ड्यूटी तो कभी मेलों व उत्सवों में हाजिरी भरनी पड़ती है। खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति ही उच्च खेल परिणामों के लिए की गई होती है, मगर यहां पर प्रशिक्षकों को केवल मल्टीपर्पज कर्मचारी बना दिया गया है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर प्रशिक्षकों का कार्य उच्च खेल प्रशिक्षण से हट कर अपनी फिटनेस तथा सेना में भर्ती कराने तक सीमित हो गया है। हिमाचल प्रदेश के मेलों व उत्सवों में किसी और खेल का प्रशिक्षक किसी और ही खेल की प्ले फील्ड में नजर आता है। इसी तरह पुलिस आदि विभागों की भर्तियों में एथलेटिक्स प्रशिक्षकों की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां तो हर खेल के प्रशिक्षक को भेज दिया जाता है। विभिन्न सरकारों ने खेल ढांचे में काफी तरक्की भी की है, मगर क्षमतावान प्रशिक्षकों की नियुक्ति के बारे में हिमाचल में अभी तक कुछ भी नहीं हो पाया है। स्तरीय प्रशिक्षकों के बिना उत्कृष्ट प्रदर्शन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जो प्रशिक्षक खेल प्रशिक्षण से दूर रह कर मौज मस्ती कर

रहा है वह तो खुश रहता होगा, मगर जो सच ही में प्रशिक्षण करवा रहा होगा वह जब कई दिनों तक खेल मैदान से दूर रहेगा तो फिर कौन अभिभावक अपने बच्चे को बिना प्रशिक्षक के मैदान में भेजेगा। हद तो तब हो जाती है जब राज्य में चल रहे खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी भर्तियों में लगा दी जाती है और खेल छात्रावास में रह रहे खिलाडियों को भी खेल प्रशिक्षण से दूर कर दिया जाता रहा है। क्या प्रतिभा खोज से चयनित इन अति प्रतिभाशाली खिलाडियों को प्रशिक्षक से कुछ समय के लिए ही सही इस तरह प्रशिक्षण कार्यक्रम से दूर करना कहां तक उचित है। खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी खेल प्रशिक्षण के सिवा और कहीं भी नहीं होनी चाहिए। आजकल हर शिक्षित मां-बाप के दो और कई जगह तो एक ही बच्चा है, ऐसे में वह उसे उस क्षेत्र में उच्चतम शिखर तक ले जाना चाहता है जिसमें बच्चे की रुचि व उस क्षेत्र के लिए पर्याप्त प्रतिभा भी हो। आज का अभिभावक अपने बच्चों के कैरियर की खातिर ही सरकार की मुफ्त शिक्षा सुविधाओं को छोडक़र निजी क्षेत्र की महंगी, मगर अधिक गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए लाखों रुपए खर्च कर रहा है। आज लाखों प्रतिभाशाली विद्यार्थी निजी कोचिंग संस्थानों में डाक्टर व इंजीनियर बनने इसलिए जमा दो की परीक्षा से कई वर्ष पहले पहुंच रहे हैं। इसी तरह अब खेल क्षेत्र में भी हो रहा है। अभिभावक अपने बच्चों के लिए खेलों में भी कैरियर तलाश रहा है और इस सबके लिए अच्छी खेल सुविधाओं के साथ-साथ उच्च स्तरीय प्रशिक्षक भी लगातार कई वर्षों तक उसके बच्चों को मिलना चाहिए ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता बनने का सफर सफलतापूर्वक पूरा कर सके। इसलिए देश में निजी खेल अकादमियों का चलन भी बढ़ रहा है। गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी के विश्व स्तर के परिणाम सबके सामने हैं। यह सब लगातार अच्छे प्रशिक्षण कार्यक्रम का ही नतीजा है। इस समय विभिन्न खेलों के लिए देश में निजी स्तर पर कई अकादमियां शुरू हो चुकी हैं। इन खेल अकादमियों को अधिकतर पूर्व ओलंपियन चला रहे हैं और यहां से अच्छे खेल परिणाम भी मिल रहे हैं। इन अकादमियों में जो विशेष है वह यह है कि यहां उच्च क्षमता वाला प्रशिक्षक लगातार उपलब्ध है। हिमाचल प्रदेश के पास आज विभिन्न खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड तैयार हैं। वहां पर या तो प्रशिक्षक हैं ही नहीं और जहां हैं भी वे या तो प्रशिक्षण से बेरुख हैं या उनमें अच्छे स्तर के खेल परिणाम दिलाने की क्षमता ही नहीं है। क्या हिमाचल सरकार उड़ीसा, गुजरात आदि राज्य की तरह उत्कृष्ट खेल परिणाम दिलाने वाले बढिया प्रशिक्षकों को यहां लगातार कई वर्षों के लिए अनुबंधित कर प्रदेश के खिलाडियों को राज्य में ही प्रशिक्षण सुविधा दिला कर खेल प्रतिभा का पलायन क्या रोक नहीं सकती है। इससे प्रदेश में खेल वातावरण बनेगा तो हर खेल प्रशिक्षक प्रेरित होकर चाहेगा कि उस के शिष्य भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। इस सबके लिए खेल विभाग व जहां प्रशिक्षक प्रशिक्षण करवा रहा है, वहां उसे सही प्रबंधन दें तथा उनके खिलाड़ी जब पदक जीते तो प्रशिक्षक को भी नई खेल नीति के अनुसार नगद ईनाम देकर प्रेरित करें, ताकि पहाड़ की संतानों को ओलंपिक व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए अच्छा प्रशिक्षण मिले।

आप का नज़रिया

शिमला के पांव

अपने ही पांवों से दूर होता जा रहा है शिमला। दूसरी ओर सवाल यह कि शिमला में विकसित क्या हो रहा। वीआईपी कल्चर, राजधानी की संस्कृति या मैट्रोसिटी के तेवर। हमारी योजना में सील्ड रोड की पैरवी में एक सुरक्षित शिमला देखा जा रहा है। गाडियां शहर के चप्पे पर और गुस्ताख नजर यह कि परमिट बन जाए और बन जाएगा, बस इक रसीद चाहिए। राजधानी के रिस्ट्रक्टेड रोड से गुजरने के लिए पांच हजार और फील्ड रोड के लिए दस हजार की रसीद चाहिए। बिना खर्च किए घुसे तो दस हजार का जुर्माना होगा। काफी अंदाज है इस शहर के, नजरें झुका के चलो। खैर हम अंग्रेजों के सांचे में अपनी इज्जत बचा रहे हैं। कहीं चल रहे हैं, तो कहीं चला रहे हैं। कभी शिमला अपने पांवों पर चलता था, तो शहर की धडक़न में इनसान सरीखा शहर दिखाई देता था। अब न शिमला के बाशिंदे वो रहे और न ही शहर में अपनी छवि रही। ये जो सील्ड रोड हम बना रहे हैं या इन्हें ट्रैफिक से बचा रहे हैं, यह एक सीमा को सीमित करने का अंदाज है। विचार यह करना होगा कि इस शहर के पांव कहां तक खुद चलें, शहर को चलाएं या आगे बढऩे की दिशा बताएं। हम इसे राजधानी मानते हैं, तो विकास का पथ पूरे राज्य की जनता का स्वागत करे, अन्यथा अनावश्यक भीड़ से हटाकर इसके पांव धोने पड़ेंगे। शहर का वीआईपी अंदाज इन्हीं संकरे मार्गों से बड़े ख्वाब देखता है। हर किसी के रास्ते पर अगर सचिवालय की इमारत आ रही है या घर को निकले राही के सफर पर कोई वीआईपी इमारत आ रही है, तो कौन किसे छल रहा है। वे वीआईपी जो बिना परमिट के इन रास्तों के बादशाह हैं या शिमला की अपनी बादशाहत से आम नागरिक बहुत दूर हो गए हैं। शिमला के कई लुक हैं, लेकिन आधुनिक बड़ा विकराल होने जा रहा है। शहर का व्यापार-कारोबार, कॉफी के कप पर सुस्त सी चर्चा और जिंदगी के ठहरे लम्हों का उद्गार करता यह शहर, विश्राम की मुद्रा में दफ्तरों की सत्ता को समेट लेता है। क्या इतना सा इंतजाम शहर की मुद्रा में राजधानी हो जाएगा या हम इस शहर में सत्ता के प्रभाव में जीना चाहते हैं। कहना न होगा कि शिमला शहर का ऐतिहासिक गौरव, पर्वतीय परिवेश, हिल स्टेशन की अमानत और हिमाचल का नजरिया अगर जिंदा रखना है, तो इसके विकास, धरोहर संरक्षण और भविष्य की पैरवी में समीक्षा चाहिए। शिमला अब बोझिल आंखों से खुद को देखता है, तो भीड़ में जनता और वीआईपी नंबर के वाहनों की चिल्ल पौं में बिखर सा जाता है। पर्यटक सीजन के आहत पंजों में छटपटाता है, तो इस शहर की व्यावहारिकता में विकास खोजना होगा। शिमला के साथ वाकनाघाट में एक कर्मचारी नगर बसा दीजिए और जहां राजधानी के कामकाज की संगत बैठा दीजिए। शिमला के तीन से चार प्रवेश द्वार अगर भीड़ नियंत्रण के समाधान बनें, तो बिलासपुर, परवाणू और अपर शिमला से आते वाहनों को शहर से दस किलोमीटर पहले रोक कर, वहां से रज्जु मार्गों के जरिए आगे परिवहन संचालन हो तो शिमला में चलने की कसौटियां भी बदलेंगी। बेशक सरकारें कुछ न कुछ प्रयास करती रही हैं, लेकिन अब राज्य राजधानी विकास एरिया यानी एससीआर (स्टेट कैपिटल रिजन) विकसित करना होगा। इसी संदर्भ में शिमला से बाहर भेजे जा रहे कार्यालयों की भूमिका भी सहायक होगी, लेकिन यह सारी कार्रवाइयां अर्थपूर्ण ढंग से परवान चढऩी चाहिएं।

हमारी योजना में सील्ड रोड की पैरवी में एक सुरक्षित शिमला देखा जा रहा है। गाडियां शहर के चप्पे पर और गुस्ताख नजर यह कि परमिट बन जाए और बन जाएगा, बस इक रसीद चाहिए। राजधानी के रिस्ट्रक्टेड रोड से गुजरने के लिए पांच हजार और फील्ड रोड के लिए दस हजार की रसीद चाहिए। बिना खर्च किए घुसे तो दस हजार का जुर्माना होगा। काफी अंदाज है इस शहर के, नजरें झुका के चलो। खैर हम अंग्रेजों के सांचे में अपनी इज्जत बचा रहे हैं। कहीं चल रहे हैं, तो कहीं चला रहे हैं। कभी शिमला अपने पांवों पर चलता था, तो शहर की धडक़न में इनसान सरीखा शहर दिखाई देता था। अब न शिमला के बाशिंदे वो रहे और न ही शहर में अपनी छवि रही। ये जो सील्ड रोड हम बना रहे हैं या इन्हें ट्रैफिक से बचा रहे हैं, यह एक सीमा को सीमित करने का अंदाज है। विचार यह करना होगा कि इस शहर के पांव कहां तक खुद चलें, शहर को चलाएं या आगे बढऩे की दिशा बताएं। हम इसे राजधानी मानते हैं, तो विकास का पथ पूरे राज्य की जनता का स्वागत करे, अन्यथा अनावश्यक भीड़ से हटाकर इसके पांव धोने पड़ेंगे। शहर का वीआईपी अंदाज इन्हीं संकरे मार्गों से बड़े ख्वाब देखता है। हर किसी के रास्ते पर अगर सचिवालय की इमारत आ रही है या घर को निकले राही के सफर पर कोई वीआईपी इमारत आ रही है, तो कौन किसे छल रहा है। वे वीआईपी जो बिना परमिट के इन रास्तों के बादशाह हैं या शिमला की अपनी बादशाहत से आम नागरिक बहुत दूर हो गए हैं। शिमला के कई लुक हैं, लेकिन आधुनिक बड़ा विकराल होने जा रहा है। शहर का व्यापार-कारोबार, कॉफी के कप पर सुस्त सी चर्चा और जिंदगी के ठहरे लम्हों का उद्गार करता यह शहर, विश्राम की मुद्रा में दफ्तरों की सत्ता को समेट लेता है।

दृष्टि कोण

अमरीका के पाखंड की राजनीति

अमरीका के राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 1998 में एक अधिनियम पारित किया था जिसे अमरीका अंतरराष्ट्रीय मजहबी स्वतंत्रता अधिनियम कहता है। इस अधिनियम के तहत अमरीका का कहना है कि उसके अतिरिक्त दुनिया भर में मजहबी स्वतंत्रता का रक्षक और कोई दूसरा देश नहीं है। इसके आधार पर मजहब को अमरीकी विदेश नीति का प्रमुख आधार बनाया गया है। इस अधिनियम के आधार पर ही वाशिंगटन ने 'अंतरराष्ट्रीय मजहबी स्वतंत्रता अमरीकी आयोग' का गठन किया हुआ है। यह आयोग एक प्रकार से दुनिया भर में फैले अमरीकी दूतावासों को वहां के देशों की आंतरिक स्थिति में दखलअंदाजी का अधिकार प्रदान करता है। यह आयोग दुनिया भर के देशों के बारे में, अमरीका की विदेश नीति के आधार पर हर साल अच्छे या बुरे होने के प्रमाणपत्र जारी करता है। इसके आधार पर वह कुछ देशों को 'विशेष चिंता करने वाले देश' घोषित करता है। पिछले दिनों अमरीका ने इस आयोग की सालाना रपट जारी की है जिसमें 2025 का लेखा जोखा देने का दावा किया गया है। इसमें भारत को लेकर बहुत ज्यादा चिंता जाहिर की गई है। भारतीय संसद द्वारा पारित अनेक अधिनियमों को मजहबी स्वतंत्रता में दखलअंदाजी बताया गया है। मसलन अनेक राज्यों के मतांतरण निषेध अधिनियम, गोवध निषेध अधिनियम, नागरिकता अधिनियम, यूनिफार्म सिविल अधिनियम इत्यादि। अमरीका का मानना है कि भारतीय संसद के ये अधिनियम अमरीका के आईआरएफ अधिनियम 1998 का उल्लंघन करते हैं। इसके अतिरिक्त अमरीका को यह भी दुख है कि भारत सरकार अपने नागरिकों के लिए एक राष्ट्रीय रजिस्टर तैयार कर रही है जिसमें भारत के सभी नागरिकों का इंदराज किया जाएगा। उसका मानना है कि इस रजिस्टर के बन जाने से मुसलमानों और ईसाइयों की मजहबी स्वतंत्रता के रास्ते में बहुत बड़ी रुकावट आ जाएगी। गोहत्या निषेध प्रावधानों को लेकर भी अमरीका की चिंता बढ़ी हुई दिखाई देती है। उसके लिहाज से इससे भी मुसलमानों और ईसाइयों को अपने मजहबी क्रियाकलाप करने में दिक्कत आती है। एक दूसरी मजेदार बात का भी जिक्र है। कहा गया है कि भारत में औरंगजेब की कब्र है। उसको लेकर विवाद बढ़ रहा है जिससे मुसलमानों के मजहबी कामों में रुकावट पैदा हो रही है। यानी अमरीका के लिहाज से 2024 से भारत में हालात बहुत बदल गए हैं। साफ तौर पर तो नहीं कहा गया है, लेकिन चिंता जाहिर करती है कि 2014 से पहले जब परोक्ष रूप से कमान सोनिया गांधी के हाथों में थी, तब देश ठीक-ठाक चल रहा था। जबसे भाजपा सरकार आई है, तब से देश में उथल पुथल मच गई है। मजहबी स्वतंत्रता को गहरा आघात लगा है। कब्र में औरंगजेब चिंतित है और कब्र के बाहर अमरीका चिंतित है। इस सारे हालात के लिए अमरीका ने तथाकथित दोषी भी ढूंढ लिए हैं। इसमें सबसे ऊपर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद हैं। इतना ही शायद काफी नहीं था। इसमें भारत सरकार की संस्था रॉ को भी शामिल किया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का विशेष उल्लेख किया गया है। लेकिन हैरानी की बात है कि अमरीका की नजर में भारत की मौजूदा हालात के लिए जिम्मेदार तथाकथित दोषियों में, उसने एक प्रमुख घटक का नाम छोड़ दिया है। वह है भारत की जनता। अमरीका के इस तथाकथित मजहबी स्वतंत्रता के रक्षक आयोग ने यह नहीं कहा कि इस सारे कामों की जिम्मेदार भारत की जनता है, जिसने सोनिया गांधी की पार्टी को हटाकर भारतीय जनता पार्टी को सत्ता ही नहीं सौंप दी, बल्कि लगातार सौंपती जा रही है। हैरानी की एक दूसरी वजह भी है।

चार्ल्सटन ओपन : जेसिका पेगुला ने एलिसाबेट्टा कोच्चियारेटो से लिया बदला, क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका की शीर्ष वरीय और गत चैंपियन जेसिका पेगुला ने शानदार वापसी करते हुए एलिसाबेट्टा कोच्चियारेटो को हराकर चार्ल्सटन ओपन 2026 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। पेगुला ने यह मुकाबला 1-6, 6-1, 7-6 (7/1) से अपने नाम किया। यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें उन्हें जीत के लिए अंतिम सेट के टाईब्रेक तक संघर्ष करना पड़ा।

दुनिया की नंबर 5 टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने यह जीत उस मुकाबले के एक दिन बाद हासिल की, जिसमें उन्होंने कजाकिस्तान की यूलिया पुतिन्त्सेवा को तीन घंटे से अधिक चले मुकाबले में हराया था। यह जीत उनके लिए खास रही क्योंकि पिछले साल विंबलडन में एलिसाबेट्टा कोच्चियारेटो ने उन्हें हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

मुकाबले की शुरुआत में एलिसाबेट्टा कोच्चियारेटो ने शानदार खेल दिखाते हुए पहला सेट आसानी से जीत लिया। इस दौरान जेसिका पेगुला की सर्विस काफी कमजोर रही और वह पहले सेट में केवल 25 प्रतिशत फर्स्ट सर्व पाइंट ही जीत सकीं। मैच के बाद उन्होंने अपने प्रदर्शन को लेकर निराशा भी जताई।

हालांकि दूसरे सेट में जेसिका पेगुला ने जोरदार वापसी की और मैच को बराबरी पर ला दिया। तीसरे सेट में उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जहां वह एक समय 1-4 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 4-4 कर दिया और मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया।

निर्णायक टाईब्रेक में जेसिका पेगुला ने बेहतरीन खेल दिखाया और एलिसाबेट्टा कोच्चियारेटो की गलती का फायदा उठाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने पिछले साल की हार का बदला भी पूरा कर लिया।

अब क्वार्टरफाइनल में जेसिका पेगुला का सामना रूस की डायना श्नाइडर से होगा, जिन्होंने कनाडा की लेयला फर्नांडीज को 6-3, 6-0 से हराया।

स्विट्जरलैंड की तीसरी वरीय बेलिंडा बेनसिच ने भी अगले दौर में जगह बनाई। उन्होंने चेक गणराज्य की सारा बेजलेक को 7-6 (7/4), 6-2 से हराया। अब उनका मुकाबला अमेरिका की मैडिसन कीज से होगा, जिन्होंने हंगरी की अन्ना बोंडार को 6-2, 7-5 से शिकस्त दी।

न्यूज़ ब्रीफ

अलाना किंग के पांच विकेट से आस्ट्रेलिया ने तीसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया, सीरीज में किया क्लीन स्वीप

नई दिल्ली। आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को तीसरे वनडे में 9 विकेट से हराकर सीरीज पर क्लीन स्वीप कर लिया। यह मुकाबला बासेटेरे में गुरुवार (2 अप्रैल) को खेला गया, जहां लेग स्पिनर अलाना किंग के पांच विकेट ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। वेस्टइंडीज की अच्छी शुरुआत, फिर पारी बिखरी पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में 49/1 का मजबूत स्कोर बनाया, लेकिन इसके बाद टीम की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। 19वें ओवर तक स्कोर 78/5 हो गया। ओपनिंग में 38 रन की साझेदारी के अलावा रीएलियाना ग्रिमोंड और चिनेल हेनरी के बीच 37 रन की साझेदारी ही कुछ हद तक टीम को संभाल सकी। ग्रिमोंड 27वें ओवर में किंग का शिकार बनीं, जिसके बाद पूरी टीम तेजी से सिमट गई। हेनरी ने 42 रन बनाकर नाबाद पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई खास समर्थन नहीं मिला और वेस्टइंडीज की पूरी टीम 35.4 ओवर में 136 रन पर आलआउट हो गई। अलाना किंग की घातक गेंदबाजी अलाना किंग ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर 5 विकेट झटके और मैच की सबसे बड़ी नायिका रहीं। उनके अलावा एशले गार्डनर ने भी 2 विकेट लेकर टीम की जीत में योगदान दिया।

मैं आईपीएल चेयरमैन होता तो संजीव गोयनका पर प्रतिबंध लगा देता : ललित मोदी

लंदन। आईपीएल के संस्थापक रहे ललित मोदी ने कहा है कि जिस प्रकार लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने टीम के कप्तान ऋषभ पंत से व्यवहार किया है। ऐसे में अगर वह आईपीएल चेयरमैन होते तो गोयनका पर प्रतिबंध लगाने के साथ ही उनसे टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते। ललित मोदी ने ये बात दिल्ली कैपिटल्स से पहला ही मैच हारने के बाद गोयनका के कप्तान ऋषभ पंत और सहयोगी स्टाफ से मैदान में ही हो रही बातों को देखकर कही है। प्रशंसकों को इसी के साथ ही आईपीएल 2024 याद आ गया जब गोयना इसी प्रकार से केएल राहुल पर भड़क गये थे। इसके बाद राहुल ने सुपर जाएंट्स टीम छोड़ दी थी। अब ऋषभ के साथ वही व्यवहार हुआ है। जिससे प्रशंसक नाराज हैं। ऐसे में मोदी ने गोयनका को आईपीएल से प्रतिबंबधिक करने के साथ ही मालिकाना अधिकार वापस लेने की मांग की है। वहीं इस मामले की आलोचना इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान ने इस भी की है। उन्होंने कहा , टूर्नामेंट में इस प्रकार की बातों के लिए जगह नहीं है। वान के इस पोस्ट पर मोदी ने लिखा कि अगर वह अभी भी आईपीएल कमिश्नर होते तो वह संजीव गोयनका को प्रतिबंधित करने के साथ ही टीम का मालिकाना अधिकार भी वापस ले लेते।

पीटरसन ने की दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज समीर रिजवी की तारीफ

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान क्रिकेटर केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल रहे बल्लेबाज समीर

रिजवी की जमकर प्रशंसा की है। रिजवी ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 70 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी है। पीटरसने पिछले साल कैपिल्स के मेंटर रहे थे। उनका कहना है कि पिछले सीजन में ही उन्होंने समीर की प्रतिभा देख ली थी। तभी से वह इस युवा बल्लेबाज के खेल से प्रभावित हैं। उन्होंने टीम प्रबंधन से अपील की है कि वह इस युवा का साथ देते रहे। जिससे उसका आगे भी इसी प्रकार खेलने के लिए मनोबल बढ़ता रहे। पीटरसन ने कहा, उन्होंने हालात के हिसाब से बहुत ही शानदार बल्लेबाजी की और इसमें मुझे इसमें कोई हैरानी नहीं हुई। मैंने पिछले सीजन में समीर के साथ काफी समय बिताया था और उन्हें बहुत करीब से देखा था। उन्होंने एक अभ्यास मैच में भी शतक बनाया था पर टूर्नामेंट के पहले चरण में उन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई थी। हालांकि जब सत्र के बाद के हिस्से में उन्हें अवसर मिला, तो उनकी क्षमताएं सभी ने देखीं। तब हर किसी ने उनकी तरफ देखा और कहा इसमें काफी संभावनाएं नजर आती हैं।

घर में भी नहीं खुला चेन्नई सुपर किंग्स का खाता, पंजाब किंग्स की लगातार दूसरी जीत

चेन्नई, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के सातवें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को पंजाब किंग्स के खिलाफ 5 विकेट से हार मिली। पंजाब की यह लगातार दूसरी जीत है जबकि चेन्नई अभी तक दोनों मैच हारी है। एमए चिदंबरम स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने 5 विकेट पर 209 रन लगाए। पंजाब किंग्स की टीम ने 19वें ओवर में 8 गेंद रहते मैच को अपने नाम कर लिया। पिछले 8 मैच में सीएसके के खिलाफ पंजाब की यह 7वीं जीत है।

आयुष म्हात्रे ने 29 गेंद पर फिफ्टी ठोकी

टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। संजू सैमसन एक बार फिर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज 7 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के साथ मिलकर आयुष म्हात्रे ने टीम की पारी को संभाला और दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 96 रन जोड़े। ऋतुराज 22 गेंदों में 2 चौके लगाने के बाद 28 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, आयुष ने एक छोर से अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और 43 गेंदों में 73 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और 5 छक्के लगाए।

कार्तिक शर्मा ने एक बार फिर निराश किया और एक रन ही बना सके। हालांकि, सरफराज खान बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने सिर्फ 12 गेंदों पर 32 रन बनाए। सरफराज ने 6 चौके और एक छक्का लगाया। अंतिम ओ-वरों में शिवम दुबे ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 28 गेंदों में नाबाद 45 रन बनाए। शिवम ने अपनी पारी के दौरान 5 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, प्रशांत वीर अपने डेब्यू मुकाबले में 6 रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब किंग्स की तरफ से विजयकुमार वैशाक ने 2 विकेट निकाले। वहीं, युजवेंद्र चहल और मार्को जानसेन ने एक-एक विकेट चटकाया।

बामस अखाड़े के पहलवानों ने रुस्तम-ए-हैदराबाद में लहराया परचम

26वीं हैदराबाद केसरी चैंपियनशिप में शीर्ष सम्मान

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पारंपरिक भारतीय कुश्ती के क्षेत्र में अपनी धाक जमाते हुए बामस अखाड़ा की टीम ने 26वीं हैदराबाद केसरी कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में शीर्ष स्थान हासिल कर बड़ी जीत दर्ज की है। रुस्तम-ए-हैदराबाद के खिताब के साथ टीम ने अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया। समारोह के दौरान डेक्कन डेमोक्रेटिक क्लब के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जनाब हबीब मोहसिन ने टीम के केंद्र में रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उनकी उपस्थिति ने न केवल पहलवानों का मनोबल बढ़ाया, बल्कि खेल के प्रति क्लब की प्रतिबद्धता को भी दर्शाया।

चैंपियनशिप के दौरान मैदान में युवा और उभरते पहलवानों ने जिस दृढ़ संकल्प और तकनीकी कौशल के साथ मुकाबला किया, वह देखते ही बनता था। धूल भरी मिट्टी और अखाड़े की परंपरा को जीवित रखते हुए इन युवाओं ने यह साबित कर दिया कि पारंपरिक भारतीय कुश्ती का भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल है।

इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरी टीम ने एक साथ पोज देते हुए अपनी खुशी साझा की। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि बामस अखाड़े की यह उपलब्धि शहर में कुश्ती की संस्कृति को पुनर्जीवित करने में मील का पत्थर साबित होगी।

हबीब मोहसिन ने इस अवसर पर कहा कि इन युवा प्रतिभाओं को सही मार्गदर्शन और मंच प्रदान करना उनकी प्राथमिकता है ताकि वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शहर का नाम रोशन कर सकें।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स : फुटबॉल में छत्तीसगढ़ को रजत पदक

रायपुर। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के अंतर्गत रायपुर के स्वामी विवेकानंद एथलेटिक स्टेडियम, कोटा में खेले गए पुरुष फुटबाल के फाइनल मुकाबले में छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के बीच बेहद रोमांचक और कांटे की टक्कर देखने को मिली। इस बेहद संघर्षपूर्ण मुकाबले में छत्तीसगढ़ को पराजय का सामना कर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। फाइनल मैच में दोनों टीमों ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित किया। छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार तालमेल, तेज आक्रमण और मजबूत रक्षा का परिचय दिया। फाइनल में कड़े मुकाबले में पश्चिम बंगाल से 0-1 से मिली हार खिलाड़ियों ने पूरे जोश और आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए हर पल मुकाबले को संतुलित बनाए रखा। हाफ टाइम तक पश्चिम बंगाल की टीम 1-0 की बढ़त बनाए हुए थी। छत्तीसगढ़ की टीम ने लगातार आक्रमण कर गोल उतारने की भरपूर कोशिश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, विभिन्न विभागों तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के अधिकारी और खेलप्रेमी बड़ी संख्या में फाइनल मैच देखने के लिए मैदान में पहुंचे थे।

आईपीएल में टीमों को बढ़ाने पर विचार कर रहा बीसीसीआई : अरुण धूमल

टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता नहीं करेंगे

मुम्बई, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही लगातार छाया हुआ है। यहां तक कि आज आईपीएल दुनिया में सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है। इसके मैचों का प्रसारण दूनिया भर में होता है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सबसे अधिक कमाई आईपीएल से ही होती है। ऐसे में बोर्ड अब इसमें टीमें बढ़ाने पर विचार कर रहा है। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल के अनुसार बोर्ड टीमों की संख्या बढ़ाने का कोई भी फैसला, टूर्नामेंट की गुणवत्ता से समझौता करते हुए नहीं लेगा।

धूमल ने कहा, टीम बढ़ाने का फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि इसके लिए कितना समय मिलता है। निवेशकों की इसमें कितनी रुचि है क्योंकि आईपीएल में निवेश पर असाधारण रिटर्न मिल रहा है। मैचों की संख्या बढ़ाने के पहले कई बातों का ध्यान रखना होता है। साथ ही कहा कि अगर इस लीग को नियमित रूप से आयोजित किया जाना है, तो नई व्यवस्था होगी। आईसीसी कार्यक्रम में कम द्विपक्षीय मैच रखने होंगे। तभी लीग क्रिकेट बढ़ सकता है।

साथ ही कहा कि जब बोर्ड ने प्रसारण अधिककार 48,390 करोड़ रुपए में बेचे थे, तो योजना यह थी कि धीरे-धीरे मैचों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अनुसार साल 2023 और 2024 में 74 मैच, 2025 और 2026 में 84 मैच, और अंत में साल 2027 तक 94 मैच खेले जाने थे पर ये योजना अभी रुकी हुई है। साल 2026 में भी 74 मैच ही खेले जाएंगे। इसके पीछे को कारण आईसीसी का मौजूदा भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) है, जो अप्रैल 2027 तक चलेगा, इससे मैचों के बीच बहुत कम खाली समय मिलता है। धूमल ने आईपीएल के विस्तार को लेकर कहा, लीग को 74 से 94 मैचों तक ले जाने के लिए हमें एक बड़ी विंडो की जरूरत है। ज़्यादातर अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर पहले से ही बुक है। मार्च के बीच से मई के आखिर तक का समय ही हमारे पास सीमित उपलब्ध है। वहीं जून में बारिश शुरु हो जाती है। तब र्नामेंट को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। अगर हम मौजूदा विंडो में ही 74 से 94 मैच करवाने की कोशिश करेंगे तो हमें अधिक डबल-हेडर करवाने पड़ेंगे। जो कि प्रसारण कर्ता के लिए फायदे का सौदा नहीं होते। हमें सभी के हितों का ध्यान रखना होता है। इसीलिए हमने अब तक 74 मैच ही रखे हैं।

आरसीबी के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने कहा, हम यहां दबदबा बनाने आए हैं

बेंगलुरू, 03 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा ने साफ कर दिया है कि टीम का लक्ष्य सिर्फ एक खिताब जीतना नहीं, बल्कि लंबे समय तक दबदबा कायम करना है। आरसीबी पाडकास्ट पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले सीजन की सफलता टीम के लिए नई शुरुआत है।

जितेश ने कहा, यह एक साल की बात नहीं है। हम यहां दबदबा बनाने आए हैं। मैं यह साबित करना चाहता हूं कि पिछले सीजन में जो हुआ वह कोई एक बार की बात नहीं थी।

पिछले सीजन में आरसीबी की ऐतिहासिक खिताबी जीत को याद करते हुए जितेश ने इसे अपने करियर का सबसे खास पल बताया।

उन्होंने कहा, आरसीबी के लिए पहला खिताब जीतना एक जादुई एहसास था। सबसे बड़ी खुशी इस बात की थी कि मैं उसमें योगदान दे सका। यह पल हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा।

जितेश शर्मा ने अपने निजी जीवन के मुश्किल दौर का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिता के निधन का दर्द आज भी उनके साथ है।

उन्होंने कहा, जब आप अपने पिता को खोते हैं, तो वह खालीपन कभी नहीं भरता। मैं इसे भूलने की कोशिश नहीं कर रहा हूं, बल्कि उस भावना को अपने साथ लेकर आगे बढ़ रहा हूं।

उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इस बात का गर्व है कि उनके पिता ने उन्हें भारत के लिए खेलते और आरसीबी के लिए ट्राफी जीतते देखा।

जितेश ने अपने खेल और मानसिक मजबूती का श्रेय दिनेश कार्तिक को

दिया। उन्होंने कहा कि कार्तिक ने उन्हें न सिर्फ तकनीकी रूप से बेहतर बनाया, बल्कि मुश्किल समय में सही सलाह भी दी।

उन्होंने कहा, डीके अन्ना ने मुझे अपने खेल को समझने और मानसिक रूप से मजबूत बनने में काफी मदद की। उन्होंने मुझे कुछ समय के लिए ब्रेक लेकर परिवार के साथ समय बिताने की सलाह दी, जिससे मैं खुद को फिर से संभाल पाया।

जितेश ने कहा कि अब वह खुद को सिर्फ विकेटकीपर के रूप में नहीं देखते, बल्कि टीम के लिए एक फिनिशर और फील्डर की भूमिका भी निभाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, मेरा काम है टीम में जगह बनाना, चाहे जो भी भूमिका मिले। अब मैं खुद को एक आलराउंड योगदान देने वाले खिलाड़ी के रूप में देखता हूं।

भारतीय टीम में वापसी को लेकर जितेश ने कहा कि यह उनका सबसे बड़ा सपना है। उन्होंने कहा, भारत के लिए खेलना मेरा अंतिम लक्ष्य है। मुझे लगता है कि मैंने अपना काम किया है और अब मुझे अगले मौके के लिए तैयार रहना है। पिछले सीजन के फाइनल में 10 गेंदों पर 24 रन की अहम पारी खेलने वाले जितेश ने उस मैच के आखिरी ओवर को याद करते हुए कहा, वह छह गेंदें मेरी जिंदगी की सबसे लंबी गेंदें थीं। हम उस जीत को बहुत ज्यादा चाहते थे। डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में नए सीजन में उतर रही आरसीबी को लेकर जितेश ने कहा कि टीम हर चुनौती के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, इस सीजन में टीमें हमारे खिलाफ और ज्यादा आक्रामक होंगी, और मुझे यह पसंद है। मैं चाहता हूं कि लोग हम पर दबाव डालें, क्योंकि हम भी पूरी ताकत से जवाब देंगे।

क्या दवाओं पर ट्रंप के 100प्रतिशत टैरिफ से भारत पर भी असर, नए फैसले से कितना प्रभावित होगा फार्मा सेक्टर

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा और सप्लाई चेन जोखिमों का हवाला देते हुए पेटेंटेड फार्मास्युटिकल उत्पादों के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया है। यह निर्णय सेक्शन 232 जांच के बाद लिया गया है, जिसका उद्देश्य दवा आपूर्ति में विदेशी निर्भरता को कम करना है।

जेनेरिक दवाओं को टैरिफ से रखा गया बाहर – हालांकि भारत के लिए राहत की बात यह है कि जेनेरिक दवाओं को फिलहाल इस टैरिफ से बाहर रखा गया है। अमेरिकी प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भारतीय कंपनियों की प्रमुख ताकत माने जाने वाले जेनेरिक ड्रग्स पर अभी कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा। इससे भारत से अमेरिका को होने वाले सस्ते दवाओं के निर्यात पर तत्काल असर नहीं पड़ेगा। भारत की फार्मा इंडस्ट्री का बड़ा हिस्सा अमेरिकी जेनेरिक बाजार पर निर्भर है और इस छूट से अल्पकाल में स्थिरता बनी रहने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ व्हाइट हाउस अधिकारी के अनुसार, भविष्य में जेनेरिक उत्पादन की स्थिति की समीक्षा कर टैरिफ नीति में बदलाव किया जा सकता है।

भारत के लिए क्या चुनौती – हालांकि, लंबे समय में यह फैसला भारत के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। पेटेंटेड दवाओं और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स पर भारी टैरिफ से वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है, जिसमें भारतीय कंपनियां अहम भूमिका निभाती हैं। खासकर कान्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग और इंटरमीडिएट सप्लाई के क्षेत्र में इसका असर देखने को मिल सकता है।

कंपनियों को लेकर ट्रंप प्रशासन का क्या रुख – अमेरिकी प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन कंपनियों के पास अमेरिका में उत्पादन शिफ्ट करने की योजना नहीं होगी, उनके भारत से आयातित पेटेंटेड उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लागू होगा। हालांकि, जो कंपनियां उत्पादन अमेरिका में स्थानांतरित करने के लिए प्रतिबद्ध होंगी, उन्हें शुरुआती राहत के तौर पर 20 प्रतिशत टैरिफ दिया जाएगा, जो चार साल में बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगा।

कैसे लागू होगा टैरिफ – यह टैरिफ जुलाई और सितंबर 2026 से चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि वर्तमान में अमेरिका में वितरित लगभग 53 प्रतिशत पेटेंटेड दवाएं विदेशों में बनती हैं ।

न्यूज ब्रीफ

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं, वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भी तेजी

नई दिल्ली। पश्चिम एशियामें जारी भारी तनाव के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आग लगी हुई है। दुनिया के कई देशों में पेट्रोल–डीजल के दाम आसमान छू रहे हैं लेकिन भारतीय उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर है। शुक्रवार 3 अप्रैल को भी देश में तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। हालांकि इस राहत के पीछे तेल कंपनियों को भारी आर्थिक चोट सहनी पड़ रही है। ब्रेंट क्रूड की कीमतें इस हफ्ते 115 डालर प्रति बैरल के पार निकल गई थीं। होर्मुज जलडमरूमध्य जहां से दुनिया का 20 फीसदी तेल गुजरता है वहां सप्लाई बाधित होने के डर से अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी अस्थिरता है। इसके बावजूद भारत सरकार और तेल कंपनियों ने घरेलू कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है ताकि आम जनता को महंगाई का झटका न लगे। प्रमुख शहरों में शुक्रवार को भाव इस प्रकार हैं– नई दिल्ली पेट्रोल 94.77 रुपए प्रति लीटर डीजल 87.67 रुपए प्रति लीटर, मुंबई डीजल 103.54 रुपए प्रति लीटर, डीजल 90.03 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 105.45 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.02 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई डीजल 100.80 रुपए प्रति लीटर, पेट्रोल 92.39 रुपए प्रति लीटर, बेंगलुरु पेट्रोल 102.92 रुपए प्रति लीटर, डीजल 90.99 रुपए प्रति लीटर एवं लखनऊ पेट्रोल 94.65 रुपए प्रति लीटर, डीजल 87.76 रुपए, पोर्ट ब्लेयर पेट्रोल 82.46 रुपए प्रति लीटर, डीजल 78.05 रुपए प्रति लीटर है।

1.39 लाख इलेक्ट्रिक स्कूटर और बाइक की बिक्री दर्ज

नई दिल्ली। भारत में 27 मार्च तक करीब 1.39 लाख इलेक्ट्रिक स्कूटर और बाइक की बिक्री दर्ज की गई, जो पिछले साल इसी अवधि के 1.31 लाख यूनिट्स से अधिक है। मौजूदा रफ्तार जारी रही तो यह आंकड़ा जल्द ही 1.45 लाख यूनिट्स के रिकार्ड को पार कर सकता है। साथ ही वित्तीय वर्ष के अंत में मिलने वाले आफर्स, सरकार द्वारा सब्सिडी को जुलाई 2026 तक बढ़ाना और कंपनियों के डिस्काउंट ने भी बिक्री को बढ़ावा दिया है। इस ग्रोथ में टीवीएस मोटर कंपनी सबसे आगे रही, जिसने वित्त वर्ष 2026 में 3.3 लाख से ज्यादा यूनिट्स बेचकर नया मुकाम हासिल किया। बजाज आटो ने 2.76 लाख यूनिट्स की बिक्री की, जबकि अथेर एनर्जी ने करीब 2.3 लाख यूनिट्स के साथ अपनी स्थिति मजबूत की। वहीं हीरो मोटोकार्प ने शानदार उछाल दिखाते हुए अपनी बिक्री तीन गुना बढ़ाकर 1.39 लाख यूनिट्स तक पहुंचा दी। हालांकि ओला इलेक्ट्रिक के लिए यह साल थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहा और इसकी बिक्री में गिरावट देखी गई। कुल मिलाकर वित्त वर्ष 2026 में ईवी टू–व्हीलर की बिक्री 13.5 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई है, जो पिछले साल से करीब 17 प्रतिशत ज्यादा है।

भारत में पहली स्वदेशी गैसीकरण परियोजना के जमीन पट्टे पर समझौता हुआ

25,000 करोड़ की मेगा परियोजना

नई दिल्ली, 04 अप्रैल (एजेंसियां)।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव व वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में उतार–चढ़ाव के दौर में भारत में ऊर्जा सुरक्षा के लिए पहली स्वदेशी गैसीकरण परियोजना के जमीन पट्टे पर समझौता हुआ। भारत कोल गैसिफिकेशन ऐंड केमिकल लिमिटेड (बीसीजीसीएल) और महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने समझौता किया। इसके तहत ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले के लखनपुर में कोयले से अमोनियम नाइट्रेट बनाने की पहली स्वदेशी परियोजना के लिए समझौता हुआ। इससे आयात पर निर्भरता भी घटेगी। सूत्रों के अनुसार इस परियोजना की क्षमता 2,000 टन प्रतिदिन (टीपीडी) है। परियोजना के लिए अनुमानित निवेश करीब 25,000 करोड़ रुपये है। यह समझौता महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसमें भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) की स्वदेशी रूप से विकसित कोयला गैसीकरण तकनीक का उपयोग किया जाएगा। कोयला गैसीकरण तकनीक कोयले को सिंथेसिस गैस (सिनगैस) में बदलती है। फिर सिनगैस से अमोनिया, मेथनाल, यूरिया, हाइड्रोजन, सिंथेटिक प्राकृतिक गैस (एसएनजी), पेट्रोकेमिकल्स और तरल ईंधन सहित विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पाद बनाए जा सकते हैं। इस क्रम में लखनपुर परियोजना विशेष रूप से अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करेगी। यह प्रमुख औद्योगिक रसायन है और इसका उपयोग उर्वरकों और खनन में व्यापक रूप से होता है। दरअसल, कोयला मंत्रालय ने ऊर्जा उत्पादों के आयात को कम करने के लिए सात कोयला परियोजनाओं के लिए 64,000 रुपये मंजूर किए हैं। इन सात परियोजनाओं में से एक लखनपुर परियोजना है। इस क्रम में सात परियोजनाओं में से चार महाराष्ट्र, दो ओडिशा और एक पश्चिम बंगाल में होगी। लखनपुर परियोजना एमसीएल की 350 एकड़ से अधिक भूमि पर स्थापित की जाएगी। दरअसल, कोयलना मंत्रालय ने हाल ही में नीति में बदलाव किए हैं। इसके तहत कोयला युक्त क्षेत्र में गैसीकरण परियोजना की अनुमति दी गई है। इस नीतिगत बदलाव से लखनपुर परियोजना को प्रोत्साहन मिला।

तेल संकट गहराया, भारत में कीमतें 4 साल के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते वैश्विक तेल आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ा है, जिसका सीधा असर भारत पर भी देखने को मिल रहा है। भारतीय आयल बास्केट की औसत कीमत मार्च 2026 में 113.49 डालर प्रति बैरल पहुंच गई, जो पिछले चार वर्षों का उच्चतम स्तर है। इससे पहले रसिया–यूक्रेन वार के दौरान मार्च 2023 में यह 112.87 डालर तक गई थी। रविवार को ओपेक देशों की बैठक होगी। इसमें आयल प्रोडक्शन बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी। 1 अप्रैल को भारतीय रिफाइनरियों के लिए कच्चे तेल की कीमत 120.84 डालर प्रति बैरल दर्ज की गई, जबकि ब्रेट क्रूड करीब 107 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 100 से 120 डालर प्रति बैरल के दायरे में बनी हुई हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। कच्चे तेल की कीमतें 100 से 120 डालर प्रति बैरल के दायरे में इस तेजी की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में बढ़ता भू–राजनीतिक तनाव है। स्ट्रेट आफ होर्मुज में बाधा आने से वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है, क्योंकि दुनिया के करीब 20 फीसदी तेल का ट्रांजिट इसी रास्ते से होता है। इसके अलावा सऊदी अरब, इराक, कुवैत और यूएई जैसे बड़े उत्पादकों द्वारा उत्पादन में कटौती और रूस में ड्रोन हमलों से सप्लाई और कमजोर हुई है।

कई नए प्रोडक्ट लान्च करने की तैयारी में एमजी

नई दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय बाजार में एमजी मोटर कंपनी अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए 2026 में कई नए प्रोडक्ट लान्च करने की तैयारी में है। भारत में कंपनी वुलिंग स्टारलाइट 560 के रीबैज्ड वर्जन को पेश कर सकती है। इस एसयूवी के पेटेंट दाखिल होने और टेस्टिंग के दौरान इसके माडल्स देखे जाने से इसके लान्च की संभावना और मजबूत हो गई है।

डिजाइन की बात करें तो वुलिंग स्टारलाइट 560 का एक्सटीरियर इंटरनेशनल माडल जैसा ही नजर आता है। इसका बाक्सी प्रोफाइल, शार्प लाइटिंग, मेश पैटर्न ग्रिल और मजबूत बंपर इसे आकर्षक बनाते हैं। साइड प्रोफाइल में चौकोर व्हील आर्च, रूफ रेल्स और ब्लैक–आउट पिलर्स दिए गए हैं, जबकि पीछे की ओर रैपअराउंड टेललाइट्स और स्टाइलिश डिजाइन देखने को मिलता है। 4,745 मिमी लंबाई और 2,810 मिमी व्हीलबेस के साथ यह एसयूवी फैमिली यूजर्स के लिए उपयुक्त मानी जा रही है। इंजन और परफार्मेंस के मामले में यह एसयूवी कई विकल्पों के साथ आ सकती है। इंटरनेशनल मार्केट में इसका पेट्रोल, प्लग–इन हाइब्रिड (पीएचईवी) और पूरी तरह इलेक्ट्रिक वर्जन उपलब्ध है। पेट्रोल इंजन 177 पीएस की पावर देता है, जबकि पीएचईवी वर्जन में कुल आउटपुट करीब 200 पीएस तक पहुंचता है और इसकी कुल रेंज 1100 किलोमीटर तक बताई जाती है। वहीं, इलेक्ट्रिक वर्जन 500 से 540 किलोमीटर तक की रेंज देने में सक्षम है, जो इसे लंबी दूरी के लिए भी उपयोगी बनाता है। फीचर्स की बात करें तो इसका इंटीरियर मिनिमलिस्ट डिजाइन के साथ आता है, जिसमें 12.8 इंच की टचस्क्रीन, 4जी कनेक्टिविटी, ओटीएस अपडेट और स्मार्टफोन ऐप कंट्रोल जैसी सुविधाएं मिलती हैं। इसके अलावा वायरलेस चार्जिंग, पैनोरमिक सनरूफ, एम्बिएंट लाइटिंग और आरामदायक सीटिंग जैसे फीचर्स इसे प्रीमियम बनाते हैं। कीमत को लेकर अनुमान है कि इसे करीब 19 लाख रुपये की शुरुआती एक्स–शोरूम कीमत पर लान्च किया जा सकता है।

फ्लाइट में 60प्रतिशत सीटें मुफ्त देने के फैसले पर रोक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एयरलाइंस को फ्लाइट में 60प्रतिशत सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क के चुनने देने वाले निर्देश को अस्थायी रूप से रोक दिया है। सूत्रों के हवाले से बताया कि यह नियम 20 अप्रैल से लागू होना था, लेकिन अब इसे अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 15 दिन पहले 18 मार्च को कहा था कि डीजीसीए को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी फ्लाइट में सीट चयन के लिए न्यूनतम 60प्रतिशत सीटें बिना चार्ज उपलब्ध कराई जाएं। इसका उद्देश्य यात्रियों को सीट चुनने में समान अवसर देना बताया गया था। मंत्रालय के अनुसार, इस मुद्दे की समीक्षा के दौरान फेडरेशन आफ इंडियन एयरलाइंस की ओर से आपत्तियां भेजी गईं। इनमें आपरेशनल असर, किराए पर प्रभाव और मौजूदा डिरेगुलेटेड टैरिफ व्यवस्था से तालमेल जैसे मुद्दे उठाए गए। मंत्रालय ने कहा कि व्यापक जांच पूरी होने तक 60प्रतिशत सीटें मुफ्त देने का प्रावधान लागू नहीं किया जाएगा। मौजूदा नियम 20प्रतिशत सीटों पर ही लागू होता है मौजूदा नियमों में पैसेंजर्स के लिए 20प्रतिशत सीटें ही बिना एक्स्ट्रा चार्ज दिए बुक की जा सकती हैं, जबकि बाकी सीटों के लिए भुगतान करना पड़ता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी एयरलाइंस पंसद की सीटें चुनने पर 500 से 3000 रुपए तक एक्स्ट्रा चार्ज करती हैं। प्रेफर्ड सीट के नाम पर एक्स्ट्रा चार्ज नहीं ले सकेंगी एयरलाइंस अक्सर देखा जाता है कि टिकट बुकिंग के बाद जब यात्री वेब चेक–इन करते हैं, तो उन्हें फ्री सीट के नाम पर केवल 20प्रतिशत आप्शन ही मिलते हैं।

आटो बाजार में एसयूवी से लेकर लग्जरी कारों तक कई नए विकल्प

नई दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां)।

कार बाजार के लिए मार्च 2026 बेहद रोमांचक रहा, जहां काम्पैक्ट एसयूवी, सेडान और प्रीमियम सेगमेंट में कई नई गाड़ियों की एंट्री हुई। स्कोडा कुशाक फेसलिफ्ट को इस महीने लान्च किया गया, जिसकी कीमत 10.69 लाख से 18.99 लाख रुपये के बीच है। इसमें अपडेटेड डिजाइन, नए अलाय व्हील्स, 10.25 इंच डिजिटल डिस्प्ले, वेंटिलेटेड और मसाजिंग सीट्स जैसे फीचर्स जोड़े गए हैं। इंजन आप्शन पहले जैसे ही हैं, लेकिन 1-लीटर इंजन में नया 8-स्पीड आटोमैटिक ट्रांसमिशन शामिल किया गया है।

हयूदै एक्टर फेसलिफ्ट को भी नए डिजाइन और फीचर्स के साथ पेश किया गया है। इसमें सनरूफ, 8–इंच टचस्क्रीन, वायरलेस चार्जिंग और बेहतर सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। इसकी कीमत 5.80 लाख से 9.57 लाख रुपये तक है और इसमें पेट्रोल के साथ सीएनजी आप्शन भी मिलता है। सेडान सेगमेंट में हयूदै वेरना फेसलिफ्ट लान्च हुआ है, जिसमें लेवल–2 अडास, 360 डिग्री कैमरा और 6 एयरबैग जैसे सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं। इसकी कीमत 10.98 लाख से 18.25 लाख रुपये है। नई रिनाल्ट डस्टेर का नया जेनरेशन भी बाजार में उतारा गया है, जो रग्ड डिजाइन और माडर्न केबिन के साथ आता है। इसकी कीमत 10.49 लाख से 18.49 लाख रुपये रखी गई है। प्रीमियम सेगमेंट में लेक्सस ईएस का 8वां जेनरेशन लान्च हुआ है, जिसमें 580 किमी रेंज देने वाला इलेक्ट्रिक पावरट्रेन और एडवांस फीचर्स दिए गए हैं। इसकी कीमत 89.99 लाख रुपये है। इसके अलावा आडी एसक्यू 8 भी लान्च हुई है, जो 1.78 करोड़ रुपये की कीमत और दमदार वी 8 इंजन के साथ 4.1 सेकेंड में 0–100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ऊपरवाला...

अधिकारियों का कहना है कि वे अब उन व्यक्तियों को लक्षित कर रहे हैं जिनकी सार्वजनिक छवि और संपत्ति का मुख्य आधार सोना है।गच्चीबोवली क्षेत्र में तेलंगाना गोल्ड मैन के रूप में प्रसिद्ध चिन्ना पहलवान व्यापार, राजनीति और रीयल एस्टेट के साथ–साथ स्थानीय समझौतों में भी सक्रिय रहे हैं। उनकी सोशल मीडिया पर मजबूत उपस्थिति और उनके घरों के होम टूर वीडियो ने उन्हें एक प्रभावशाली स्थानीय व्यक्ति के रूप में स्थापित किया था, जो अंततः विभाग की जांच का कारण बना। फिलहाल, विभाग उनके परिवार के सदस्यों के वित्तीय लेनदेन और संपत्तियों की भी गहन जांच कर रहा है।

ट्रंप...

जिसके जवाब में ईरान और उसके सहयोगियों ने मध्य पूर्व में अमेरिकी और इजरायली ठिकानों को निशाना बनाया है।ईरान की सरजमीं पर फाइटर जेट का गिरना इस युद्ध में निर्णायक मोड़ बन सकता है। अभी तक तो अमेरिका के जो भी विमान गिरे थे, उस पर अमेरिकी सरकार का कहना था कि फ्रेंडली फायर में नुकसान हुआ। लेकिन अब तो खुलकर सामने आ गया है कि अमेरिका का फाइटर जेट ईरान में गिरा है और पायलट की जानकारी नहीं है।अगर अमेरिकी फाइटर पायलट को पकड़ लिया गया, तो यह जंग किस मोड़ पर जा सकती है। अगर अमेरिकी पायलट्स को मारने की बात होती है, तो उससे ईरान को कोई खास फायदा नहीं होगा। उल्टा, इससे अमेरिका और खासकर डोनाल्ड ट्रंप के लिए बड़ा सैन्य एक्शन करने का आधार मिल सकता है।

अगर जो एक लापता पायलट है उसकी मौत होती है, तो अमेरिका इसे बदले के तौर पर बड़े हमले को जस्टिफाई कर सकता है। ऐसे में स्थिति और ज्यादा गंभीर हो सकती है। अगर पायलट्स जिंदा हैं, तो यह ईरान के लिए एक बड़ा रणनीतिक फायदा हो सकता है। जैसे- जिंदा पायलट होने से अमेरिका पर दबाव बनेगा।

पायलट को छुड़ाने के लिए अमेरिका को बातचीत करनी पड़ेगी। यह ईरान के लिए एक मजबूत नेगोशिएशन पोजिशन बन सकता है।इसे ईरान के लिए स्ट्रॉन्ग होल्ड बताया, जिसे वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भुना सकता है।

इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण सवाल पायलट्स की लोकेशन है। इजेक्शन के बाद पायलट अक्सर घायल हो जाते हैं। ऐसे में उनका लंबी दूरी तय करना मुश्किल होता है। ईरान जैसे बड़े इलाके में उन्हें ढूंढना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

अगर पायलट जिंदा है, तो ईरान उन्हें पकड़ने की पूरी कोशिश करेगा। कैप्चर होने के बाद ही ईरान बातचीत की शर्तें रख सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पायलट्स की तस्वीर या सबूत दिखाकर दबाव बनाया जा सकता है।

इस मामले में अमेरिका और ईरान दोनों अपने–अपने तरीके से रणनीति बना रहे हैं, लेकिन फोकस एक ही है। स्थिति को अपने पक्ष में करना।

पाक में तेल के...

28 फरवरी को अमेरिका–इजराइल और ईरान जंग शुरू होने के बाद होर्मुज रूट प्रभावित होने से कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ी हैं। इस वजह से ही पेट्रोल–डीजल के दाम बढ़ रहे हैं। ब्रेंट क्रूड ऑयल यानी कच्चे तेल कीमत अभी 109.03 डॉलर प्रति बैरल है।

कीमतों में संतुलन बनाए रखने के लिए सरकार ने पेट्रोलियम टैक्स दरों में भी बदलाव किया है। पेट्रोल पर टैक्स को 105 से बढ़ाकर 160 रुपया प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं डीजल की कीमतों में बहुत ज्यादा उछाल न आए, इसलिए इस पर टैक्स को 55 रुपया से घटाकर शून्य कर दिया गया है।पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने इस फैसले को मुश्किल फैसला बताया है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल मार्केट की स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाना जरूरी था। सरकार का मुख्य उद्देश्य वित्तीय अनुशासन बनाए रखना और आर्थिक स्थिरता को बचाना है। मलिक के अनुसार, सरकार अब सब्सिडी केवल उन्हीं वर्गों को देगी जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।प्रधानमंत्री के आर्थिक मामलों के सलाहकार खुर्रम शहजाद ने एक इंटरव्यू में बताया कि पिछले महीने पेट्रोल की खपत में 8% और डीजल की खपत में 13% की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। इस खपत को नियंत्रित करने के लिए कीमतों में इजाफा किया गया। उन्होंने बताया कि सरकार पिछले तीन हफ्तों से इन कीमतों को रोकने की कोशिश कर रही थी, लेकिन वैश्विक हालात को देखते हुए अब यह संभव नहीं रहा।

अफगानिस्तान...

भूकंप के झटकों के बाद लोग सोशल मीडिया पर भी अपने अनुभव साझा करते नजर आए। कई लोगों ने बताया कि उन्हें अचानक पंखे और फर्नीचर हिलते हुए महसूस हुए।

हिन्दू कुश क्षेत्र था केंद्र, जानें भूकंप का विज्ञान

वरिष्ठ भूकंपविज्ञानी डॉ. अजय पॉल का कहना है कि अभी–अभी जो भूकंप आया, उसका केंद्र हिन्दू कुश शृंखला था। हिन्दू कुश की पहाड़ियों पर अक्सर भूकंप आते रहते हैं। देखा गया है कि यह काफी गहरे होते हैं। इनकी तरंगे एपिसेंटर पर इतना प्रभाव नहीं डालती बल्कि मैदानी क्षेत्रों में ज्यादा प्रभाव छोड़ती हैं।

बता दें कि धरती के अंदर सात टेक्टोनिक प्लेट्स हैं। ये प्लेट्स लगातार घूमती रहती हैं। जब ये प्लेट आपस में टकराती हैं, रगड़ती हैं, एकदूसरे के ऊपर चढ़ती या उनसे दूर जाती हैं, तब जमीन हिलने लगती है। इसे ही भूकंप कहते हैं। भूकंप को नापने के लिए रिक्टर पैमाने का इस्तेमाल करते हैं, जिसे रिक्टर मैग्नीट्यूड स्केल कहते हैं।

रिक्टर मैग्नीट्यूड स्केल 1 से 9 तक होती है। भूकंप की तीव्रता को उसके केंद्र यानी एपीसेंटर से नापा जाता है। यानी उस केंद्र से निकलने वाली ऊर्जा को इसी स्केल पर मापा जाता है। 1 यानी कम तीव्रता की ऊर्जा निकल रही है, 9 यानी सबसे ज्यादा, बेहद भयावह और तबाही वाली लहर। ये दूर जाते–जाते कमजोर होती जाती हैं। अगर रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 7 दिखती है तो उसके आसपास के 40 किलोमीटर के दायरे में तेज झटका होता है।

आप का...

आप के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ताओं के लिए यह भी चुनौती बन गया है कि वो राघव चड्ढा जैसे नेताओं के रवैये और पार्टी की नीतियों पर सार्वजनिक रूप से स्पष्ट रहें।आप कार्यकर्ताओं और आम जनता की नजर अब राघव चड्ढा के अगले कदम पर टिकी हुई है। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि अगर चड्ढा बीजेपी में शामिल होते हैं, तो यह दिल्ली और पंजाब की राजनीतिक स्थितियों पर असर डाल सकता है। पार्टी और नेताओं के बीच खींचतान और आरोप–प्रत्यारोप ने इस मसले को सार्वजनिक चर्चा का विषय बना दिया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 04 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

ऑटिज्म जागरूकता की आवश्यकता, भारत में बढ़ते मामलों के बीच राष्ट्रीय स्तर पर अभियान जरूरी

विश्व ऑटिज्म जागरुकता दिवस पर माधव ऑटिज्म फाउंडेशन के द्वारा बद्रुका कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में अतिथि अंजलि राजदान, श्रीकृष्ण बद्रुका, मनोज गोयल, भारती राजवानी , फ़ाउण्डेशन की अध्यक्ष डॉ सुमन सराफ, सचिव डॉ. दिलीप पंसारी एवं अन्य।

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत में मात्र पिछले कुछ वर्षों में ऑटिज्म के क्षेत्र में अपार वृद्धि के लक्षण सामने आए हैं और इस तुलना में हमारे देश में ऑटिज्म के प्रति राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता की और अधिक आवश्यकता होनी चाहिए।यह विचार विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के अवसर पर माधव ऑटिज्म फाउंडेशन द्वारा काचीगुड़ा स्थित बद्रुका कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड आर्ट्स में आयोजित विशेष कार्यक्रम ऑटिज्म टॉक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मेरिडियन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की कुलपति अंजलि राजदान ने व्यक्त किया।

शिक्षकों का प्रशिक्षण और समाज की जिम्मेदारी पर जोर

अंजलि राजदान ने कहा कि ऑटिज्म के क्षेत्र में आवश्यक सेवाओं के विस्तार हेतु विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों को भी प्रशिक्षित किया जाना बेहतर और महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आर्टिस्टिक बच्चों को समाज की मुख्यधारा में स्वीकार और सम्मान करना सर्व समाज की जिम्मेदारी होना चाहिए।

विशेष अतिथियों ने साझा किए अनुभव

विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित बद्रुका कॉलेज के सचिव श्रीकृष्ण बद्रुका ने अपने संबोधन में बताया कि ऑटिज्म से संबंधित विषय और चर्चा उनके लिए एक नया और पहला अनुभव है। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजन का बद्रुका कॉलेज के परिसर में होना उनके लिए हर्ष का विषय है और यह ऑटिज्म जागरूकता अभियान में सहायक साबित होगा।

सम्मानीय अतिथि के रूप में उपस्थित राजस्थानी स्नातक संघ के अध्यक्ष मनोज गोयल ने अपने शैक्षणिक काल का अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनकी शिक्षा भी बद्रुका कॉलेज में ही हुई है और इसी कॉलेज के मंच पर एक अतिथि रूप में उपस्थित होकर संबोधन करना उनके लिए हर्ष का विषय है। उन्होंने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को अपने जीवन में चुनौतियों को स्वीकार करने और साथ ही ऑटिज्म जागरूक अभियान से जुड़कर सहयोग करने का आह्वान किया।

सामाजिक कार्यकर्ता ने दी सहयोग की गारंटी

विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित प्रमुख अधिवक्ता और सामाजिक कार्यकर्ता भारती रजवानी ने माधव ऑटिज्म फाउंडेशन द्वारा ऑटिज्म क्षेत्र में की जा रही सेवाओं की प्रशंसा करते हुए यह आश्वासन दिया कि वह अपनी तरफ से फाउंडेशन के सहयोग का हर संभव प्रयास करेगी।

कार्यक्रम की शुरुआत और मुख्य उद्देश्य

इससे पूर्व उपस्थित सभी मेहमानों और फाउंडेशन के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। फाउंडेशन की संस्थापिका और अध्यक्ष डॉ. सुमन सराफ तथा उपाध्यक्ष अनिल सराफ ने उपस्थित मेहमानों का पुष्पगुच्छ और शॉल से स्वागत किया।

सचिव डॉ. दिलीप पंसारी ने फाउंडेशन की स्थापना के मूल उद्देश्य, स्थापना से 9 वर्ष के अब तक के सफर में फाउंडेशन द्वारा की गई गतिविधियों इत्यादि से लोगों को अवगत कराते हुए उपस्थित जनों को फाउंडेशन से जुड़ने और सहयोग करने का आह्वान किया।

25 वर्ष के अनुभव साझा किए, छात्रों ने दिखाई जुड़ने की इच्छा

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में डॉ. सुमन सराफ ने उपस्थित जनों को ऑटिज्म से जुड़े अपने 25 वर्षों के अनुभव, ऑटिज्म से संबंधित अन्य जानकारी के साथ ही ऑटिज्म के प्रमुख लक्षण, कारण, सुरक्षा और इत्यादि से भी अवगत किया और उपस्थित छात्र-छात्राओं तथा अन्य के द्वारा किए गए संबंधित सवालों का स्पष्टीकरण दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं में से कुछ ने अपने आप को माधव ऑटिज्म फाउंडेशन से जोड़कर इस मुहिम में साथ देने की इच्छा जताई।

सेवारत कर्मियों का सम्मान

हिमाद्री समूह, अग्रमंच प्रकाशन समूह, नव्या सिल्कस् और अन्य के सहयोग से संपन्न हुए इस कार्यक्रम में ऑटिज्म के क्षेत्र में नियमित सेवारत सुमन ऑटिज्म सेंटर के सभी 3 केंद्रों और दि टर्टल प्ले स्कूल के शिक्षकों, फिजिशियन, प्रशिक्षकों, कर्मचारियों और अन्य को सम्मानित किया गया। राष्ट्रगान से कार्यक्रम की समाप्ति हुई।

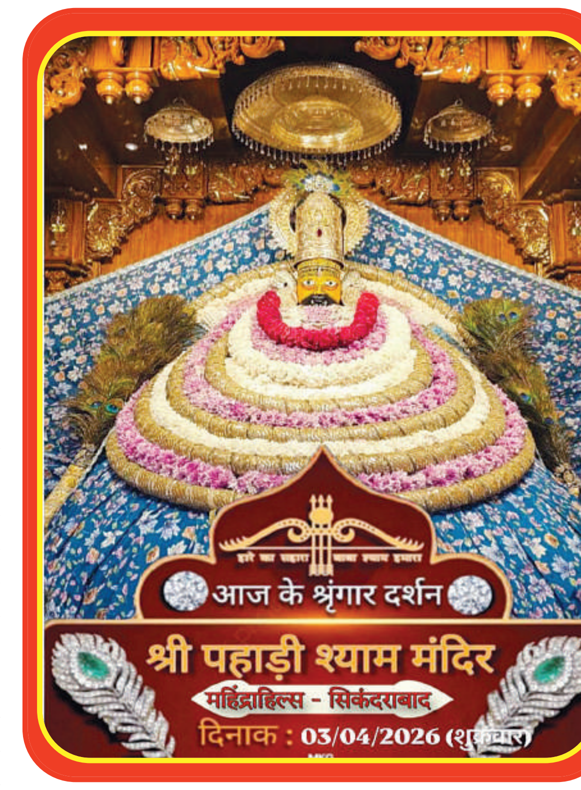

अग्रवाल समाज तेलंगाना के पदाधिकारियों एवं ऑडिटर्स की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के राघव रत्ना स्थित समाज कार्यालय में वर्ष 2025-26 के वित्तीय लेखा-जोखा हेतु ऑडिटर के साथ बैठक की गई।

बैठक में ऑडिटर सीए ऋषभ अग्रवाल, अग्रवाल समाज तेलंगाना के मंत्री विकास केशान, उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता तथा बैंक्वेट हॉल अध्यक्ष एवं पूर्व कोषाध्यक्ष नवीन अग्रवाल उपस्थित थे।

भूखे को भोजन, आत्मा को संतोष: सुनीता अग्रवाल की सेवा भावना का भावपूर्ण संगम

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का अत्यंत भावनात्मक, श्रद्धामय और मानवता की गहराइयों को छू लेने वाला आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य ने न केवल जरूरतमंदों की भूख मिटाई, बल्कि हर उपस्थित व्यक्ति के हृदय में करुणा, संवेदना और अपनत्व का दीप भी प्रज्वलित कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान वातावरण इतना भावुक था कि हर किसी की आंखों में सेवा का जज्बा और दिल में इंसानियत की धड़कन साफ महसूस की जा सकती थी। जब जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन परोसा गया, तो वह केवल अन्नदान नहीं, बल्कि प्रेम, सम्मान और आत्मीयता का सजीव उदाहरण बन गया।इस अवसर पर सुनीता अग्रवाल ने अत्यंत भावुक शब्दों में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप का यह प्रयास केवल सेवा नहीं, बल्कि समाज में संवेदनाओं को जीवित रखने का एक पवित्र संकल्प है। उन्होंने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति को अपने हाथों से भोजन कराना ऐसा अनुभव है, जिसमें आत्मा को जो शांति और संतोष मिलता है, उसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं। वह पल मानो ईश्वर के साक्षात स्पर्श जैसा होता है, जब किसी के चेहरे पर संतोष की मुस्कान खिल उठती है।उन्होंने आगे कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां लोग अपने लिए ही समय नहीं निकाल पाते, वहां इस प्रकार के सेवा कार्य हमें यह याद दिलाते हैं कि सच्चा सुख दूसरों की मदद करने में ही निहित है। यही छोटे-छोटे प्रयास समाज में बड़ा परिवर्तन लाने की ताकत रखते हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने पूरे समर्पण और सेवा भाव से भाग लिया। राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, भगत राम गोयल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, युवान केडिया, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश अग्रवाल, निशा गुप्ता, मनीष गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा, गोपाल अग्रवाल एवं गौरव गोयल सहित अनेक समाजसेवियों की सक्रिय सहभागिता ने इस आयोजन को और भी गरिमामय बना दिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी के चेहरों पर एक अलग ही संतोष और आत्मिक शांति का भाव देखने को मिला। सभी ने यह संकल्प लिया कि सेवा का यह पावन कार्य निरंतर चलता रहेगा और समाज के हर जरूरतमंद तक सहायता पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। यह आयोजन न केवल अन्नदान तक सीमित रहा, बल्कि यह इंसानियत, प्रेम, संस्कार और सेवा के उस अद्भुत संगम का प्रतीक बन गया, जो समाज को जोड़ने और आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है।

महा शतावधान कल

अपनी स्मरण शक्ति से दुनिया को चकित करेंगे युवा जैन मुनि

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के युवा जैन मुनि अपनी असाधारण स्मरण शक्ति (मेमोरी पावर) से पूरी दुनिया को आश्चर्यचकित करने के लिए तैयार हैं। ये युवा संत एक या दो नहीं, बल्कि पूरे 200 सवालों के जवाब बिना किसी हिचकिचाहट के देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जैन इंटरनेशनल विद्यापीठ, हैदराबाद के ट्रस्टी योगेश गांधी ने घोषणा की कि इन युवा जैन मुनियों द्वारा 'महा शतावधान' (स्मरण शक्ति का भव्य प्रदर्शन) का शानदार आयोजन रविवार, 5 अप्रैल 2026 को हैदराबाद के बाग लिंगमपल्ली स्थित टीएसआरटीसी कल्याण मंडपम में किया जाएगा। यह कार्यक्रम जैन इंटरनेशनल विद्यापीठ, हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित हो रहा है। श्री गांधी ने बताया कि मानव कल्याण को बढ़ावा देने और युवाओं को प्रेरित करने के दोहरे उद्देश्यों के साथ आयोजित यह महा शतावधान रविवार सुबह 8:00 बजे से शुरू होकर शाम तक चलेगा। उन्होंने आगे कहा कि श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश निःशुल्क है और इस कार्यक्रम में युवाओं, आध्यात्मिक नेताओं, उद्योगपतियों, विद्वानों, पेशेवरों, डॉक्टरों, इंजीनियरों और वकीलों सहित समाज के हर वर्ग के प्रमुख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

200 प्रश्नों का सटीक उत्तर : एकाग्रता का अद्भुत संगम

श्री गांधी ने बताया कि अवधान (स्मरण शक्ति प्रदर्शन) की कला में महारत हासिल करने वाले युवा जैन मुनि नमिचंद्रसागर जी, नेमिचंद्रसागर जी और सुपार्श्वचंद्रसागर जी इस महा शतावधान कार्यक्रम में भाग लेंगे। वे श्रद्धालुओं द्वारा विभिन्न विषयों पर पूछे गए 200 प्रश्नों के उत्तर उसी सटीक क्रम में देंगे, जिस क्रम में प्रश्न पूछे गए थे।

शुक्रवार को हैदराबाद के बशीर बाग स्थित देशोद्धारक भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये युवा मुनि जुड़वां संत नमिचंद्रसागर जी और नेमिचंद्रसागर जी (जो महा शतावधान अभिनंदनचंद्रसागर जी के शिष्य और आचार्य नयचंद्रसागर सूरी जी के प्रशिष्य हैं) तथा सुपार्श्वचंद्रसागर मुनि उपस्थित थे। इनके साथ जैन इंटरनेशनल विद्यापीठ के ट्रस्टी कैलाश भंडारी, सीए विक्रम श्रीश्रीमाल, अमित वाजवत, हितेश जी मुथा और अंकित चोरड़िया भी मौजूद थे।

प्राचीन कला और आध्यात्मिक शक्ति का प्रदर्शन

इस अवसर पर बोलते हुए सुपार्श्वचंद्रसागर मुनि ने कहा कि प्राचीन कला रूपों और आध्यात्मिक या अलौकिक शक्तियों के क्षेत्र में भारत का एक अनूठा एकाधिकार है। उन्होंने उल्लेख किया कि ध्यान के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति असाधारण अलौकिक क्षमताएं प्राप्त कर सकता है और महा शतावधान असाधारण स्मृति शक्ति का ही एक ऐसा प्रकटीकरण है। उन्होंने समझाया कि इस विधा में, गहन एकाग्रता के माध्यम से, एक साधक 200 विभिन्न प्रश्नों या विषयों को केवल एक बार सुनता है और बाद में पूछे जाने पर, उन सभी को कालानुक्रमिक (सीधे क्रम) और यादृच्छिक (किसी भी) क्रम में बताने में सक्षम होता है।

मौन और ध्यान से प्राप्त सिद्धी

जुड़वां संतों, नमिचंद्रसागर जी और नेमिचंद्रसागर जी ने कहा कि किसी तपस्वी के लिए शतावधान का दर्जा प्राप्त करना एक दुर्लभ घटना है और इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए कठोर आध्यात्मिक साधना की आवश्यकता होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शतावधान कोई धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि असाधारण याददाश्त का प्रदर्शन है। उन्होंने बताया कि मौन, ध्यान और गहन एकाग्रता के माध्यम से, वे संगीत, कला, इतिहास, विज्ञान, सामाजिक, प्रौद्योगिकी, राजनीति और सामान्य ज्ञान सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला पर भक्तों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देने के लिए अपनी स्मृति का उपयोग करते हैं।

इस बैठक में जैन इंटरनेशनल विद्यापीठ के प्रतिनिधि आकाश गुरुजी, अक्षत जैनम, ऋषभ, अक्षित, आर्यन जैनम और प्रणाम ने भी भाग लिया। योगेश गांधी ने जनता से इस महा शतावधान प्रदर्शन में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

साइबर अपराधों से सुरक्षा के लिए जागृत हैदराबाद - सुरक्षित हैदराबाद कार्यक्रम कल

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)

डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों पर लगाम लगाने और नागरिकों को सतर्क करने के उद्देश्य से जागृत हैदराबाद - सुरक्षित हैदराबाद पहल के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी और जुबली हिल्स जोनल पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित यह कार्यक्रम हैदराबाद पुलिस आयुक्त श्री वी. सी. सज्जनार, आईपीएस के आह्वान पर किया जा रहा है।

यह महत्वपूर्ण सत्र 05 अप्रैल 2026 को दोपहर 3 बजे से स्टोन वैली क्लब हाउस में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम की मेजबानी श्री रामनिवास गुप्ता (आर.एन गुप्ता, श्रीनगर कॉलोनी शाखा अग्रवाल समाज) करेंगे।

यहाँ आर. एन गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए बताया गया है कि अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र गोयल, अग्रवाल समाज के अन्य पदाधिकारी एवं सुभाष अग्रवाल अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। साथ ही सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी के पदाधिकारी- श्रीकिशन शर्मा (महासचिव - ऑल जोन), श्रीमती तेजो कुमारी (अध्यक्ष - जुबली हिल्स जोन), मोहम्मद असदुद्दीन (महासचिव), श्री संगेश अग्रवाल (उपाध्यक्ष) और श्री बोगी बालक दास (कार्यकारी अध्यक्ष) भी इस मुहिम को सफल बनाने में शामिल रहेंगे।

साइबर ठगी से बचाव और डिजिटल सुरक्षा का पाठ

आज के दौर में ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग हमले, फेक कॉल्स, ओटीपी स्कैम और पहचान की चोरी (आइडेंटिटी थेफ्ट) जैसी घटनाएँ आम हो गई हैं। जागरूकता की कमी के कारण कई मासूम लोग अपनी मेहनत की कमाई गंवा देते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को निम्नलिखित बिंदुओं पर शिक्षित करना है- फर्जी कॉल, मैसेज और ईमेल की पहचान कैसे करें। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और ऑनलाइन बैंकिंग का सुरक्षित उपयोग। व्यक्तिगत डेटा और पासवर्ड की सुरक्षा।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा 126 इंडक्शन कुकर वितरित

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा राघव रत्ना टावर में इंडक्शन कुकर वितरित किए गए। समाज के मीडिया एवं प्रेस चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि 126 इंडक्शन कुकर वितरित किए गए। विभिन्न शाखाओं के सदस्यों द्वारा ऑनलाइन फॉर्म भरे गए थे, जिनकी स्क्रूटनी के बाद समाज के सदस्यों में यह कुकर वितरित किए गए।

महाराजा अग्रसेन जी की पूजा के साथ कार्यक्रम शुरू

सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन जी की पूजा की गई। तत्पश्चात अग्रवाल समाज के कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रायोजक श्री रघुनाथ मल गीता बाई चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन श्री नरेंद्र कुमार गोयल, सह मंत्री श्रीमती सीमा जैन, पूर्व अध्यक्ष सुरेश कुमार सिंघल, प्रयोजक ग्यारसी लाल जी महेश कुमार जी दिल्ली वाले श्री सुभाष कुमार अग्रवाल, लालाजी परिवार गोशमहल के श्री मनोज कुमार अग्रवाल, श्रीमती शारदा बाई अग्रवाल (शिव ज्वेलर्स) के श्री दिनेश कुमार अग्रवाल कार्यक्रम के सहसंयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल मंचासीन थे। इन सभी के द्वारा लाभार्थियों को इंडक्शन कुकर वितरित किए गए।

अनेक पदाधिकारियों ने वितरण में किया सहयोग

कार्यक्रम के सह संयोजक श्री विनय जैन, भूत पूर्व अध्यक्ष श्री आर. एन. गुप्ता, उत्तर जोन के समन्वयकर्ता सुनील कुमार चोखानी, दक्षिण जोन की समन्वयकर्ता श्रीमती अल्का मिंडा, सेंट्रल जोन के समन्वयकर्ता अजय तुलसीयान, पश्चिम जोन के समन्वयकर्ता मुकुंद लाल अग्रवाल, सभी जोन के प्रधान श्री सुरेश कुमार टंडन, राणीसती दादी महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती रिंकु गर्ग, पैराडाइस शाखा के अशोक कुमार चोखानी, सतीश कुमार सरायवाला द्वारा भी इंडक्शन कुकर वितरित किए गए।

आगामी योजनाओं की घोषणा

समाज के कार्यवाही अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल ने अपने संबोधन में बताया कि निकट भविष्य में समाज द्वारा सिलाई मशीन, शिक्षा सहायता, चिकित्सा सहायता, जगन्नाथ पूरी तीर्थ यात्रा, गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्थानों में ठंडे पानी की मशीन, आर्थिक रूप से अत्यधिक कमजोर अग्रबंधुओं हेतु राशन किट, एकल नारी योजना को सुदृढ़ करना, विकलांगों हेतु विशेष सहायता, आर्थिक रूप से कमजोर अग्रबंधुओं हेतु मात्र 11/- रुपये में विशेष सदस्य बनाना सम्मिलित है। इसके अलावा समाज की प्रमुख पत्रिका 'अग्रमंजुषा' का पुनः प्रकाशन आरंभ करना भी शामिल है।

कार्यक्रम का संचालन अग्रवाल समाज की नाचाराम मल्लापुर शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य श्री प्रतीक अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सह संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल एवं विनय जैन द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सुभाष अग्रवाल,जयप्रकाश सारडा, संजय गुप्ता, हरीश तोलाराम हिंदूजा आदि उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा तम्बोला एवं बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन हेतु बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक प्रेस विज्ञप्ति में अग्रवाल समाज तेलंगाना के मंत्री विकास केशान ने बताया कि अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा बॉक्स क्रिकेट एवं तंबोला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस संदर्भ में शुक्रवार को राघव रत्न टॉवर्स स्थित समाज कार्यालय में बैठक कर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में प्रस्तावित दोनों कार्यक्रमों की रूपरेखा, व्यवस्थाओं तथा सहभागिता को लेकर विचार-विमर्श किया गया। समाज के सदस्यों के लिए इन आयोजनों को सफल एवं आकर्षक बनाने पर जोर दिया गया। मंत्री ने बताया कि दोनों कार्यक्रमों की सम्पूर्ण जानकारी समाज के समक्ष यथाशीघ्र उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक सदस्य इसमें भाग ले सकें। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष आल गुप्ता, पूर्व कोषाध्यक्ष एवं बैंक्वेट हॉल अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, नार्थ शाखा के कोषाध्यक्ष बिक्की सराफ, युवा शाखा सदस्य अमित कुमार व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा भव्य हनुमान जन्मोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर द्वारा श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा स्थित श्री हनुमान जी के मंदिर पर भव्य रूप से हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन किया गया।

प्रातः 7:31 बजे से सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित वासुदेव जी तिवारी के सानिध्य में मंत्रोच्चारण सहित श्री हनुमान जी महाराज का विधि-विधान से अभिषेक किया गया तथा चोला चढ़ाकर महोत्सव सम्पन्न किया गया।इस अवसर पर उपस्थित सभी धर्मप्रेमी भाई-बहनों ने अपनी हाजिरी लगाई। तत्-पश्चात भव्य अलंकृत श्रृंगार एवं पुष्प मालाओं द्वारा अद्भुत श्रृंगार किया गया।कार्यक्रम में छप्पन भोग एवं छत्तीस व्यंजनों का भोग लगाया गया। दोपहर 12:11 बजे महा आरती की गई, इसके बाद सभी धर्मप्रेमी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। दिन भर भक्तों का तांता लगा रहा।सायंकाल आरती के पश्चात नगर के एवं स्वजातीय भजन गायकों ने अपनी अमृत वाणी से पवन पुत्र की महिमा का बखान किया। भक्तगण भजन सुनकर झूम उठे और गद्गद हो गए। पूरा श्री राम दरबार बजरंगमय हो गया तथा सभी ने गगनभेदी जयकारे लगाए। रात्रि 12:11 बजे आरती के पश्चात महोत्सव का समापन हुआ।आयोजन समिति ने सभी समाज बंधुओं एवं धर्मप्रेमी भाई-बहनों का तन-मन-धन से सहयोग देने तथा कार्यक्रम को भव्य रूप से सम्पन्न कराने पर हृदय से आभार प्रकट किया।

श्रीमद् भागवत कथा की अंतिम रूपरेखा तय करने हेतु महत्वपूर्ण बैठक कल

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति के तत्वाधान में श्रीमद् भागवत कथा के धार्मिक अनुष्ठान की अंतिम रूपरेखा और समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण मीटिंग का आयोजन किया जाएगा।

यह बैठक 5 अप्रैल रविवार को सुबह 11:30 बजे सिद्धाम्बर बाजार स्थित बाहेती भवन में आयोजित की जाएगी। समिति के अध्यक्ष श्री श्रीनिवास सोमानी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी दी।

श्रीनिवास सोमानी ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा में मुख्य यजमान के अलावा प्रतिदिन सात दैनिक यजमान बनाए गए हैं। श्रीमद् भागवत कथा में समाज के बंधुओं को श्री कृष्ण जन्म उत्सव यजमान तथा श्री कृष्ण-रूकमिणी विवाह उत्सव यजमान बनने की इच्छा हो तो वे समिति अध्यक्ष या समिति के सदस्यों से संपर्क कर अपना नाम दे सकते हैं।

समिति द्वारा कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं पर गठित समितियों की जानकारी प्राप्त कर उन पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। कथा स्थल पर पंडाल की व्यवस्था, कथा व्यास स्टेज की व्यवस्था, प्रतिदिन कथा के पश्चात प्रसाद भोजन की व्यवस्था तथा अन्य सभी व्यवस्थाओं को पूर्ण किया जाएगा।

श्रीमद् भागवत कथा की सायं आरती के पश्चात आए हुए कथा श्रवण करने वाले धार्मिक बंधुओं को भोजन की व्यवस्था रखी जा रही है। सभी बंधुओं को परिवार एवं मित्रों सहित श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कर पुण्य के लाभार्थी बनने का अवसर मिलेगा।

सभी धर्माभिमानी बंधुओं से श्रीमद् भागवत कथा में तन-मन-धन से सहयोग करने का आग्रह किया गया है। मुख्य संयोजक महेश अग्रवाल ने सभी धार्मिक बंधुओं से भोजन प्रसाद में सहयोग करने का आह्वान किया।

धार्मिक अनुष्ठान में आस्था रखने वाले सभी बंधुओं एवं महिलाओं को मीटिंग में आने का अनुरोध किया गया है। आपके सुझावों से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन भव्य एवं सफल होगा।

आप सभी धार्मिक आस्था वाले बंधुओं का मीटिंग में हार्दिक आमंत्रण है।

श्री बालविर हनुमान मंदिर नामपल्ली में हनुमान जन्मोत्सव भव्य रूप से सम्पन्न

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री बालविर हनुमान मंदिर, नामपल्ली रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर श्रीश्री प्रभुदास जी महाराज के सानिध्य में भव्य रूप से श्री हनुमान जयंती महोत्सव आयोजित किया गया। प्रातः 7 बजे श्री श्री प्रभुदास जी महाराज के हाथों भव्य अभिषेक तथा हनुमान जी को चोला चढ़ाने का कार्य सम्पन्न हुआ। तत्पश्चात हनुमान जी का अलंकृत शृंगार किया गया।

दिन भर भक्ति भरे भजनों का रसपान भक्तों ने किया। पूरा मंदिर खचाखच भरा हुआ था। सायं 6 बजे महा आरती के पश्चात प्रसादी वितरण प्रारंभ हुआ जो अर्धरात्रि तक चलता रहा। सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम पर छप्पन भोग एवं छत्तीस व्यंजनों का भोग लगाया गया। मंदिर से जुड़े सभी भक्तों ने कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग दिया। महाराज जी ने सभी भक्तों को आशीर्वाद देते हुए नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रदान कीं।

हनुमान जयंती शोभा यात्रा में पीस कमेटी ने दी सेवा

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हनुमान जयंती शोभा यात्रा में पीस कमेटी ने अपनी सेवा प्रदान की। अवसर पर नगर पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनर, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त लॉ एंड ऑर्डर तफसीर सिद्दीकी, खैरताबाद जोन पुलिस उपायुक्त शिल्पा वालेई, गोलकुंडा जोन उपायुक्त चंद्रामौली तथा सिकंदराबाद जोन उपायुक्त रश्मि पेरूमल मौजूद रहे।

शोभा यात्रा के दौरान पीस कमेटी के खैरताबाद जोन अध्यक्ष शशि कांत अग्रवाल, गोलकुंडा जोन अध्यक्ष मोहम्मद मोज़म अली, जुबिली हिल्स जोन अध्यक्ष तेजो विजय कुमारी, सिकंदराबाद जोन अध्यक्ष नारायण रेड्डी, चारमीनार जोन अध्यक्ष खाजा मोइज, मधुसूदन सोमानी, इस्माइल भाई, डॉ. ज़ैनुल्लाह बेदीन खान, ए. लक्ष्मण, सुमीत राठी, बरकत अली मानसारया, सत्यनारायण सहित पीस कमेटी के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे और शोभा यात्रा को सुव्यवस्थित बनाने में अपनी सेवा प्रदान की।

गौलीगुड़ा चमन के पास आयोजित हनुमान जन्मोत्सव में भाग लेते हुए प्रजा एकता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला निवास। साथ में हैं एनबी नागेश्वर, श्रीनिवास, विजय, मुकेश, उदय साई एवं अन्य।

हनुमान जन्मोत्सव पर मां दुर्गा की कृपा संस्था द्वारा भक्त सेवा

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हनुमान जी के जन्म दिवस के अवसर पर चांपा दरवाजा की विशाल रथ यात्रा निकाली जाती है। हर साल की तरह इस वर्ष भी मां दुर्गा की कृपा संस्था द्वारा घासी बाजार में रथ यात्रा का स्वागत किया गया।रथ यात्रा के साथ हनुमान भक्तों में बिरयानी बांटी गई। करीब 2000 भक्तों ने इस सेवा का लाभ लिया। साथ ही शीतल जल की भी व्यवस्था की गई।इस सेवा में संस्था के गोविंद लाल अग्रवाल, विनय किशोर तायल, राज कुमारी अग्रवाल, रेखा तुलसियान, मंजू अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, नीलम विजयवर्गी, लता अग्रवाल, मीना जैन, आरती अग्रवाल, चेहक अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, डिंपल अग्रवाल, मीता अग्रवाल जैना, पिंकी तथा अन्य सदस्यों ने भाग लेकर सेवा को सफल बनाया।संस्था के संस्थापक विनय किशोर तायल ने सभी सदस्यों का धन्यवाद करते हुए कहा कि आगे भी सेवाओं में सक्रिय भागीदारी करें। आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए संस्था द्वारा हर हफ्ते शीतल पेय की सेवा जारी रहेगी।

श्री बाल हनुमान जन्मोत्सव पर सुंदरकांड एवं प्रसाद वितरण का आयोजन

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोअर धूलपेट में श्री बाल हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नवयुवक सेवा दल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया और भक्ति रस में सराबोर हुए। जन्मोत्सव के इस शुभ अवसर पर सुंदरकांड का विधि-विधान से पाठ किया गया, जिसकी दिव्य प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पाठ के समापन के पश्चात उपस्थित जनसमूह के बीच विशाल प्रसाद वितरण किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में क्षेत्र की कई गणमान्य हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बंसीलाल खलीफा, नवीन सिंह, ठाकुर नीरज, राजेश जोपट, ओम सिंह, पंडित चतुर्वेदी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

सोलिटेयर हारमोनी में हनुमान जी का जन्मोत्सव श्रद्धापूर्वक मनाया

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोलिटेयर हारमोनी, विठ्ठलराव नगर, माधोपुर में हनुमान जन्मोत्सव धूम-धाम से मनाया गया। सभी निवासियों ने मिलकर हनुमान जी का पूजन-अर्चन किया, सुंदरकांड का पाठ किया तथा भजन-कीर्तन कर जन्मोत्सव मनाया।

इस अवसर पर अरुणा गुप्ता, सरोज अग्रवाल, मीता, नम्रता, नीलिमा, जानकी राजन जी, लता अग्रवाल जी, माधवी, किरण जी, दीपा अग्रवाल, उमा अग्रवाल, रोहिणी एवं अन्य गणमान्य महिलाओं ने उपस्थित होकर अंजनी के लाल हनुमान जी का जन्मोत्सव श्रद्धा एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया।

हनुमान जयंती के अवसर पर बशीरबाग हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना में तथा दिलशाद प्लाजा के पास आयोजित अन्न प्रसाद वितरण कार्यक्रम में भाग लेती हुईं पूर्व पार्षद ममता गुप्ता। साथ में हैं कांग्रेस नेता संतोष गुप्ता, पूर्व पार्षद शंकर यादव, राजेश जायसवाल, रिद्धीश जागीरदार, योगेन्द्रराज, शशि, मुरली कृष्णा, प्रदीप गिल्डा, सोमेश जायसवाल, अनील, विशाल शर्मा, खलील एहमद एवं अन्य ।

बिहार के मोतिहारी में जहरीली शराब पीने से चार की हुई मौत

आधे दर्जन ने आंखें खोईं, चौकीदार गिरफ्तार, थानाध्यक्ष निलंबित

पटना, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मोतिहारी में कथित जहरीली शराब के सेवन से जहां चार लोगों की मौत हो गई है। वहीं आधे दर्जन लोगों ने इस शराब के कारण अपनी आंखों की रोशनी खो दिया है। जबकि लगभग पंद्रह अन्य लोग गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं।शराबबंदी वाले बिहार प्रदेश के मोतिहारी में एक बार फिर जहरीली शराबकांड की आहट सुनाई दे रही है। दरअसल पूर्वी चंपारण जिले के रघुनाथपुर इलाके में कथित तौर पर जहरीली शराब के सेवन से अभी तक चार लोगों की मौत हो गई है। जबकि पन्द्रह अन्य लोग गंभीर रूप से बीमार हैं। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।वही इस घटना के बाद पुलिस और जिला प्रशासन की टीम भी एक्टिव हो गई है। शराब सप्लाई करने वाले धंधेबाज की तलाश में छापेमारी की जा रही है। मोतिहारी में कथित जहरीली शराब कांड में चार लोगों की मौत हो गई है। वहीं कई लोग अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं अस्पताल में भर्ती छह लोगों की आंख की रोशनी गायब होने की बात भी सामने आ रही है।यह कथित जहरीली शराब कांड मोतिहारी के रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के बालगंगा गांव की बताई जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, बालगंगा गांव के कुछ निवासियों ने खाना खाने के बाद रघुनाथपुर गांव जाकर स्प्रिट का सेवन किया था। सेवन के कुछ ही देर बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और शरीर में बेचैनी होने लगी। आनन-फानन में परिजनों ने उन्हें मोतिहारी सदर अस्पताल में भर्ती कराया। दरअसल बुधवार की रात तीस से चालीस लोगों ने स्प्रिट से बनी शराब का सेवन किया था। जिसके बाद एक युवक की जहरीली शराब पीने से संदिग्ध मौत हो गई । वहीं उसके बाद कई लोगों की तबियत बिगड़ गई । जिनको इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिसमें इलाज के दौरान तीन और लोगों की मौत हो गई है। हालांकि इस सिलसिले में कथित जहरीली शराब पीने से मौत की अधिकारी पुष्टि नही हुई है। वहीं मृतक कि पहचान सबसे पहले तुरकौलिया थाना क्षेत्र के प्रमोद यादव के रूप में हुई है। जिसके शव को तुरकौलिया थाना के द्वारा पोस्टमार्टम कराया गया है। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार है ताकि मौत का कारण की पुष्टि हो सकेगा।वहीं चौथे व्यक्ति की कथित जहरीली शराब के सेवन के बाद इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह मौत हुई। जिसकी पहचान तुरकौलिया थाना क्षेत्र के परीक्षण मांझी के रूप में हुई है।इससे पहले चंदू की मौत के बाद परिजनों ने आनन-फानन में शव को जला दिया गया। वहीं परमेश्वर महतो की मौत इस कथित शराब सेवन से ही होने की बात लोग दबी जुबान से कह रहे हैं। जबकि जहरीली शराब के सेवन के बाद लड्डू साह , महेंद्र शाह, गुड्डू और लोहा सिंह के साथ एक अन्य की तबियत भी बिगड़ गई थी। जिनका फिलहाल इलाज कराया जा रहा है।इस बीच अस्पताल में भर्ती लोग अभी बातचीत करने की हालत में नहीं हैं। वहीं लड्डू साह एवं लोहा सिंह की आंख की रौशनी इलाज के बाबजूद अभी तक नही लौटी है। वहीं इस घटना के बाद रघुनाथपुर थाना एवं तुरकौलिया थाना संयुक्त रूप से करवाई में जुटी है। पुलिस ने घटना स्थल का दौरा कर जायजा लिया है।इसके साथ ही जहरीले शराब की स्त्रोत का पता करने में जुटी है। वहीं तुरकौलिया थाना पुलिस के द्वारा देर रात पोस्टमार्टम करा शव को परिजनों को सौंप दिया गया है।वही इस मामले में पुलिस अभी कुछ भी बोलने से परहेज कर रही है। जबकि जिला प्रशासन ने चौकीदार भरत रॉय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं तुरकौलिया थाना के थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी को लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। वहीं रघुनाथपुर में हुई हत्या के मामले में भी केस दर्ज कर लिया गया है।हीरालाल भगत के परिजनों के आवेदन पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।इस कथित जहरीली शराब का असर इतना घातक था कि सेवन के कुछ ही देर बाद लोगों को दिखना बंद हो गया।इस संबंध में लक्ष्मीपुर गदरिया के राजेंद्र कुमार ने पत्रकारों को अपना दर्द साझा करते हुए बताया कि शराब पीने के महज आधे घंटे बाद ही उनकी आंखों के सामने अंधेरा छाने लगा। जबकि मोतिहारी सदर अस्पताल के डॉ. अनूप गौतम ने पुष्टि करते हुए कहा है कि अस्पताल पहुंचे अधिकांश मरीजों में आंखों की रोशनी प्रभावित होने के लक्षण मिले हैं। वहीं फिलहाल पन्द्रह लोग बीमार हैं, जिनमें से 3 की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। जबकि सूत्रों के मुताबिक कुछ लोग छुपकर बदनामी और पुलिस की डर से अज्ञात जगह पर इलाज करवा रहे हैं।

नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने की मुहिम: जगत नारायण अग्रवाल का संकल्प बना समाज के लिए मिसाल

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और मानवता के भाव के साथ किया गया।

इस पुनीत अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर समाज में सेवा और करुणा का संदेश दिया गया।कार्यक्रम के दौरान राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सेवा का यह अवसर हमें राधे रानी की कृपा से प्राप्त हुआ है, जो हमारे लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य केवल अन्नदान करना नहीं, बल्कि आने वाली नई पीढ़ी को संस्कारों, सेवा और मानवीय मूल्यों से जोड़ना है।उन्होंने अपने पोते वंश अग्रवाल के साथ अन्नदान कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए कहा कि जब बच्चे ऐसे सेवा कार्यों में भाग लेते हैं, तो उनके भीतर दया, करुणा और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। यही छोटे-छोटे प्रयास आगे चलकर एक सशक्त और संवेदनशील समाज का निर्माण करते हैं।जगत नारायण अग्रवाल ने आगे कहा कि हम जो भी सेवा कर रहे हैं, वह सब ईश्वर की कृपा और हमारे पूर्वजों के आशीर्वाद से संभव हो रहा है। हमें हमेशा यह स्मरण रखना चाहिए कि यह सब ईश्वर का दिया हुआ है, हमारा अपना कुछ भी नहीं है।इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, गोविंद राम पचेरिया, अनिल अग्रवाल धरसुवाले, राजेश सर योगा, शर्मिला अग्रवाल, रेनू शर्मा, नीलम विजयवर्गीय, आशीष त्यागी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण भक्ति, सेवा और उत्साह से ओतप्रोत रहा।

तेजस्वीनगर, अत्तापुर में आयोजित हनुमान जयंती में भाग लेते हुए संजय महाराज, रवि किरण, लड्डू भाई, लक्ष्मा रेड्डी, कोमरय्या एवं अन्य।

रोको महंगाई - बांधों दाम, नहीं तो होगा चक्का जाम : काँग्रेस

पटना, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। खाड़ी में युद्ध हो रहा है, मगर मोदी सरकार को लफ्फाजी से ही फुर्सत नहीं है, बेचारी जनता महंगाइ की मार झेल रही है, जिसके खिलाफ आज काँग्रेस पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं ने बिहार प्रदेश के गयाजी स्थित टावर चौक पर प्रधानमंत्री का पुतला दहन कर रोको महंगाइ-बांधो दाम नहीं तो होगा चक्का जाम के नारों को बुलंद करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इस अवसर पर उपस्थित बिहार प्रदेश काँग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि सह प्रवक्ता विजय कुमार मिट्ठू, गया जिला काँग्रेस उपाध्यक्ष दामोदर गोस्वामी, टिंकू गिरी, राजीव कुमार सिंह उर्फ लबी सिंह, कृष्ण कानू, विनोद बनारसी, संजय यादव, सुजीत गुप्ता, विपिन बिहारी सिन्हा, कुंदन कुमार, विशाल कुमार, मुन्ना मांझी, मोहम्मद शमीम आलम आदि ने कहा कि 1 अप्रैल से भारत में तमाम चीजों के दाम बेतहासा बढ़ाए गए जैसे घरेलु गैस सिलेंडर के दाम में 60, तथा

कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 218, बढ़ाए गए, प्रीमियम पेट्रोल के दाम 11/ लीटर प्रीमियम डीज़ल 1.5 / लीटर महंगा हुआ, 900 दवाऔ के दाम 10 % बढ़ाए गए, अब 5 की बिस्किट 6 में बिकेगी, 30 का ब्रेड 35 में बिकेगा, 100 का चप्पल 120 में बिकेगा जबकि दुनिया की तमाम देशों ने आपने अपने लोगों को राहत दी है। इस बीच नेताओं ने कहा कि इस महंगाइ के दौर में भी मोदी सरकार डीज़ल, पेट्रोल के केंद्रीय उत्पाद शुल्क में 10 प्रति लीटर कम कर तेल कंपनियों को राहत देने का काम कर रही है, ना कि देशवासियों को। इस संबंध में नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार पांच राज्यों के चुनाव के बाद यानी मई माह से महंगाइ में और वृद्धि करने का काम करेगी, परंतु काँग्रेस पार्टी बेतहासा बढ़ती दामों के खिलाफ लगातार संपूर्ण भारत में चरणबध्द आंदोलन चलाने का काम करेगा।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रीय जनगणना 2027 में की भागीदारी

डिजिटल 'स्व-गणना' पूरी कर देशवासियों से की सक्रिय सहयोग की अपील

नई दिल्ली, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर अपनी 'स्व-गणना' पूरी कर राष्ट्रीय जनगणना 2027 के पहले चरण में भागीदारी की।

इस अवसर पर इस प्रक्रिया के महत्व को रेखांकित करते हुए श्री बिरला ने कहा कि राष्ट्रीय जनगणना शासन के एक नए युग की शुरुआत है। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार पूरी जनगणना प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित की जा रही है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह बदलाव प्रत्येक नागरिक को अपने घर और परिवार का विवरण स्वयं दर्ज करने का अधिकार और सुविधा प्रदान करता है, जो कि अत्यंत सुरक्षित, सटीक और सुगम प्रक्रिया है।श्री बिरला ने कहा कि डिजिटल गणना की ओर यह कदम भारत की तकनीकी प्रगति का प्रमाण है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि राष्ट्रीय डेटा अधिक सटीक हो और जमीनी हकीकत को बेहतर ढंग से दर्शाए।'जनगणना से जनकल्याण' के ध्येय को दोहराते हुए, लोकसभा अध्यक्ष ने सभी देशवासियों से इस महत्व-पूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने की भावपूर्ण अपील की।

उन्होंने नागरिकों से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आग्रह किया, ताकि एक 'सशक्त और समृद्ध भारत' के निर्माण में योगदान दिया जा सके।

स्व-गणना की इस प्रक्रिया के दौरान, भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण पंजीकरण में सहयोग हेतु उपस्थित रहे।

फिरासत अली बाकरी ने साध्वी निरंजन ज्योति से की शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली/हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा तेलंगाना के पूर्व प्रवक्ता मीर फिरासत अली बाकरी ने नई दिल्ली में साध्वी निरंजन ज्योति से उनके निवास मुलाकात की। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान उन्होंने साध्वी निरंजन ज्योति को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के रूप में उनकी हालिया नियुक्ति पर बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस विशेष अवसर पर मीर फिरासत अली बाकरी ने हैदराबाद की जनता की ओर से प्रेम और सद्भावना का संदेश देते हुए साध्वी जी को शॉल भेंट कर सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने बीबी-का-आलम की एक ऐतिहासिक तस्वीर भी भेंट की, जो सभी के लिए प्रेम और किसी के प्रति द्वेष नहीं के प्रतीक के रूप में जानी जाती है। इस मौके पर मीर काज़िम अली बाकरी और सैयद रेहान हैदर की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

मुलाकात के दौरान चर्चा करते हुए साध्वी निरंजन ज्योति जी ने आगामी मुहर्रम के अवसर पर हैदराबाद स्थित दबीरपुरा के अलावा-ए-बीबी का दौरा करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने हैदराबाद की गंगा-जमुनी तहजीब और वहां की ऐतिहासिक परंपराओं के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया।

ईद मिलाप समारोह का आयोजन : तुर्किये के महावाणिज्य दूत हुए सम्मानित

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के ऐतिहासिक क्षेत्र बारकस में स्थित जनाब हबीब मोहसिन के निवास पर एक भव्य ईद मिलाप समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से तुर्किये के महावाणिज्य दूत, महामहिम ओरहान यलमान ओकन के सम्मान में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर महामहिम के परिवार की गरिमामयी उपस्थिति और कजाकिस्तान गणराज्य के मानद वाणिज्य दूत महामहिम डॉ. नवाब डॉ. मीर नासिर अली खान की शिरकत ने कार्यक्रम की रौनक और बढ़ा दी।समारोह में विशिष्ट अतिथियों के रूप में हैदराबाद के आरटीओ एम. पुरुषोत्तम रेड्डी, शहर के प्रमुख रियल एस्टेट व्यवसायी कल्पेश शाह और अनुभवी पत्रकार एम. ए. माजिद उपस्थित रहे। इस मिलन समारोह में न केवल सांस्कृतिक सौहार्द दिखा, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों ने एक-दूसरे को ईद की बधाई दी।इस भव्य आयोजन का एक मुख्य आकर्षण खिलाड़ियों का सम्मान रहा। बामस अखाड़ा प्रोफेशनल रेसलिंग क्लब के तत्वावधान में आयोजित 26वीं हैदराबाद केसरी कुश्ती चैंपियनशिप 2026 के विजेताओं को इस अवसर पर विशेष रूप से सम्मानित और पुरस्कृत किया गया। खेल और परंपरा को बढ़ावा देने के लिए की गई इस पहल की सभी ने सराहना की।कार्यक्रम का सफल संचालन और समन्वय डेक्कन डेमोक्रेटिक क्लब के अध्यक्ष जनाब हबीब मोहसिन, स्पोर्ट्स विलेज के सीईओ मोहम्मद शम्सुद्दीन और सुश्री राम्या रेड्डी द्वारा किया गया। अतिथियों ने इस शानदार मेजबानी और बारकस की अनूठी मेहमाननवाजी की प्रशंसा करते हुए इसे आपसी भाईचारे की मिसाल बताया।

हनुमान जन्मोत्सव पर श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ भक्ति भाव से सम्पन्न

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री संकट मोचन वीर हनुमान भक्त मंडल भाग्यनगर द्वारा हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ।

यह अखंड पाठ बुधवार, 1 अप्रैल 2026 को दोपहर 12:30 बजे से गुरुवार, 2 अप्रैल 2026 को मध्यान 11:00 बजे तक हिमायत सागर के सीअर नगर, कोतवालगुड़ा स्थित श्री संकट मोचन दक्षिण मुख वीर हनुमान मंदिर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भक्तों की भारी भीड़ देखी गई।

परम पूज्य गुरुदेव श्री श्याम नारायणाचार्य जी महाराज (अयोध्या-हरिद्वार) के आशीर्वाद से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

यहां पंडित लालाजी शुक्ला महाराज एवं पंडित विनीत शुक्ला महाराज ने बताया कि श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ ब्रह्म मुहूर्त में हनुमानजी का अभिषेक, शृंगार, आरती एवं सुमधुर भजन के साथ शुरू हुआ।

दोपहर 1 बजे पुनः शृंगार व आरती हुई। इसके पश्चात 1:30 बजे से प्रसाद वितरण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ, जिसमें उपस्थित अतिथि एवं भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

समिति की ओर से पधारे हुए अतिथियों का सम्मान शाल, पुष्प माला एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया गया।

मंदिर में प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को हनुमान चालीसा, सुंदरकांड पाठ, हवन व आरती का नियमित आयोजन किया जाता है। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मंदिर परिसर में शिव मधुर भजनों की प्रस्तुति भी दी गई, जिसका उपस्थित भक्तों ने भरपूर आनंद उठाया।

वीर हनुमान भक्त मंडल भाग्यनगर द्वारा हनुमान जन्मोत्सव पर पधारे सभी भक्तों का हृदय से आभार प्रकट किया गया।

रसूलपुरा में नवपदजी ओली का भव्य पारणा सम्पन्न

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। रसूलपुरा स्थित श्री सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ श्वेतांबर जैन संघ में प. पू. सुक्रतरत्ना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा003 की मंगल छत्रछाया में नवपदजी ओली का सामूहिक पारणा विधिपूर्वक संपन्न हुआ।

जैन रत्न रमेश पी. तातेड ने बताया कि सामूहिक ओली का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ, जिसमें 15 लाभार्थी परिवारों ने भाग लिया तथा कुल 39 ओली पूर्ण हुईं, जिनका पारणा विधिपूर्वक कराया गया।

कार्यक्रम की सफलता में ट्रस्टी अशोक मेहता के महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान के लिए उनका विशेष बहुमान किया गया।

इस अवसर पर संघाध्यक्ष संघवी निर्मल कोठारी, सचिव सुधीर कोठारी, व ट्रस्टीगण अशोक मेहता, जैन रत्न रमेश पी. तातेड, प्रकाशमलजी भंडारी, मुकेश कटारिया, सुरेश मेहता सहित सभी ट्रस्टीगण व सदस्य उपस्थित रहे।

सभी ने मिलकर लाभार्थी परिवारों, तपस्वियों व पुरस्कारी सेवाभावी सहयोगियों, पुजारीजी, रसोईदार, चौकीदार सहित सभी का बहुमान किया।साथ ही महावीर जन्मकल्याणक के दिन नुमाइश मैदान के मुख्य द्वार के लाभार्थी संघवी कमलाबाई छगनलालजी कोठारी परिवार द्वारा लिया गया, जिसका आभार व्यक्त किया गया।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, SRI LATHA, is legally wedded spouse of Service No. 14662339K, Rank: HAV, Name: CHANDULOORI NAGESWARRAO, residing at Vill: AHMEDGUDA, PO: CHERIAL, Teh: KEESARA, Dist Medchal-Malkagiri, State:Telangana, Pin. 501301, That I have changed my Name from SRI LATHA to CHANDULOORI SRILATHA, due to addition of surname in my Husband's service documents. and my correct DOB is 11-07-1989

CHANGE OF NAME

I, TALARI NARAYANA, is legally dependent Father of Service No. 15445488N, Rank:NK, Name: TALARI NAGARAJU, residing at Vill:Pedda polamada, PO:pedda polamada, Teh:Tadipatri, Dist:Anantapur, State: Andhra pradesh, Pin.515411, I have changed my name from TALARI NARAYANA to BOYA NARAYANA, due to correction of surname in my Son's Service Records. My correct DOB is 01-01-1946

CHANGE OF NAME

I, CHANDULOORI PEDDI RA, is legally dependent Father of Service No 14662339K, Rank. HAV, Name. CHANDULOORI NAGESWARRAO, residing at Vill:AHMEDGUDA, PO:CHERIAL, TEH:KEESARA, Dist:MEDCHAL MALKAJGIRI, State: Telangana, Pin: 501301, do hereby That, I have changed my name from CHANDULOORI PEDDI RA, to CHANDALURI PEDDIRAJU, due to correction of name in my Son's Servic Records and My correct DOB is 01-01-1949

CHANGE OF NAME

I, CHANDOORI UPENDRA, is legally dependent Mother of Service No. 14662339K, Rank HAV, Name: CHANDULOORI NAGESWARRAO, residing at Vill: AHMEDGUDA, PO:CHERIAL, Teh: KEESARA, Dist. MEDCHAL-MALKAJGIRI, State: Telangana, Pin:501301, I have changed my name from CHANDOORI UPENDRA to CHANDALURI UPENDRA due to correction of Surname in my Son's Service Records. My Date of Birth is 01-07-1965

CHANGE OF NAME

I, KAMRUNNISA (old name) W/o. ABDUL NABHI, R/o H.NO:4-3-91, Street:Hyderguda, Town & Mandal: KORUTLA, Pin code:505326, Dist:JAGTIYAL, Telangana state, India, have changed my name to QAMRUNNISA. Here after my name is known as QAMRUNNISA W/o ABDUL NABHI

दक्षिण एशिया का टेक्सटाइल हब बनने की राह पर है तेलंगाना : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा है कि राज्य दक्षिण एशिया का प्रमुख टेक्सटाइल हब बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और यह क्षेत्र आर्थिक विकास का बड़ा इंजन बनेगा।

हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एचआईसीसी) में आयोजित दो दिवसीय एशियन टेक्सटाइल कॉन्फ्रेंस 2026 को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने दुनियाभर से आए प्रतिनिधियों का स्वागत किया और उन्हें विकास में भागीदार बताया।

उन्होंने कहा कि भारत की समृद्ध वस्त्र परंपरा विश्व स्तर पर प्रसिद्ध रही है, जिसमें कला और संस्कृति की अहम भूमिका रही है। तेलंगाना की पहचान पोचमपल्ली इकट, गडवाल सहित पारंपरिक बुनाई से जुड़ी रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, टेक्सटाइल केवल उद्योग नहीं, बल्कि हमारे बुनकर समुदायों की जीवनरेखा है। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक रूप से हैदराबाद कपड़े और मोतियों के लिए विश्वभर के व्यापारियों का प्रमुख केंद्र रहा है।

श्री रेड्डी ने बताया कि तेलंगाना देश में उच्च गुणवत्ता वाले कपास के बड़े उत्पादकों में शामिल है, जिसे वैश्विक पहचान मिली है। उन्होंने वारंगल में स्थापित काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क को विश्वस्तरीय टेक्सटाइल गंतव्य बताया। राज्य की मजबूती पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना कौशल और इच्छाशक्ति का बेहतरीन संयोजन है और तकनीक, फार्मास्यूटिकल्स, एयरोस्पेस, रक्षा, विनिर्माण और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में अग्रणी बन चुका है। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचा, भूमि, बिजली-पानी की उपलब्धता, आकर्षक प्रोत्साहन और त्वरित मंजूरी का भरोसा दिया। उन्होंने कहा, यदि आपके पास परिकल्पना है, तो तेलंगाना वैश्विक सफलता के लिए आपका सबसे बेहतर साझेदार है।

उन्होंने सतत विकास पर जोर देते हुए ग्रीन टेक्सटाइल हब और पर्यावरण-अनुकूल विधियों को बढ़ावा देने की बात कही। इसके साथ ही, कौशल विकास-विशेषकर महिलाओं के सशक्तिकरण-पर विशेष ध्यान देने की बात कही।श्री रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद विभिन्न उद्योगों, खासकर फिल्म निर्माण के क्षेत्र में तेजी से वैश्विक पहचान बना रहा है। राज्य सरकार फिल्म उद्योग को स्थानीय स्तर पर फैशन और परिधान स्रोत बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी, जिससे टेक्सटाइल सेक्टर को मजबूती मिलेगी। निवेशकों और उद्योग से जुड़े हितधारकों से सहयोग का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना केवल एक राज्य नहीं, बल्कि विकास का इंजन और सफलता का साझेदार है।

उन्होंने विश्वास जताया कि एशियन टेक्सटाइल कॉन्फ्रेंस 2026 टेक्सटाइल उद्योग में सार्थक साझेदारियों और नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगी।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने रीइमैजिनिंग द फ्यूचर ऑफ ग्लोबल टेक्सटाइल्स विषय पर एक नॉलेज पेपर का भी विमोचन किया। कार्यक्रम में कृषि एवं वस्त्र मंत्री थुम्मला नागेश्वर राव, आईटी एवं उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और निवेशक भी उपस्थित रहे।

भाकपा नेता रामकृष्ण ने तेलंगाना सरकार के वादों को पूरे करने पर उठाये सवाल

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राष्ट्रीय सचिव के रामकृष्ण ने शुक्रवार को मांग की कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी स्पष्ट करें कि तेलंगाना की जनता से किये गये वादों में से वास्तव में कितने लागू किये गये हैं।

श्री रामकृष्ण ने एक बयान में मुख्यमंत्री के केरल के हालिया दौरे के दौरान दिये गये बयानों की आलोचना की, जहां उन्होंने चुनावी घोषणापत्र जारी करते हुए दावा किया था कि तेलंगाना में छह गारंटियों को प्रभावी ढंग से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के दावे भ्रामक हैं और मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वह खुद तेलंगाना के भाकपा-माकपा नेताओं को जमीनी हकीकत समझायें।

श्री रामकृष्ण ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के किये गये कई प्रमुख वादे अधूरे हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि 'कल्याण लक्ष्मी' योजना के तहत एक तोला (10 ग्राम) सोना देने का आश्वासन लागू नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि इसी तरह जॉब कैलेंडर जारी करने का वादा भी हकीकत नहीं बन पाया है और सरकार ने केवल उन पदों को भरा है, जिनकी भर्ती प्रक्रिया पिछली बीआरएस सरकार के दौरान शुरू की गयी थी।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि आरटीसी को राज्य सरकार में विलय करने का प्रस्ताव ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, जबकि दो लाख रुपये की कृषि ऋण माफी केवल सीमित किसानों तक ही विस्तारित की गयी है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि 'रायतु भरोसा' योजना के तहत प्रति एकड़ 15,000 रुपये प्रदान करने का वादा पूरा नहीं हुआ है।भाकपा नेता ने यह भी आरोप लगाया कि पेंशन बढ़ाकर 4,116 रुपये करना, 'युवा विकासम' के तहत वित्तीय सहायता, 'महालक्ष्मी' योजना के तहत 2,500 रुपये की मासिक सहायता, 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति और तेलंगाना आंदोलन के कार्यकर्ताओं को 200 वर्ग गज जमीन का आवंटन जैसे वादे अभी तक लागू नहीं हुए हैं।श्री रामकृष्ण ने कहा कि ये आश्वासन काफी हद तक कागजों पर ही सीमित हैं और मुख्यमंत्री के लिए राज्य के बाहर इसके विपरीत दावा करना अनुचित है। उन्होंने मांग की कि सरकार राजनीतिक नेताओं और जनता दोनों को स्पष्ट रूप से बताये कि ये वादे कहां और कैसे पूरे किये गये हैं।

पचेरी अग्रवाल समिति द्वारा स्वागत मंच लगाया जाएगा

हैदराबाद, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पचेरी अग्रवाल समिति द्वारा माँ नारायणी फाउंडेशन, घांसीबाजार के 50वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में निकाली जा रही श्री रानी सती दादी की भव्य कलश यात्रा के अवसर पर स्वागत मंच लगाया जाएगा। समिति के प्रचार-प्रसार संयोजक श्री महावीर प्रसाद डोकानिया ने जानकारी दी कि पी. सत्यनारायण भवन के पास यह स्वागत मंच लगाया जाएगा।

समिति के अध्यक्ष श्री कैलाश चंद पचेरीया ने सभी सदस्यों एवं समाज बंधुओं से अनुरोध किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर स्वागत मंच की शोभा बढ़ाएं तथा दादी का आशीर्वाद प्राप्त करें।

आंध्र प्रदेश: मदिरा की बिक्री में रिकॉर्ड उछाल, बीयर की खपत में 70 प्रतिशत की भारी वृद्धि

विजयवाड़ा, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान मदिरा की खपत में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गयी है, जिसमें कुल बिक्री मूल्य 6.11 प्रतिशत बढ़कर 31,237 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, लेकिन इस तेजी के बाद भी आबकारी राजस्व में भी 0.68 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई है, जो अब 29,042 करोड़ रुपये हो गया है।

शुक्रवार को जारी आधिकारिक आबकारी आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 31 मार्च तक की एक साल की अवधि के दौरान भारतीय निर्मित विदेशी मदिरा (आईएमएल) की बिक्री 362 लाख पेटी से बढ़कर 414 लाख पेटी हो गयी, जबकि बीयर की बिक्री 136 लाख पेटी से उछलकर 232 लाख पेटी पर पहुंच गयी है।आबकारी अधिकारियों ने इस वृद्धि के पीछे त्योहारों की मांग, नये साल के जश्न और बीयर की कीमतों में दी गयी ढील को मुख्य वजह बताया है।राजस्व के मोर्चे पर एक विरोधाभास भी सामने आया है, जहां रिकॉर्ड बिक्री के बावजूद राज्य के कुल मदिरा-लिंक्ड राजस्व में केवल 196 करोड़ रुपये की ही वृद्धि हुई है। इसका प्रमुख कारण 'लाइसेंस शुल्क और अन्य' मद में होने वाले संग्रह में 19.37 प्रतिशत की गिरावट आना है, जो 4,112 करोड़ रुपये से घटकर 3,316 करोड़ रुपये रह गया है। अधिकारियों के मुताबिक, 180 मिलीलीटर वाली 99 रुपये की बोतलों की बिक्री बढ़ाने और प्रमुख ब्रांडों की कीमतों में कटौती करने से सरकारी खजाने को क्रमशः 442 करोड़ रुपये और 978 करोड़ रुपये का भार उठाना पड़ा है।बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि सस्ती बीयर और छोटी बोतलों के विकल्प ने युवा उपभोक्ताओं को अपनी ओर आकर्षित किया है। वर्तमान में राज्य सरकार मदिरा से प्राप्त होने वाले राजस्व पर अपनी निर्भरता और स्वास्थ्य नीति के बीच संतुलन बनाने की चुनौती का सामना कर रही है। कीमतों में कटौती और गैर-वापसी योग्य शुल्क की कमी के कारण बिक्री में बढ़ोतरी के बावजूद राजस्व वृद्धि उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है।

पालनाडु में निर्भया जैसी हैवानियत: रेप के बाद प्राइवेट पार्ट में डाली रॉड, इलाके में हड़कंप

पालनाडु, 03 अप्रैल (एजेंसियां) ।

आंध्र-प्रदेश के पालनाडु जिले के माचेरला कस्बे में एक 35 वर्षीय महिला के साथ हुई दरिंदगी ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना को लेकर लोगों के बीच गहरा गुस्से का माहौल है और कई लोग इसे देश के चर्चित निर्भया कांड जैसी गंभीर घटना के रूप में देख रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह घटना गुरुवार शाम महिला के घर पर हुई। एक अज्ञात शख्स ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और उसके प्राइवेट पार्ट में लोहे की रॉड से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घटना के बाद पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच को प्राथमिकता दी गई। पुलिस ने तुरंत क्लूज टीम को मौके पर भेजा, जहां से अहम साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। टीम द्वारा फिंगरप्रिंट और अन्य फॉरेंसिक साक्ष्य इकट्ठा किए जा रहे हैं ताकि आरोपी तक जल्द पहुंचा जा सके।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी को माचेरला में तैनात किया गया है, जो खुद जांच की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि इस केस को सबसे उच्च प्राथमिकता दी गई है। आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है और संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आरोपी महिला का परिचित था या कोई बाहरी शख्स। हर एंगल से जांच की जा रही है ताकि सच्चाई सामने आ सके। इस घटना के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में डर और गुस्सा दोनों है। लोग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और सहयोग करने की अपील की है।पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह घटना एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। निर्भया कांड के बाद देश में कई कानून सख्त किए गए थे, लेकिन इस तरह की घटनाएं यह दिखाती हैं कि अभी भी सतर्कता और कड़ी कार्रवाई की जरूरत है। फिलहाल पुलिस सभी साक्ष्यों को जुटाकर जांच को आगे बढ़ा रही है और आरोपी की तलाश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस मामले का खुलासा किया जाएगा और दोषी को कानून के तहत सजा दिलाई जाएगी।

आंध्र प्रदेश में निजी बस की टक्कर से तीन युवकों की मौत

अनाकापल्ली, 03 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । आंध्र प्रदेश में एलामंचिली मंडल के पोथिरेड्डी पालेम क्रॉस रोड पर शुक्रवार को एक निजी बस की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि तीनों युवक पुरुषोत्तमपुरम जा रहे थे। इसी दौरान उनकी मोटरसाइकिल की बस से टक्कर हो गयी। इनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

मृतकों की पहचान बंगारू नानी (24), एल्लाकू गोविंदा (25) और बंगारू दुर्गा प्रसाद (16) के रूप में हुई है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए जीजी अस्पताल भेज दिया है।

हनुमकोंडा ट्रिपल मर्डर: बेटे की चाह में पति ने उतार दिया मौत के घाट, गर्भवती पत्नी समेत दो बेटियों की हत्या

नयी दिल्ली, 03 अप्रैल (एजेंसियां) । तेलंगाना के हनुमकोंडा जिले से सामने आए एक दिल दहला देने वाले ट्रिपल मर्डर केस ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। इस मामले में एक शख्स पर अपनी गर्भवती पत्नी और दो मासूम बेटियों की हत्या का इल्जाम है। शुरुआती जांच में जो वजह सामने आई है, उसने समाज को शर्मसार कर दिया है। पुलिस इस हत्याकांड में गर्ल चाइल्ड एंगल की गहराई से जांच कर रही है। बेटे की चाह में इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिए जाने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक आरोपी अपनी पत्नी के गर्भ में पल रहे बच्चे को लेकर बेहद जुनूनी था। उसे शक था कि इस बार भी उसकी पत्नी एक बेटी को जन्म दे सकती है। इसी डर और मानसिकता ने उसे इतना निर्दयी बना दिया कि उसने अपनी ही पत्नी और दोनों बेटियों की हत्या की साजिश रच डाली। यह मामला न सिर्फ एक पारिवारिक त्रासदी है, बल्कि समाज में मौजूद बेटा-बेटी के भेदभाव की भी भयावह तस्वीर पेश करता है।

इनावोले पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर पी. श्रीनिवास के मुताबिक शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी पहले भी अपनी पत्नी पर गर्भपात कराने का दबाव डाल चुका था। उसे शक होता था कि गर्भ में पल रहा भ्रूण लड़की है, इसलिए वह बार-बार अबॉर्शन के लिए मजबूर करता था। लेकिन पत्नी ने इस बार गर्भ गिराने से इनकार कर दिया, जिससे दोनों के बीच विवाद बढ़ता चला गया।पुलिस को शक है कि इसी विवाद ने इस खौफनाक हत्याकांड की नींव रखी। आरोपी कथित तौर पर एक साजिश के तहत अपनी पत्नी और दोनों बेटियों को घुमाने के बहाने स्विमिंग पूल पर ले गया। वहां उसने तीनों को पानी में डुबोकर मार डाला। यही नहीं, शातिर आरोपी ने इस पूरी घटना को हादसा दिखाने की भी कोशिश की, लेकिन पुलिस की जांच पड़ताल में मामला खुलता चला गया।इस मामले में पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर लिया है और आरोपी से पूछताछ जारी है। साथ ही जांच एजेंसियां यह भी देख रही हैं कि क्या इस मामले में अवैध लिंग जांच (सेक्स डिटरमिनेशन) और जबरन गर्भपात से जुड़े कानूनों का उल्लंघन हुआ है। अगर ऐसा पाया जाता है तो आरोपी पर और भी सख्त धाराएं लगाई जा सकती हैं।यह घटना समाज के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा करती है कि आज भी कुछ लोग बेटे की चाह में किस हद तक गिर सकते हैं। सरकार और समाज द्वारा लगातार जागरूकता के बावजूद बेटियों के प्रति भेदभाव खत्म नहीं हो पाया है। हनमकोंडा का यह मामला एक बार फिर से सोचने पर मजबूर करता है कि बेटियों की सुरक्षा और सम्मान के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.